चैत्र नवरात्रि

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

माहेश्वरी महिला

अप्रैल 2024
वर्ष : 23 * अंक : 2
मूल्य : बीस रुपए

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

नववर्ष गुड़ी पड़वा

गणगौर उत्सव

शक्ति का वंदन

नई दिशा-स्त्री और राजनीति

!! जय महेश !!

होली एवं नवसंवत्सर की

हार्दिक शुभकामनाएं

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
आशा माहेश्वरी

रा. अंचल उपाध्यक्ष
मधु जी बाहेती

रा. कार्य समिति सदस्य
कूंती मूंदड़ा

प्रदेश अध्यक्ष
मंजु भराड़िया

प्रदेश मंत्री
नीलम तपाड़िया

आंचलिक सहप्रभारी
पुष्पा सोमानी

आंचलिक सहप्रभारी
कंचन राठी

आंचलिक सहप्रभारी
रितु मूंदड़ा

माहेश्वरी महिला पत्रिका उपाध्यक्ष
विनिता लाहोटी

सरक्षक
संतोष तोषनीवाल

प्रदेश कोषाध्यक्ष
किरण लखोटिया बूंदी

ट्रस्टी
किरण मानधना

प्रदेश संयुक्त मंत्री बारा
निशा साबु

रा.कार्यकारणी
सीमा बागड़ी

रा. कार्यकारणी
रेखा काहलिया के.पाटन

रा. कार्यकारणी
नीलिमा माहेश्वरी कोटा

रा. कार्यकारणी
सरिता मोहता

माहेश्वरी महिला
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी
महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

* प्रकाशक *
माहेश्वरी महिला समिति
22/15, यशवंत निवास रोड, इन्दौर
मो.: 9329211011
maheshwarimahilaind@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती मनोरमा लड्ढा

उपाध्यक्ष
श्रीमती विमलादेवी साबू

सचिव
श्रीमती लता लाहोटी

संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी

सदस्य
श्रीमती सुशीला काबरा
इन्दौर
श्रीमती गीतादेवी मूंदड़ा
इन्दौर
श्रीमती रत्नीदेवी काबरा
मुंबई
श्रीमती कल्पना गगरानी
मुंबई
डॉ. श्रीमती तारा माहेश्वरी
अकोला

संपादक मण्डल
संरक्षक-सौ. लता लाहोटी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. कल्पना गगरानी

अध्यक्ष-सौ. शैला कलंत्री, देवास
उपाध्यक्ष-सौ. विनीता लाहोटी, कोटा
सचिव-सौ. उर्मिला इंवर, इन्दौर
सदस्य-सौ. कविता दीवान, मथुरा
सदस्य-सौ. रमा साबू, इन्दौर

संपादकीय

होली, नववर्ष, गुड़ी पड़वा, गणगौर एवं रामनवमी समस्त त्यौहारों की बहुत बहुत बधाई

''नववर्ष में उत्कर्ष नव, हर्ष नव बढ़ता जाये
सुख, स्वाथ्य, सम्पदा, श्री पावें,
कामना है विमल, सदा शुभ हो, अक्षय हो।''

सभी त्यौहारों का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है, ये जनजीवन के उल्लास व उमंग के प्रतीक हैं। सभी उत्सव कहीं न कहीं प्रकृति की परिवर्तनशीलता और ऋतु चक्र से जुड़े हैं, तथा पर्यावरण का संतुलन भी बनाये रखते हैं। बसंत आते ही मौसम अंगड़ाई लेता है। आम बौराने लगते हैं, चारों ओर टेसू के फूलों की सुंदर छटा बिखर जाती है, जो जीवन जीने की कला सिखाती है।

होली श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। उस असीम विश्वास का जो प्रहलाद को अपने ईश्वर के अस्तित्व पर था, पिता हिरण्यकश्यप को अपनी सत्ता और शक्ति पर था और होलिका को स्वयं को मिले वरदान पर था, पर विजेता बना प्रहलाद, क्योंकि वह सत्य की राह पर था। हिरण्य कश्यप को अपार शक्ति का स्वामी होते हुए भी झूठे अहंकार के कारण पतन के गर्त में गिरना पड़ा और वरदान का गलत कार्यों में उपयोग करने से होलिका को अभिशाप मिला और वह स्वयं जल गई।

अतः ईर्ष्या, द्वेष, वैमनस्य एवं अहं को हमें 'होली' में होम करना होगा। प्रेम के रंग में सराबोर होने का यह अनूठा त्यौहार अपनी बुराइयों को जलाने एवं दूसरों की बुराईयों को नजरअंदाज करने का है। होली वास्तव में पुरानी बातों को भूलकर दुश्मन को भी गले लगाने का त्यौहार है। समता व एकता का प्रतीक है, जो छूट गये हैं रास्ते में, उनको हमसफर बनाने, गलतफहमियों को दूर कर, पुराने रिश्तों को पुनर्जीवित करने का अवसर है, तो आइये इस होली पर उनसे मिले जो आतुर हैं, व्याकुल हैं, अधीर हैं, यही संदेश है इस अनूठे त्यौहार को मनाने का।

बड़े गर्व की बात है, रामलला का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव पूर्ण भारत में बड़ी धूमधाम से व उत्साह से मनाया गया। अब रामलला का जन्मदिवस रामनवमी भी आने वाला है। वह भी जोर-शोर से मनाई जावेगी। पर इन सबके पीछे जो मुख्य उद्देश्य निहित है कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन से हम कितनी प्रेरणा लेते हैं एवं अपने जीवन में आत्मसात करते हैं। राम एक ऐसा चरित्र है, जो पुरुषोत्तम की भांति पुरुषों में सर्वोत्तम रहे। उनका आचरण सभी के लिये अनुसरणीय था। कर्मनिष्ठा, धर्मनिष्ठा और सत्यनिष्ठा ही उनके सबसे बड़े संस्कार थे। परोपकारी, आज्ञाकारी, विनम्र, मृदुभाषी, विशालहृदयी, दयालु, परस्पर प्रेमभाव, सेवाभाव, मर्यादा का पालन करने वाले शूरवीर थे। श्रीराम ने पुत्र, भाई, पति, नेता, राजा,

मित्र सहित कई भूमिकाएं निभाईं। हर रूप में सभी के आदर्श थे, उनके हर कार्य में विनम्रता के सहज दर्शन होते थे, जो अनुकरणीय हैं। उनसे प्रेरणा लेने योग्य कुछ बातें –(1) बड़ों का आज्ञा पालन व सम्मान कर वनगमन। (2) विनय ही सर्वोत्तम नीति है, हर स्थिति में शांत रहो। (3) सबके साथ समान व्यवहार–हैसियत, उम्र या जाति के अनुसार भेदभाव नहीं, सबका सम्मान करना। (4) मित्रता का महत्व–हनुमान, सुग्रीव, निषाद राज व केवट को सम्मान, राज्याभिषेक में बुलाया। (5) भाई के प्रति प्रेम–पृथ्वी से याचना कि भरत के पैरों में कांटे न चुभे। (6) ऐश्वर्य से बढ़कर रिश्ते–कौशल्या से पहले कैकयी को प्रणाम करना। (7) छोटों का भी महत्व–पशु, पक्षी, पेड़ सभी के प्रति दयालुता। इनमें से कुछ गुणों को अपनाने का संकल्प हम नववर्ष पर लें तो वास्तव में रामराज्य की कल्पना कर सकते हैं। सभी को पुनः बहुत–बहुत बधाई।

सुशीला काबरा

संपादक, माहेश्वरी महिला पत्रिका

पांच वस्तु ऐसी हे ,जो अपवित्र होते हुए भी पवित्र मानी जाती है

उच्छिष्टं शिवनिर्माल्यं वमनं शवकर्पटम् ।
काकविष्टा ते पञ्चैते पवित्राति मनोहरा।।

1. उच्छिष्ट – गाय का दूध ।

गाय का दूध पहले उसका बछडा पीकर उच्छिष्ट करता है। फिर भी वह पवित्र माना जाता है और शिव पर चढता है।

2. शिव निर्माल्यं – गंगा का जल

गंगा जी का अवतरण स्वर्ग से सीधी शिव जी के मस्तक पर आई। नियमानुसार शिव जी पर चढाई हुई हर चीज़ निर्माल्य यानि (प्रवाहित करने योग्य) है, पर गंगाजल पवित्र माना जाता है।

3. वमनम्–उल्टी – शहद

मधुमख्खी जब फूलों का रस लेके अपने छत्ते पे आती है, तब वो अपने मुख से उसे उल्टी के रूप में निकालती है ,जिससे शहद बनता है ,जो पवित्र कार्यों में लिया जाता है।

4. शव कर्पटम्– रेशमी वस्त्र

धार्मिक कार्यो को संपादित करने के लिये पवित्रता की आवश्यकता रहती है , रेशमी वस्त्र को पवित्र माना गया है, पर रेशम को बनाने के लिये रेशमी कीड़े को उबलते पानी मे डाला जाता है ,ओर उसकी मौत हो जाती है उसके बाद रेशम मिलता है, तो हुआ शव कर्पट फिर भी पवित्र है ।

5. काक विष्टा– कौए का मल

कौवा पीपल आदि पेडों के फल खाता है और उन पेडों के बीज अपनी विष्टा मे इधर उधर छोड देता है, जिसमें से पेडों की उत्पत्ति होती है, सबने देखा होगा की कही भी पीपल के पेड उगते नहीं हैं, बल्कि पीपल काक विष्टा से उगता है, फिर भी पवित्र है।

* काम छोटा हो या बड़ा उसको उत्कृष्टता से करना ही, उसके करने वाले का गौरव है।
* यह शिकायत न करे कि गुलाब का पौधा काँटो से भरा है, बल्कि प्रसन्न हो, कि काँटेदार पौधे में गुलाब है।
* आइये हम 24 घंटे कोई भी शिकायत किए बिना रहे और देखे, जिंदगी में सकारात्मक परिवर्तन कैसे प्रारम्भ होता है।
* धन्यवाद अदा करना और माफ़ी माँगना.. ये दो गुण जिस व्यक्ति के पास है.. वो सबके क़रीब और सबके लिए अजीज़ होता है..

अखिल भारतवर्षीय
माहेश्वरी महिला संगठन
(त्रयोदश सत्र 2023-25)

* राष्ट्रीय अध्यक्ष *
सौ. मंजु बांगड़, कानपुर
*
* राष्ट्रीय महामंत्री *
सौ. ज्योति राठी, रायपुर
*
* राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष *
सौ. किरण लढ़ा, दिल्ली
*
* राष्ट्रीय संगठन मंत्री *
सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा
*
* रा. निवृतमान अध्यक्ष *
सौ. आशा माहेश्वरी,कोटा
*
* आंचलिक उपाध्यक्ष *
सौ. मंजु मानधना, नई दिल्ली
उत्तरांचल
सौ. अनुसूया मालू,कोल्हापुर
दक्षिणांचल
सौ. उर्मिला कलंत्री, अहमदाबाद
मध्यांचल
सौ. गिरिजा सारड़ा, विराटनगर
पूर्वांचल
सौ. मधु बाहेती, कोटा
पश्चिमांचल
*
* आंचलिक संयुक्त मंत्री *
सौ. मंजु हुरकट, मेरठ
उत्तरांचल
श्रीमती रेणु सारड़ा, हैदराबाद
दक्षिणांचल
सौ. अनिता जाजोदिया, कनखेड़ी
मध्यांचल
सौ. निशा लढ़ा, कोलकाता
पूर्वांचल
सौ. शिखा भदादा, भीलवाड़ा
पश्चिमांचल
*
* कार्यालय मंत्री *
सौ. प्रीति तोषनीवाल (कानपुर)

अध्यक्षीय

प्रिय बहनों,

जय उमा महेश

रंगों का त्योहार होली स्नेह और प्रेम में भीगा मीठा फागुन है
नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा, गणगौर संग शक्तिपर्व नवरात्र का आगमन है
हर त्योहार आपके जीवन में सुख, सौहार्द, स्वास्थ्य, समृद्धि की खुशियां बढ़ाएं
आप सभी को रामनवमी का राम राम.. हृदयग्राही मंजुल शुभकामनाएं

मार्च –अप्रैल माह संस्कृति और सभ्यता के उत्थान का माह है , जहाँ एक ओर नव चेतना का संचार करता महा शिवरात्रि का पर्व है, वहीं दूसरी ओर प्रेम और सौहार्द के विभिन्न रंगों को समेटे होली का त्यौहार है। अयोध्या राम मंदिर के निर्माण के पश्चात प्रभु श्री राम के अवतरण दिवस स्वरूप राम नवमी का यह पावन अवसर जन जन द्वारा और अधिक उल्लास से मनाया जायेगा, यह माह ईसर गौर स्वरूप गणगौर, नवरात्र के आराधन का प्रतीक सनातन नव वर्ष नव संवत्सर का समय है और साथ ही समय है अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का .. मनु स्मृति में कहा गया है–''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता'' अर्थात् जहाँ नारियों का सम्मान होता है , स्वयं देवता भी वहां निवास करते हैं ।

ऐसे विचारों वाले देश में आज महिला दिवस मनाने की आवश्यकता होती है, यह दुखद भी है और प्रश्नात्मक भी। हाल के वर्षों में हुई प्रगति के बावजूद, भारत में महिलाओं को आज भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मत सोच ये, कि नारी को, आगे बढ़ना न आता है,
मत सोच ये, कि नारी को दुःख से लड़ना न आता है।
नारी ने जब भी जन्म लिया, इस अंधकार के जीवन में,
हर मुश्किल से उसको लड़ना, और संघर्षों से टकराना आता है।।

विगत कुछ समय में महिलाओं को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों में कई सकारात्मक विकास हुए हैं। सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम और नीतियां लागू की हैं। महिलाओं ने कार्यबल में भाग लेने की संख्या में विशेष रूप से वृद्धि देखी गई है, और वे अब राजनीति, व्यवसाय, विज्ञान ,तकनीक, खेलकूद और मनोरंजन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्थान हासिल कर रही हैं। लेकिन इसके बाद भी कहीं न कहीं महिलाओं को समाज की दोहरी मानसिकता का का सामना करना ही पड़ जाता है, ऐसे में शक्तिकरण को समझने की अत्यंत आवश्यकता है । महिला सशक्तिकरण एक प्रक्रिया या मानसिकता है जो महिलाओं को उनके समाज में समानता, स्वतंत्रता, और सम्मान के साथ जीने की क्षमता प्रदान करती है। यह एक सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक प्रक्रिया है जो महिलाओं को उनके अधिकारों और संरक्षण के लिए जागरूक करती है। महिला सशक्तिकरण का मतलब है महिलाओं को उनके अधिकारों की पहचान करना, उन्हें जागरूक

करना, और उन्हें एक समान स्थिति में समाज में शामिल करना। इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारिता हेतु, स्त्रियों का राजनीति में जाना अत्यंत आवश्यक है । महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी समाज में समानता और न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, महिलाओं की राजनीतिक भूमिका से समाज में सामाजिक परिवर्तन और विकास को गति मिलती है। महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व में उन्हें समाज के साथ समर्थन, न्याय, और समानता की भूमिका आती है। उनकी नेतृत्व क्षमता और निर्णय क्षमता समाज को प्रेरित करती है और सही दिशा में ले जाती है। महिलाओं की राजनीतिक भूमिका से समाज में सामाजिक मुद्दों पर ध्यान जाता है। वे महिलाओं के संबंधित मुद्दों को उठाने में सक्षम होती हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने में सहायक होती हैं साथ ही कानूनी और सामाजिक सुधार की दिशा में भी काम होता है। समाज की इसी आवश्कयता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय संगठन ने पहल की और तृतीय कार्यसमिति की वर्चुअल बैठक **''मंगलशक्ति''** में स्वयं सिद्धा समिति के माध्यम से **''नयी दिशा : स्त्री और राजनीति''** विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा परक, व्यवस्थित एवं प्रेरणादायक इस चर्चा परिचर्चा में राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय महिला शक्ति का प्रतीक भारतीय पुलिस सेवा की प्रथम महिला अफसर **डॉक्टर किरणजी बेदी,** माहेश्वरी समाज का गौरव राजस्थान विधानसभा में **सबसे कम उम्र की विधायक श्रीमती दीप्ति किरण जी माहेश्वरी** तथा भारत की सबसे यंगेस्ट पहली MBA सरपंच की छवि के रूप में अपने नाम को सार्थक करती **छवि सिंहजी राजावत** पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित थे। इस बहुआयामी मार्गदर्शन और सभी के सारगर्भित उद्बोधन से प्रेक्षकों के विचारों में स्पष्टता आयी और हम सभी बहनों के मन में जो वैचारिक प्रश्न थे उसका भी समाधान हुआ। लगभग 885 बहनों की उपस्थिति में कार्यक्रम अपने उद्देश्यों में सार्थक रहा पूर्णता सफलतम रहा जिसकी सभी को बधाई।

संगठन हो या समाज या परिवार, किसी एक के सशक्त होने से विकास नहीं होता। सर्वांगीण विकास के लिए सभी को एक दूसरे के लिए आगे आने की आवश्यकता होती है। संगठित शक्ति का प्रतीक हमारा अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। त्रयोदश सत्र का 1 वर्ष बीत चुका है..

हो रहा अतिरेक हर्ष
पूर्ण हुआ लो एक वर्ष
कर्म पथ पर चले
मंजुल मन की चाहत थी
सब अपने साथ हैं
बस यही खुशियों की राहत थी
श्री राम का जय घोष था
सब मंगल हो उद्घोष था
आप सबके सामूहिक प्रयास ने इसे सार्थक किया
पर उपकार वचन मन काया से जलता रहे सत्कर्मों का दिया

जी हां सभी को राममय सत्र के सफल एक वर्ष की बधाई प्रेषित करती हूं। वस्तुतः यह सरक्षक मंडल हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अग्रज बहनों का मार्गदर्शन, केंद्रीय पदाधिकारी,राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सानिध्य, समस्त राष्ट्रीय समिति प्रभारी, आंचलिक सह प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष मंत्री कार्य समिति प्रदेश पदाधिकारी एवं प्रदेश संयोजिकाओ एवं श्रंखलाबद्ध संगठन की प्रत्येक कार्यकर्ता बहन के सामूहिक प्रयासों का सुखद परिणाम है। अतः सफलता का संपूर्ण श्रेय आप सभी के उत्कृष्ट सहयोग का प्रतिफल है जिसकी मैं भविष्य में भी कामना करती हूं।

लोकतंत्र के पर्व का आगाज हो चुका है और नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी पास हो चुका है । अतः नारी शक्ति स्वरूपा सभी बहने चुनाव में मतदान अवश्य करें और इसकी जागरूकता का सर्वत्र प्रसार भी करें। अंत में शुभकामना स्वरूप यही कहूंगी..

कामयाबी के हर शिखर पर सफलता की मंजुल गरिमा हो
आपकी हर कदम पर उन्नति की ज्योतिर्मय लालिमा हो
आशा से परिपूर्ण आत्मविश्वासी हो
किरण सी उज्ज्वल ऊर्जावान हो
ममतामयी प्रीति संग गुणवान हो

संगठन ही नहीं संपूर्ण समाज में आप सब बहने मंगल शक्ति की पहचान हो।

आप सभी का वंदन एवं अभिनंदन...

मंजु बांगड़, राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

27 से 29 फरवरी 2024

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा त्रि दिवसीय अविस्मरणीय गुजरात भ्रमण सम्पन्न

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु जी बांगड़ एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योतिजी राठी दिनांक 27 से 29 जनवरी, 2024 त्रि-दिवसीय गुजरात भ्रमण पर पधारे। मध्यांचल उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिलाजी कलंत्री, राष्ट्रीय विधान संशोधन समिति प्रभारी श्रीमती मंगलजी मर्दा तथा गुजरात प्रदेश निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती उमाजी जाजू ने सिलवासा, सूरत, अंकलेश्वर/भरूच, दाहोद और अहमदाबाद का भ्रमण बड़े सुव्यवस्थित तरीक़े से करवाया। सभी संगठनों में श्रृंखलाबद्ध संगठन की महत्त्वता बताई गई। समितियों के अन्तर्गत होने वाले कार्यों की कार्ययोजना से अवगत कराया गया। हमारे रॉल मॉडल श्री राम के आदर्शों द्वारा संगठन में अपनी भूमिका के बारे में सविस्तार बताया। सभी संगठनों की बहनों व भाईयो से रूबरू मुलाक़ात कर उनके साथ मन की बात की और सभी जगहों की गतिविधियों को जाना। बहुत ही सुखद अनुभव के साथ यह यात्रा सम्पन्न हुई। सभी स्थानों की संक्षिप्त रिपोर्ट

सिलवासा भ्रमण के दौरान दानदाताओं का सम्मान

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योतिजी राठी को मध्यांचल उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिलाजी कलंत्री और राष्ट्रीय विधान संशोधन समिति प्रभारी श्रीमती मंगलजी मर्दा ने गुजरात भ्रमण सिलवासा से प्रारंभ किया। पहली बार राष्ट्रीय पदाधिकारियों का माहेश्वरी महिला संगठन सिलवासा तथा कॉटेज अस्पताल में

अ.भा. सेवा प्रकल्प का निरीक्षण

चल रहे निःशुल्क अन्नसेवा प्रकल्प निरीक्षण का प्रथम संयोग बना। अतिथियों ने अपने हाथों से अन्नसेवा क्षेत्र में भोजन परोसा और विशेष दानदाताओं को सम्मानित किया। दीप प्रज्वलन व महेश वंदना के साथ बैठक की शुरुआत हुई। संगठन द्वारा सभी अतिथियों का शॉल और पुष्प से सम्मान किया गया।

सिलवासा अध्यक्ष शिल्पाजी कलंत्री ने अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। रा.अ. श्रीमती मंजुजी बाँगड़ ने कॉटेज हॉस्पिटल में पिछले 10 वर्ष से लगातार चल रहे निःशुल्क अन्न दान सेवा कार्य वाले प्रोजेक्ट की प्रशंसा की। रा.महा. श्रीमती ज्योतिजी भी प्रोजेक्ट से अत्यन्त प्रभावित हुई और कहा जिस विश्वास, उमंग, जुनून से आप यह सेवा कार्य कर रहे हैं वो बहुत अभिनंदनीय है। हम संगठन में संगठित होकर बड़े से बड़ा कार्य कर सकते हैं इसका ज्वलंत उदाहरण है यह अन्नक्षेत्र। आप लोगों ने अ.भा.माहे.म.सं. की ओर से रुपये 11000/- का योगदान पूर्व अध्यक्ष श्रीमती नीताजी लाहोटी को अन्नक्षेत्र के लिये दिया। सभी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों से अपने मन की बात की और पहली बार मिलने की ख़ुशी ज़ाहिर की। सचिव श्रीमती सारिकाज़ी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उमरगाम तथा वापी से भी सखियाँ पधारी थी।

अंकलेश्वर एवं भरूच भ्रमण के साथ सिलाई केन्द्र का निरीक्षण

अंकलेश्वर/ भरूच का भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम सभी पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय द्वारा अंकलेश्वर में संचालित सिलाई केन्द्र का निरीक्षण किया और केंद्र संचालक श्रीमती अंजलीजी बाँगड़ से पूरी जानकारी प्राप्त की। अंजली ने अपने मन की बात राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बाँगड़ के साथ साझा की। यहाँ से प्रशिक्षित बहनों से भी मुलाक़ात की। संगठन की सखियों ने फूलों से स्वागत किया। उसके बाद अंकलेश्वर की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सीमाजी बहेड़िया के निवास स्थान पर अंकलेश्वर/भरूच माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 28 जनवरी 2024 रविवार के दिन एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में गुजरात प्रदेश निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती उमाजी जाजू , संरक्षक कौशल्याजी लड्ढा, उपाध्यक्ष डॉ. सीमाजी मूंदड़ा एवं सह सचिव श्रीमती ज्योतिजी सोनी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। दीप प्रज्वलित कर महेश वंदना के साथ बैठक की शुरुआत की गई। भरूच व

अंकलेशर के संगठन द्वारा मोमेंटो देकर अतिथियों का सम्मान किया गया। अपने संगठन की रिपोर्ट पेश की। श्रीमती मंजुजी बाँगड़ ने अपने उद्बोधन में सिलाई केन्द्र की बहुत ही सराहना की साथ ही संगठन में शक्ति है इस विषय पर अपने विचार प्रकट किये। रा. महामंत्री श्रीमती ज्योतिजी राठी ने दोनों संगठनों द्वारा किये जा रहे कार्यक्रमों की प्रशंसा की और समितियों के कार्यों पर रोशनी डाली। बैठक में भरूच सभा व युवा संगठन के सदस्य भी उपस्थित थे। संगठन सचिव ने सभी का आभार माना और बैठक का समापन किया। सभी से आपसी संपर्क बहुत ही प्रभावशाली एवं उपयोगी रहा।

अहमदाबाद भ्रमण के साथ जिला संगठन के नव गठित संगठन को शपथ ग्रहण कराई

अहमदाबाद के 9 क्षेत्रों का एक मिलन समारोह

गुजरात भ्रमण के अन्तर्गत दिनांक 29 जनवरी, 2024, सोमवार के दिन अहमदाबाद का भ्रमण किया। अहमदाबाद में कार्यरत नौ माहेश्वरी महिला संगठनों ने एकजुट होकर आत्मीय मिलन समारोह कार्यक्रम सभागार में आयोजित किया। राष्ट्रीय आंचलिक सह प्रभारी: संचार सिद्धा समिति श्रीमती सुशीलाजी माहेश्वरी, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती

मंजूश्रीजी काबरा, सचिव श्रीमती कांताजी मोदानी तथा राष्ट्रीय कार्यसमिति निवृत्तमान प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती उमाजी जाजू, प्रदेश पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पलताजी बांगड़, संरक्षक श्रीमती कौशल्याजी लड्ढा, संयुक्त मंत्री श्रीमती ज्योतिजी सोनी की विशेष उपस्थिति रही।

सभी अध्यक्षाओं व सचिवों ने फूलों से पदाधिकारी गण का स्वागत किया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कुमारी खनक माहेश्वरी के अति सुंदर भरतनाट्यम् द्वारा महेश वंदना और सखी संगठन की बहनों द्वारा स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सभी राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों को दुपट्टे ओढ़ा कर सम्मानित किया गया। अहमदाबाद की वयोवृद्ध कर्मठ कार्यकर्ता सखी संगठन की संरक्षक श्रीमती इंद्राजी राठी का श्रीमती

मंजुजी बाँगड़ ने शॉल ओढ़ा कर सम्मान किया। सभी संगठनों के अध्यक्ष व सचिवों द्वारा इस सत्र में हुए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। श्रीमती मंजुश्रीजी काबरा द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन हुआ। श्रीमती मंगलजी मर्दा ने कार्यकर्ता बहनों को विधान की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। श्रीमती उर्मिलाजी कलंत्री ने गुजरात भ्रमण के सुखद अनुभव बताये एवं सभी संगठनों को एकजुट होकर कार्य करने की गुहार लगाई। राष्ट्रीय महा मंत्री श्रीमती ज्योतिजी राठी ने श्रृंखलाबद्ध संगठन की महत्त्वता के बारे में बहुत ही महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की और साथ ही संगठन से जुड़ने के फ़ायदे पर भी रोशनी डाली।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सम्मान

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ ने रामायण के प्रसंगों द्वारा प्रभु श्री राम के कई गुणों को सबके समक्ष उजागर किया। विनम्रता, शालीनता, धैर्यता और सहनशीलता से परिपूर्ण श्री राम का चरित्र मानवता के लिए तेजोमय दीप स्तंभ है और इसीलिए हमारे जीवन के रोल मॉडल के रूप में हमें प्रभु श्री राम को स्थापित करना चाहिये यह भी कहा और जिसे सभी ने बहुत ही सराहा।

अहमदाबाद जिला माहेश्वरी महिला संगठन के गठन को उन्होंने मंजूरी दी। हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के कर कमलों द्वारा अहमदाबाद जिला के नव निर्वाचित पदाधिकारियों की शपथ विधि बहुत ही अनोखे अंदाज़ में हुई। अहमदाबाद की उपस्थित 115 कार्यकर्ता बहनों में राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने एक नयी ऊर्जा का संचार कर दिया। गुजरात प्रदेश सचिव श्रीमती कांताजी मोदानी द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के पश्चात् राष्ट्रीय पदाधिकारियों को अहमदाबाद के प्रसिद्ध रिवर फ्रंट पर स्थित खूबसूरत अटल ब्रिज की सैर कराई, सभी ने आनंद उठाया।

28 जनवरी दाहोद भ्रमण के साथ शंका-समाधान भी सम्पन्न

गुजरात भ्रमण के दौरान 28 जनवरी 2024 को माहेश्वरी सखी मंडल एवं महिला मंडल दाहोद शाखा ने एक बैठक का आयोजन अध्यक्ष स्नेहलताजी मालीवाल के फ़ार्म हाऊस में किया। सभी राष्ट्रीय अतिथियों का दाहोद की सखियों ने फूलों से स्वागत किया। दीप प्रज्वलित कर महेश वंदना द्वारा बैठक की शुरुआत की। सभी अतिथियों को माला और शॉल से सम्मानित किया। समाज के भाइयों ने भी पुष्पगुच्छ देकर पधारे हुए अतिथियों का सम्मान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ ने अपने वक्तव्य में सभी को संगठनों की कार्य शैली के बारे में बहुत ही महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। रा.महामंत्री श्रीमती ज्योतिजी राठी ने दाहोद के दोनों संगठनों का समन्वय देख बहुत प्रसन्नता ज़ाहिर की और बताया कि तन मन धन और समय देकर जिन संगठनों को हम ऊँचा उठाते हैं उसमें समितियों के माध्यम से अच्छे से कार्य करना

चाहिये। सभी ने अपने वक्तव्य द्वारा शाखा की बहनों का मार्गदर्शन किया एवं जानकारी दी। मीटिंग में 50 बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई एवं 20 भाईयों की भी उपस्थिति रही। दाहोद के दोनों संगठनों की अध्यक्ष स्नेहलताजी मालीवाल व सचिव ज्योतिजी लड्ढा तथा हितेशजी राठी व सचिव मेघाजी बियानी ने अपने संगठनों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।राष्ट्रीय गान के साथ मीटिंग संपन्न हुई। गुजरात भ्रमण सानंद सम्पन्न हुआ।

रा.अ. सौ. मंजु बांगड़, * रा.सचिव सौ. ज्योति राठी

राष्ट्रीय महिला संगठन की द्वि दिवसीय राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक

28–29 मार्च को जूम सभागार में सम्पन्न

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की तृतीय कार्य समिति बैठक दिनांक 28–29 मार्च 2024 को जूम सभागार में संपन्न हुई। दिनांक 28 मार्च को दोपहर 3:30 बजे भगवान उमा महेश की वंदना के साथ बैठक प्रारंभ हुई। महामंत्री ज्योति राठी द्वारा बैठक का संचालन करते हुए सर्वप्रथम सभागार में उपस्थित समस्त पदाधिकारी व सभी बहनों का स्वागत करते हुए हमारे आने वाले मांगलिक पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की। तत्पश्चात दिवंगत वीर शहीदों एवं स्वजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

महामंत्री द्वारा कौशलेंद्रम् बैठक के कार्य विवरण की पुष्टि सभागार द्वारा कराई गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय मंजू जी बांगड़ ने अपने काव्यमय उद्बोधन के साथ वक्तव्य प्रारंभ करते हुए जूम सभागार में उपस्थित सभी अग्रजो का, पदाधिकारियों का व सभी बहनों का शाब्दिक स्वागत किया साथ ही आने वाले सभी त्योहारों हेतु मंगल कामना प्रेषित की। आपने कहा कि त्यौहारों का मौसम है खुशियों का संगम है,आदिशक्ति को नमन है मां जानकी मंगल शक्ति स्वरुपा है।

मार्च माह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस जो 8 मार्च को मनाया जाता है के रूप में संपूर्ण नारी शक्ति को समर्पित है तथा मंगल शक्ति नारी के अद्भुत स्वरूप को दर्शाता है..

''मंगलशक्ति 2024''

का वर्चुअल आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न

जिसकी सभी को बधाई। नारी के प्रत्येक रूप को, प्रत्येक गुण को आपने बखूबी परिभाषित किया।

महिला शक्ति ही ऐसी शक्ति है
जो समाज में परिवर्तन ला सकती है
अपने समाज का मान बढा सकती है
समाज के निर्माण कार्य का धनुष उठा सकती है

आपने कहा जब भी बदलाव आया, परिवर्तन की मशाल जली तो महिलाएं सदैव आगे रही। क्योंकि स्त्री रत्न के समान कोई रत्न नहीं। आपने कहा सभी अग्रज दीदी व पदाधिकारी के सहयोग व मार्गदर्शन से, सभी के सामूहिक प्रयास से त्रयोदश राममय सत्र का प्रथम वर्ष सफलतम रहा। गत राष्ट्रीय बैठक कौशलेंद्रम् के शानदार आयोजन की प्रशंसा करते हुए आपने सभी समितियों के कार्यक्रमों की सराहना की।

गत सत्र में हमने बहनों को टेक्नोलॉजी में प्रवीण किया और इस सत्र में साइबर क्राइम से सुरक्षा प्रदान करना व साइबर अपराधों की रोकथाम करना इस विषय में समाज को जागरूक करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। संस्कृति सिद्धा समिति के योग सोपान प्रकल्प द्वारा हमने 14वां गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया और इस तरह इस सत्र में दो स्वर्णिम कीर्तिमान संगठन के नाम दर्ज हो चुके हैं।

आपने आगामी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी दी जिसमें मुख्य रूप से रामनवमी की पूर्व संध्या पर 16 अप्रैल को ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति द्वारा एक यक्ष प्रश्न में ''राम राज्य का युवा'' विषय पर वर्चुअल टॉक शो का आयोजन।

संस्कृति सिद्धा समिति द्वारा रामनवमी के उपलक्ष में

रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन। 11 मई को नेशनल टेक्नोलॉजी डे के अवसर पर संचार सिद्धा समिति द्वारा टेक्नोलॉजी ज्ञान पर राष्ट्रीय क्विज का आयोजन। महेश नवमी के उपलक्ष में अष्ट सिद्धा- संस्कृति सिद्धा समितियो के माध्यम से 8 मार्च 2024 को संपूर्ण भारतवर्ष व नेपाल में साड़ी वाकेथन का भव्य रूप से आयोजित होगा।

एक विशेष कार्यक्रम जो महासभा से आया था उसको आपने सभी के समक्ष रखा जाजु ट्रस्ट से जिन 1660 बहनों को सहायता दी जा रही है उनसे हमें मिलकर संगठन के निर्देशानुसार कार्य करना होगा इसकी विस्तृत जानकारी भी आपने दी। अंत में आपने कहा अतुलनीय व्यक्तित्व की धनी नारी असंभव को संभव बना देती है ऐसी मंगल शक्ति है। भारतीय संस्कृति और संस्कार में केवल एक दिन महिला दिवस नहीं बल्कि हर दिन मां का दिवस, बहन का, बेटी का, अर्थात स्त्री शक्ति का दिवस है।

महामंत्री ज्योति राठी द्वारा सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।जिसमें-संगठन की दसों राष्ट्रीय समितियों द्वारा किए गए कार्यों का सुचारू रूप से विस्तृत विवरण बताया गया। विशेष रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा 27/ 28 /29 जनवरी को गुजरात के सिलवासा, सूरत, अंकलेश्वर, भरूच, दाहोद, उमरगांव,वापी, व अहमदाबाद का भ्रमण किया गया। अहमदाबाद जिले का गठन किया राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारी को शपथ ग्रहण करवाया गया। सिलवासा के अस्पताल में निशुल्क अन्य सेवा प्रकल्प मे 11,000 रू संगठन की ओर से सहयोग दिया गया। सूरत में प्रथम बालिका मंडल का गठन हुआ। भ्रमण के दौरान ज्ञात हुआ कई स्थान ऐसे थे जहां पहली बार राष्ट्रीय पदाधिकारी पहुंचे अतः वहां की बहनों में बहुत उत्साह था । मंगल जी मर्दा, उर्मिला जी कलंत्री,उमाजी जाजू, कौशल्या जी लड्ढा भ्रमण के दौरान साथ में थे।

महामंत्री ज्योति राठी द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश के बिलासपुर जिले के अंतर्गत भाटापारा, बेमेतरा,बेरला, कोरबा, बिलासपुर, चापा, अहिवारा, सिमगा, तिल्दा नेवरा आदि स्थानों पर प्रदेश अध्यक्ष शशिजी गट्टानी, व अन्य पदाधिकारी के साथ भ्रमण किया। छिंदवाड़ा जिले के अंतर्गत सौसर, पीपला, बेरडी आदि जगह का भ्रमण सुचिता राठी के सहयोग से किया।

कई संस्थाओ में बहुत सी कमियां नजर आई जिन्हें दूर करने का प्रयास किया गया। विशेष रूप से भ्रमण के दौरान ज्ञात हुआ कि राष्ट्रीय कार्य योजना ग्रास रूट तक नहीं पहुंचती है। भ्रमण के दौरान पदाधिकारियों द्वारा राष्ट्र द्वारा निर्धारित अहर्ताओं का पालन किया गया। निवृतमान अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी ने कहा यदि ऊंचाई पर पहुंचना चाहते हो तो बड़ा सोचो, बडा काम करो, बड़ा लक्ष्य रखो, रास्ते नहीं मंजिल तय करो। हमारी कुछ बहने परिवार के प्रति समर्पित रहती है किंतु वर्तमान में आवश्यक है अपने समय को बहु उपयोगी बनाएं, अपने हुनर व रुचि अनुसार कार्य करें व अपने व्यक्तित्व की पहचान बनाएं। समय और सागर की लहरें किसी का इंतजार नहीं करती क्योंकि बीता समय वापस नहीं आता। अपना आत्मविश्वास बढ़ाये केवल श्रीमती बनकर ना रहे अपने जीवन को परमार्थ बनाएं।

कोषाध्यक्ष किरण जी लढा ने विगत तीन माह का

आय-व्यय प्रस्तुत किया। और महत्वपूर्ण बात यानि निरंतर प्रयास से अभी तक 22 प्रदेशों के बैंक अकाउंट खुल चुके हैं। संगठन मंत्री ममता जी मोदानी ने 27 प्रदेशों के संगठन मंत्रियों से प्रदेशों की रिपोर्ट मंगवाई व

जहां-जहां नये संगठन बने या कोई परिवर्तन हुआ उसकी सविस्तार जानकारी दी।

आदरणीय सुशीलाजी काबरा द्वारा माहेश्वरी महिला पत्रिका की पूर्णता जानकारी दी। तीन ई-पत्रिका भी प्रकाशित हो चुकी है और बाय पोस्ट सभी की पत्रिका भी जा रही है। सभी प्रदेशों को विज्ञापन देने हेतु प्रोत्साहित किया साथ ही बहनों से आग्रह किया कि वे अपने लेख,विचार,अच्छा साहित्य, प्रकाशन हेतु भेजें। महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष ललिता जी मालपानी द्वारा ट्रस्ट की जानकारी देते हुए कहा ट्रस्ट हमें आत्मविश्वास व आत्मनिर्भरता हेतु प्रेरित करता है। ट्रस्ट के क्षेत्रीय प्रतिनिधि से अनुरोध किया की ग्रास रूट तक पूरी जानकारी देवें। साथ ही महासभा द्वारा संचालित अन्य ट्रस्टों की भी जानकारी सभी तक पहुंचाएं। आपने अभी तक का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

आदरणीय गीता जी मूंदड़ा ने विशेष सहयोग देने वाली बहनों का आभार माना और कहा जरूरतमंद बहनों के जीवन में खुशियों के रंग भरे, समाज के अंतिम व्यक्ति तक हमारी योजनाएं पहुंचे। विधान समिति संयोजिका मंगल जी मरदा द्वारा विधान संबंधित जानकारी दी और कहा किसी प्रदेशों में अगर कोई परेशानी हो तो समिति से संपर्क करें जिससे उसका निराकरण किया जा सके। प्रादेशिक संशोधित विधान वृंदावन की बैठक में देने की पूरी कोशिश रहेगी साथ ही जिले का विधान भी पूर्णता की ओर है।

कुछ विशेष व मुख्य बातों को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड ने सभी का ध्यान आकर्षित किया संगठन से संबंधित अनेक बातें बताई। पश्चात प्रदेशों के मूल्यांकन का रिजल्ट बताया। प्रदेशों द्वारा प्राप्त रिपोर्टिंग में जो कमियां या गलतियां सामने आई उस बारे में विस्तृत से समझाया। भविष्य में किन-किन बातों का ध्यान रखें यह भी बताया।

आगामी राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक मंगलप्रबोधन 25/26/27 जून को वृंदावन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में होगी इसकी घोषणा की।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लता जी लाहोटी द्वारा कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व अध्यक्ष मंजू जी बांगड महामंत्री ज्योति जी राठी को बधाई देते हुए सभी को अपनी शुभकामनाएं दी। स्वयंसिद्धा समिति प्रभारी निर्मला जी मल्ल एवं पूर्वांचल सह प्रभारी पारुल जी साबू के प्रयासों से बहुत ही सुंदर एक स्वरचित प्रेरणा गीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में महामंत्री ज्योति राठी द्वारा सभी पदाधिकारी का, जूम सभागार में उपस्थित नेपाल चैप्टर सहित 27 प्रदेशों के पदाधिकारी, कार्य समिति सदस्य, विशेष आमंत्रित बहने सभी का आभार माना। उर्मिलाजी कलंत्री व भाग्यश्रीजी चांडक को सुचारू रूप से जूम संचालित करने हेतु धन्यवाद दिया। अंजलि जी तापड़िया जिन्होंने हमें जूम उपलब्ध किया उनका भी आभार माना। सभी सदस्यों की उपस्थिति दर्ज की गई।

मूल्यांकन का रिजल्ट

कोहिनूर श्रेणी(प्रथम) - **पूर्वांचल**-कोलकाता,पश्चिम बंगाल, **पश्चिमांचल**-मध्य राजस्थान अजमेर संभाग, **मध्यांचल**-पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ, गुजरात, **उत्तरांचल**-मध्य उत्तर प्रदेश, पंजाब हरियाणा, **दक्षिणांचल**-तेलंगाना- आंध्र प्रदेश, ब्यझ तमिलनाडु केरल पुडुचेरी

शालीमार श्रेणी (द्वितीय) -**पूर्वांचल**-नेपाल चैप्टर, बिहार झारखंड, उड़ीसा, **पश्चिमांचल**-दक्षिणी राजस्थान, उत्तर पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी राजस्थान, **उत्तरांचल**-पश्चिमी उत्तर प्रदेश , दिल्ली, **दक्षिणांचल**-मुंबई

सफायर श्रेणी (तृतीय) - **पूर्वांचल**-असम प्रदेश, **पश्चिमांचल**-पूर्वी राजस्थान, **उत्तरांचल**-पूर्वी उत्तर प्रदेश, **दक्षिणांचल**-महाराष्ट्र, कर्नाटक गोवा

रा. अ.-सौ. मंजु बांगड़ * रा. महा.-सौ. ज्योति राठी

नई दिशा - स्त्री और राजनीति

शक्ति का वंदन

शक्ति का वंदन करना हो तो हमारी कोशिश भी पुरज़ोर होनी चाहिए, इस बात को मद्देनज़र रखते हुए , हमने पहल की गांव से, और मिले छवि सिंह राजावत से, जो पहली एमबीए सरपंच हैं। गाँव से फिर हमने रुख शहर की ओर तो साक्षात्कार हुआ हमारी अपनी श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी से, जो 2021से राजसमंद से विधानसभा की यंगेस्ट एम.एल.ए. के रूप में माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित कर रही हैं। आगे बढ़े तो बारी थी देश की, तो ध्यान आया नाम एक ऐसी शख्सियत का जो भारत की पहली महिला आईपीएस ऑफिसर हैं, ख्वाहिश हुई कि अगर डॉ.किरण बेदी हां कर दें तो हमारी मंजिल हमें मिल ही जाएगी और ऐसा ही हुआ, कहते है ना, पूरी शिद्दत से किसी चीज को चाहो तो सारी कायनात उसे पूरा करने की साज़िश करती है। डॉ किरण बेदी को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की हर बहन का नमन जो.ब्यूरोक्रेसी और इलेक्टोरल पॉलिटिक्स दोनों का ज्वलंत उदाहरण है और स्वयंसिद्धा होने की जीती जागती मिसाल भी।

श्रीमती किरण बेदी (लेफ्टिनेंट गवर्नर)

किरणी बेदी प्रथम महिला हैं जो भारतीय पुलिस सेवा में ऑफिसर के रूप में कार्यरत है। वे पांडिचेरी में 24वीं लेफ्टिनेंट गवर्नर हैं एवं आपने यूनाईटेड नेशन में सिविलियन पोलिस एडवाईजर के रूप में शांति बनाये रखने के कार्य किये। आपने आईआईटी देहली से पीएचडी की एवं बहुत सी किताबें भी लिखी, जो कि हिन्दी, तमिल, मराठी, मलयालम में अनुवादित भी की गई। कई खेलों की चैंपियन भी रहीं, जैसे टेबल टेनिस। आप मेगा सेसे अवार्ड से पुरस्कृत हुई हैं। 30 वर्षों से दूर गांवों में संस्था नवज्योति एवं इंडिया विजन के माध्यम से सेवा प्रदान कर रही हैं। इनकी एक यू-ट्यूब चेनल भी चलाई जाती है, जिस पर ऑनलाइन प्रोगाम लिये जाते हैं। ''रीडर्स डाइजेस्ट'' और ''द वीक मेग्जीन'' में आपको भारत की अत्यंत विश्वसनीय एवं प्रशंसनीय महिला की उपाधि से नवाजा गया है।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (विधायक)

सन् 2021 से राजसमंद से विधायक के रूप में सेवारत हैं। उपचुनावों में भाजपा से विजयी होने वाली एकमात्र प्रत्याशी हैं। एमबीए की डिग्री के बाद आपने ''वूमन एंटरप्रेन्योरशिप'' में डिप्लोमा 2012 में उदयपुर से किया। भारतीय लायंस परिसंघ, सेवा भारती एवं भारत विकास परिषद के साथ बचपन से जुड़ाव। सावरकर स्मृति एवं मृगेंद्र भारती के माध्यम से लोकशिक्षण चित्ति एवं योग शिविरों का आयोजन। एक अन्तर्राष्ट्रीय सेवा संगठन, लेडिज सर्कल की राजस्थान क्षेत्र की वर्ष 2019-20 में एरिया चेयर पर्सन रहीं हैं। किरण माहेश्वरी स्मृति मंच के माध्यम से विविध पर्वों पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन करती हैं।

छवि राजावत (सरपंच)

भारत की सबसे कम उम्र की पहली एमबीए सरपंच का गौरव प्राप्त है छवि राजावत को। आप राजस्थान के छोटे से गांव सोड़ा की 2010 से 2020 तक 2 बार सरपंच रह चुकी हैं। आपने महिला सरपंच रहते हुए ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलने के अथक प्रयास किये। इसीलिये ''कौन बनेगा करोड़पति'' कार्यक्रम में उन्हें विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। वे अपने गांव के लोगों की मदद करना चाहती थीं। इसलिए शहर की कारपोरेट जगत की जिंदगी और अपनी घुड़सवारी अकादमी के व्यवसाय व रुचि को छोड़कर गांव की मिट्टी से जुड़ने का फैसला किया।

छवि ने न्यूयार्क में आयोजित 11वीं इन्फो पावर्टी व्लर्ड कांफ्रेंस में शिरकत की और गरीबों से लड़ने और विकास के लिये नागरिक प्रशासन की भूमिका पर विचार दिये और ई-सर्विस जैसी नई तकनीक के उपयोग पर जोर दिया। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी, वृक्षारोपण, पानी की समस्या हेतु तालाब का निर्माण, सड़कों का निर्माण, महिलाओं के बैंक में खाते खुलवाये, हर घर में बिजली एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया। उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिये विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए, जिसमें मुख्य राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा प्रथम महिला पुरस्कार ''रीबॉक'' का ''फिट टू फाईट'' पुरस्कार, राजीव गांधी युवा शक्ति राष्ट्रीय पुरस्कार इत्यादि। कार्पोरेट क्षेत्र में भी काम किया। इस दौरान मीडिया, आतिथ्य व दूरसंचार उद्योग में असंख्य भूमिका निभाई। विश्व आर्थिक मंच की सह अध्यक्षा होने का गौरव प्राप्त है। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र में जैविक खेती और स्पोर्टस पर विशेष ध्यान दे रही हैं।

स्वयंसिद्धा समिति के अंतर्गत

शक्ति को नमन शक्ति को वंदन

''या देवी सर्वभूतेषु शक्ति–रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।''

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु बांगड़ तथा राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी के प्रभावी नेतृत्व में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की 'स्वयंसिद्धा समिति' द्वारा अनूठी पहल नई दिशा – स्त्री ओर राजनीति का सफल आयोजन, 29 मार्च को ज़ूम सभागार में, तृतीय राष्ट्रिय कार्यसमिति बैठक के द्वितीय दिवस मंगलशक्ति 2024 के अंतर्गत हुआ। राजनीति का कार्यक्षेत्र महिलाओं के लिए उपयुक्त है या नहीं, कहाँ और कैसी दिक्कतें आती हैं और महिलाएं उनमें से कैसे अपना रास्ता निकालती हैं, इस पर सभी ने अपने विचार रखे. नारी की संवेदनशीलता, घर और राजनीती में सामंजस्य, अच्छे राजनीतिज्ञ के गुण, और सुशाशन से कैसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है, इन विषयों पर गहन विचार विमर्श हुआ। इन सभी विषयों पर प्रकाश डालने और राजनीति का मर्म समझाने हमारे साथ और हमारे बीच उपस्तिथ थे हमारे 3 सुप्रसिद्ध राजनैतिक वक्ता।

1. छविजी राजावत–भारत की पहली सबसे काम उम्र की महिला सरपंच, जो 2 बार जयपुर के पास सोडा गांव की सरपंच रह चुकी हैं, और बहुत सारे सामाजिक प्रकल्पों में कार्यरत हैं। उन्होने कहा प्रायवेट सेक्टर और नॉन प्रॉफीट के साथमे गवर्नमेंट के रिर्सोसेस का फायदा लेना चाहिए संवेदनशीलता कमजोरी ना समझकर ताकत बनाए।

2. सौ.दीप्ती किरणजी माहेश्वरी–हमारे समाज का गौरव, राजस्थान विधानसभा से निर्वाचित विधायक हैं, बच्चों को सोशल सर्वसेस में आने के लिए प्रेरित करे वह सिस्टम मे आयेंगे तभी कुछ काम समझेंगे और बदलाव भी कर पायेंगे।

3 . डॉ किरणजी बेदी – 24TH LT GOVERNOR OF PUDUCHERRY . भारत की पहली महिला IPS अफसर , UNITED NATIONS की भूतपूर्व CIVILIAN POLICE ADVISOR, MAGSYASAY AWARD की विजेता और ऐसे ही अनेक उपलब्धियों से भरपूर है। महिलाओं को धीरे धीरे आगे बढना चाहिए तभी अपने कल्चर मे और सोशल मे नई दिशाये दे पायेगी। बेटी बेटेमे फर्क ना करे दोनों में हर मामले मे समानता रखें।

महिलाएं राजनीति में कैसे अपना स्थान बना सकती हैं अपने विवेक, संयम और कर्मठ व्यवहार के सकारात्मक योगदान से कोई भी राज्य को राम राज्य में परिवर्तित कर सकती हैं, इस विषय पर गहन चर्चा हुई। तीनों राजनीतिज्ञों के कार्यक्षेत्र अलग होने की वजह से हमें, हर स्तर की कार्यप्रणाली, उनके अलग दृष्टिकोण और उनके अनुभव जानने और समझने का मौका मिला। इस बहुआयामी मार्गदर्शन और सभी के सारगर्भित उद्बोधन से प्रेक्षकों के विचारों में स्पष्टता आयी हमारे मन मे कुछ–कुछ उलझने थी उसका भी निराकरण हुआ।

राष्ट्रीय महामंत्री ज्योतीजी राठी के सुंदर संचालन, राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड के स्नेहिल स्वागत उद्बोधन ने सभी का दिल छू लिया। उन्होंने विशेष रूप से कहा नारी समाज की वह सशक्त धूरी है जिस पर संपूर्ण समाज का विकास टिका है। इसीलिए किसी भी समाज की सभ्यता की

कसौटी उस समाज में प्राप्त महिलाओं का दर्जा है। जिस समाज की महिलाएं जितनी अधिक अधिकार संपन्न और सम्मानित होगी वह उतना ही श्रेष्ठ माना जाएगा। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया है क्योंकि भारतीय लोकतंत्र के महापर्व का आगाज हो चुका है और 18 सितंबर 2023 को केंद्रीय मंत्रिमंडल में नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी पास हो चुका है। अतः राजनीति में महिलाओं की भागीदारी इससे संबंधित जानकारी आज समय की मांग है। आज की चर्चा परिचर्चा अपने उद्देश्यों में पूर्णता सार्थक हो और सभी इससे लाभान्वित हो यही कार्यक्रम का उद्देश्य है।

उड़ने को हम बेताब
पंखों को नई दिशा दो फलक को सितारों से भर देंगे
बस एक बार हमें अपनी मंजिल दिखा दो।

समिति प्रदर्शक गिरीजाजी सारडा ने बहुत ही सुचारु रूप से कार्यक्रम की बागडोर संभाली। धन्यवाद ज्ञापन समिति प्रभारी निर्मलाजी मल्ल ने किया।

कार्यक्रम सभी के लिए ज्ञानवर्धक और उपयोगी साबित हुआ। ऐसे विचारणीय विषय पर और भी चिंतन मनन होना चाहिए, ऐसा भी बताया गया। संगठन की पहल पर नई दिशा कार्यक्रम तथा समिति प्रदर्शक श्रीमती गिरिजा सारड़ा के साथ-साथ पूरी टीमकी स्वयं डॉक्टर किरण बेदी, छवि जी राजावत एवं दीप्ति जी माहेश्वरी द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा ने स्वयंसिद्धा समिति के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। पूर्व उपाध्यक्ष गिरिजाजी सारडा का संयोजन और सुंदर मंच संचालन, प्रभारी निर्मलाजी मल्ल की कुशलता और सह प्रभारी पारुलजी साबू, कांचनजी राठी, राजश्रीजी मोहता, मनीषाजी लड्ढा, स्वातिजी काबरा के प्रयास सराहनीय थे। सुंदर प्रेरणा गीत तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

स्वयं सिद्धा समिति प्रभारी-सौ. गिरजा सारड़ा * राष्ट्रीय समिति प्रभारी-सौ. निर्मला मल्ल

बिना विचारे,कोई कार्य नहीं करना चाहिए, विवेक से काम लें

एक बार एक औरत ने अपने घर में एक नेवला पाल रखा था, उस औरत का एक छोटा-सा बालक भी था। औरत जब भी बाहर जाती बालक को घर पर ही छोड़ जाती। उसे विश्वास था कि नेवला उसके बालक का बहुत ध्यान रखता है। एक दिन औरत जब बाज़ार से वापस आ रही थी, तो उसने देखा की नेवला बाहर था और उसके मुहँ पर बहुत सारा खून लगा था औरत बहुत डर गई और उसे लगा कि नेवला उसके बालक को खा गया और उसने बिना सोचे नेवले को मार दिया। बाद में पता चला है कि नेवले ने साँप को मारकर उसके बालक की जान बचाई। बाद में औरत को बहुत पछतावा हुआ।

इसलिए बिना विचारे,कोई कार्य नहीं करना चाहिए।

संजीवन सिद्धा समिति के अंतर्गत

"नेत्रम्" आँखों की उचित देखभाल कैसे की जाए, पर वेबिनार

अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत संजीवन सिद्धा (स्वास्थ समिति) ने 4 जनवरी2024 को नेत्रम, आँखों की उचित देखभाल कैसे की जाए, पर वेबिनार आयोजित किया, जिसमें 450 से अधिक लोगों ने लाभ लिया ।

महेश वंदना एव दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का आग़ाज़ राष्ट्रीय मन्त्राणी श्रीमती ज्योतिजी राठी द्वारा किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजूजी बाँगड़ द्वारा स्वागत उद्बोधन व शुभकामनाएं दी गई। उन्होंने कहा कि आंखें शरीर का एक अभिन्न अंग है जिसके बिना जग सूना है इसलिए इस तरह के कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक है। सूत्र संचालन स्वास्थ्य समिति राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती कुंतल तोष्णीवाल ने बखूबी किया । मुख्य वक्ता डॉ अनघा हेरूर (अनिल शूश हॉस्पिटल मुंबई) का परिचय सह प्रभारी रीना जी राठी ने दिया। मुख्य वक्ता डॉ अनघा जी हेरूर ने आँखो की उचित देखभाल , कांटैक्ट लेंस , मोतिया बिंद का ऑपरेशन कब और कैसे करवाना चाहिए , सिग्नल लाइट के 3 कलर लाल पीला हरे रंग के फ्रूट व सब्ज़ियो का सेवन करने की सलाह दी । उन्होंने रोबोटिक कैटरेक्ट सर्जरी, मल्टीफोकल लेंस, मायोपिया के कारण व निवारण ,डायबिटीज से होने वाले आंखों पर असर, आंखों की एंजियोग्राफी ,काला मोतिया ,आंखों का प्रेशर आदि बातों पर भी रोशनी डाली व आंखों से संबंधित भ्रांतियों को दूर किया ।

एमके इंटरनेशनल आई बैंक की डायरेक्टर,कार्यक्रम अतिथि श्रीमती उमा जी झवर द्वारा शूश बैंक व नेत्र दान के बारे में बहुत ही सुंदर जानकारी दी गई । उन्होंने बताया कि एक स्वस्थ कोर्निया से 6 लोगो को लाभान्वित किया जा सकता है। साथ ही नेत्रदान हेतु अखिल भारत का हेल्पलाइन नंबर भी शेयर किया।

कार्यक्रम की सटीक समीक्षा कुंतल जी तोष्णीवाल ने की व सभी से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक नेत्रदान करें जिससे उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी आंखें किसी के अंधेरे जीवन में रोशनी भर सके। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ ने सभी का आह्वान करते हुए कहा कि संक्रांति पर हमारे यहां दान की परंपरा है और नेत्रदान यदि हम करते हैं तो इससे बड़ा कोई दान नहीं है। सभी इस पुण्य कार्य के भागी बनें।

स्वास्थ्य सह प्रभारी डॉ अल्पना लढ़ा , सुजाता राठी, प्रतिभा नत्थानी व अर्चना तापडिया द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर देकर डॉ अनघा जी ने सभी की जिज्ञासा शांत की। समिति प्रदर्शक श्रीमती मंजूजी हरकुट के आभार ने सभी का दिल जीत लिया । राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई ।

श्रीमती कुंतल तोषनीवाल, राष्ट्रीय समिति प्रभारी
संजीवन सिद्धा(स्वास्थ्य समिति)

स्वयंसिद्धा समिति अंतर्गत

3 फरवरी को ज़ूम प्रेक्षागृह में कार्यक्रम ''शिक्षा'' का सफल आयोजन हुआ

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन, स्वयंसिद्धा समिति अंतर्गत 3 फरवरी को ज़ूम प्रेक्षागृह में एक कार्यक्रम शिक्षा का सफल आयोजन हुआ, जिसका ध्येय था मेडिकल और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए होने वाली परीक्षाओं JEE और NEET के लिए छात्रों और छात्राओं को सशक्त करना। इस कार्यक्रम की प्रथम सूचना के रूप में मैसेज और फ्लायर 29 जनवरी को जारी हुआ और 3 फरवरी को यानी 5 दिन के अल्प समय में 1419 लोग तीन व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़ गए। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की गई, भगवान महेश की वंदना और राम भूमि शहीदों को श्रद्धांजलि के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़ ने स्पीकर्स और छात्रों का कार्यक्रम में स्वागत करते हुए उनको उनके ध्येय की तरफ आगे बढ़ते रहने के लिए शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं समिति प्रदर्शक श्रीमती गिरिजा सारड़ा द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। ज़ूम सेशन में समिति सहप्रभारी श्रीमती मनीषालड्ढा द्वारा परिचय के बाद डॉक्टर दीपा राठी द्वारा छात्र-छात्राओं को काउंसलिंग और नीट तथा जेईई की पढ़ाई करने के लिए विशेष बातें बताई। समिति सह प्रभारी श्रीमती कंचन जी राठी और श्रीमती पारुल जी साबू द्वारा दोनों छात्राओं के परिचय के साथ आईआईटी खड़गपुर की छात्रा सुश्री अमिषा राठी और मेडिकल की छात्रा सुश्री आभा पलोड़ द्वारा पढ़ते वक्त रूटीन कैसा रखें, किस सब्जेक्ट को कितना समय दें और किनको पहले अटेंड करें, किस तरह अपनी दिनचर्या में अलग-अलग सब्जेक्ट्स को उनकी मार्किंग के आधार पर समय दें इत्यादि विषयों पर अपना अनुभव शेयर करते हुए गाइडेंस सेशन कंडक्ट किया गया। सेशन के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़ और राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी की गरिमामयी उपस्थिति में नोट्स डॉक्यूमेंट लॉन्च किए गए, जिनमें नोट्स के साथ-साथ, फॉर्मूला बुक, प्रश्न बैंक, पिछले कई वर्षों के पेपर, काउंसलिंग सेशन, एडमिशन प्रोसेस में कोई भी होने वाले अपडेट इत्यादि की जानकारी शामिल थी। समिति प्रभारी श्रीमती निर्मला मल्ल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह ग्रुप परीक्षाओं तक चालू रहेंगे और इनमें आज भी जैसे-जैसे लोगों को पता चल रहा है लोग जुड़ते जा रहे हैं, अब तक (333+74)+(948+299)+(53+17) =1724 छात्र-छात्राएं इस ग्रुप में आए और गए, जिन्हें नोट्स प्राप्त हो चुके हैं और जो लोग अभी ग्रुप में जुड़े हैं उनके लिए प्रत्येक रात को 9 से 10 बजे तक के समय में विद्यार्थियों के लिए ग्रुप एडमिन मोड से खोले जाते हैं जिसमें वह अपने प्रश्न लिखते हैं तथा रोज सुबह उनके सभी तरह के डाउट्स इन ग्रुप्स में क्लियर किए जाते हैं।

सक्षम कार्यक्रम के तहत स्कूटी चलानी सिखाई गई

राष्ट्रीय प्रकल्प शिक्षा के अंतर्गत, मेडिकल और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में होने वाली परीक्षा JEE और NEET के लिए माहेश्वरी समाज के छात्रों और छात्राओं को सशक्त करने का तत्वाधान लिया गया। JEE और NEET ग्रुप में तब से आज तक रोज रात को 9:00 बजे से 10:00 तक सभी छात्र और छात्राओं के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब दिया जाता है। डॉक्टर दीपा राठी द्वारा काउंसलिंग, आईआईटी खड़गपुर की छात्रा सुश्री अमिषा राठी और मेडिकल की छात्रा सुश्री आभा पलोड़ द्वारा टिप्स और ट्रिक्स के साथ गाइडेंस का सेशन कंडक्ट किया गया। सेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़ की गरिमामयी उपस्थिति में नोट्स डॉक्यूमेंट लॉन्च किए गए।

पूर्वांचल रिपोर्ट-पश्चिम बंगाल में महिलाओं ने विंटर वॉकथान, एवं मैराथन में हिस्सा लिया।उत्कल प्रदेश एवं असम के दो शाखाओं में महिला क्रिकेट का आयोजन किया। असम

केशिवसागर शाखा, एवं जोरहाट शाखा ने अन्य खेल जैसे कबड्डी,खो-खो, स्पून रेस, थो बॉल,कैरम शतरंज आदि। प्रतियोगिताओं का आयोजन,मुजफ्फरपुर उद्योग मेले में झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन ने कुबेर का खजाना का मनोरंजन काउंटर लगाए।

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन के द्वारा 15 कन्याओं को 3 महीना के लिए सिलाई प्रशिक्षण प्रारंभ। वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 3 महिलाओं को उसमें से 1 अपने समाज की महिला को आर्थिक सहायता देकर लघु उद्योग करवा कर आत्मनिर्भर बनाया। 2 जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन प्रदान,2 मशीन देकर गाँव में सिलाई केंद्र प्रारम्भ जिसमें गाँव की कई महिलाएँ सिलाई सीख रही हैं।

पश्चिमांचल रिपोर्ट – जोधपुर जिला द्वारा बालक-बालिकाओं के सात दिवसीय विकास एवं सुरक्षा प्रशिक्षण,जरूरतमंद महिलाओं के रोजगार के लिए तीन सिलाई मशीन प्रदान,पूर्वी राजस्थान महिलाओं के लिए प्रतियोगिता रखी गई स्वयं को पहचानिए,तेजस्विनी जिसमें 16 से 30 साल की युवतियों के लिए सोलह संस्कारों के साथ साथ अपनी आत्मरक्षा कैसे करें कार्यशाला आयोजित,उत्तर राजस्थान नोहर मे सात दिवसीय निशुल्क ब्युटी पार्लर कैंप आयोजित।

मध्यांचल रिपोर्ट-वलसाड जिला उमंग मेले में महिला उद्यमियों ने स्टॉल्स (67) लगाए तथा मेहंदी प्रतियोगिता में 46 महिलाएं प्रतिभागी, बुराहनपुर जिला महिलाएँ वित्तीय प्रबंधन में कुशल बनें, Investor awareness program का आयोजन, आगर जिला बहनों ने श्री राम लला के प्रतिष्ठा समारोह हेतु 1 हज़ार केशरिया ध्वज स्वयं निर्मित किए। प्रदेश में दो 2 स्थान पर मेला आयोजित, साड़ी ड्रिपिंग नेल आर्ट हेयर स्टाइल कार्यशाला आयोजित।

उत्तरांचल रिपोर्ट-उत्तरांचल के दिल्ली प्रदेश (शॉपिंग मॉल), पूर्वी (माहेश्वरी एंटरप्रेन्योर प्लेटफार्म) एवं मध्य उत्तरप्रदेश में महिलाओं के व्यापार को बढ़ाने के लिए तीनों प्रदेश में व्हाट्सएप ग्रुप बनाए हुए है जिसमे कार्य कुशलता चल रहे हैं। मध्य उत्तर प्रदेश में 20 महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने हेतु सक्षम कार्यक्रम के तहत स्कूटी चलानी सिखाई गई। दिल्ली प्रदेश द्वारा हर माह एक विशिष्ट महिला की प्रोफाइल सोशल मीडिया पर पब्लिश करना आरंभ।

दक्षिणांचल रिपोर्ट-गुलबर्गा शहर में प्रख्यात ब्रह्माकुमारी द्वारा नारी के अलग-अलग रूप एवं महत्व पर परिचय रखा,गोकाक शहर में प्रथम पायलट संगीता काबरा बांगड़ सम्मान,महाराष्ट्र प्रदेश सेल्फ ग्रुमिंग वर्कशॉप 30 बहनों ने लाभ लिया। बीड - माजलगांव तहसील में युवा संगठन और जिला सभा के संग महा एक्सपो का आयोजन किया, जिसमें 20 से 25 स्टाल लगाए गए। थाना - भिवंडी क्षेत्र ने सखी तरंग मेला का आयोजन,भायंदर - कोकण विभाग का ऑनलाइन मार्केटिंग ग्रुप कार्यरत है। सातारा - युवा संगठन द्वारा महिलाओं क्रिकेट का आयोजन, सातारा शहर माहेश्वरी महिला मंडल के उद्योग मेला में 35 स्टॉल लगाये गये,एरंडोल तहसील द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु टू व्हीलर सीखाने का कैंप आयोजित,तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन ज़ूम पटल पर स्वनीति महिला अधिकार के बारे में जानकारी तलाक,घरेलूहिंसा ,छेड़छाड़ दहेज, इत्यादि कई विषयों पर प्रकाश डाला गया।कार्य सेतु में स्त्री+ कानूनी अधिकार के बारे में बहनों से सवाल+ जबाब पर कार्यक्रम किया।

राष्ट्रीय समिति प्रदर्शक-गिरिजा सारड़ा
*** राष्ट्रीय समिति प्रभारी-निर्मला मल्ल**

ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति के अन्तर्गत

''काव्य कौशल'' की प्रस्तुति

सांची में ''काव्य कौशल'' की प्रस्तुति। 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। हर सीट हॉट सीट करीब 2600 माहेश्वरी महिलाओं के साथ व्हाट्स एप पर खेला गया।

22 जनवरी को श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर रिपोर्टिंग विधा की लेखन प्रतियोगिता की घोषणा की गई। जिसका प्रचार और प्रसार हर आंचल में नियम पूर्वक किया जा रहा है। ब्लॉग का प्रसारण प्रत्येक माह अर्द्ध रात्रि में

नियमित रूप से किया जा रहा है।

पूर्वांचल की विशेषता को दर्शाता सरोज जी मालपानी द्वारा एक गीत की रचना। कार्य शालाएं लीं गई। सुर साधना वाद्ययंत्रों के साथ 30 उपस्थिति। 101 राम चरित मानस पोथी वितरण। पश्चिमांचल-दोहा भजन अंताक्षरी प्रतियोगिता पश्चिमा दर्शन पुस्तक का विमोचन। दक्षिणांचल- प्रतियोगिताएं, चलो राम बने 11 प्रस्तुतियां। अमृत सिद्धि कथोपकथन 20 प्रस्तुतियां । शब्द सौरभ- जीवनसाथी के चुनाव पर किस बात की प्राथमिकता दें । गद्य पद्य 100 शब्दों में ।

श्यामची आई किताब पर आधारित क्विज, पुस्तक वाचन प्रश्नोत्तरी 380 रजिस्ट्रेशन । 170 उत्तर पुस्तिका साहित्य पर प्रश्न 15 उपस्थिति। कथा लेखन 15 उपस्थिति। मध्यांचल-रामायण प्रश्नोत्तरी 251 उपस्थिति। बाल वर्ग के लिए स्लोगन, श्लोक उच्चारण ,चित्रकला प्रतियोगिता, राम जी के पोस्टर व श्रृंगार,राम जटायु संवाद नाटक लेखन, काव्य सरिता 23 प्रतिभागियों की उपस्थिति विभिन्न रसों पर आधारित काव्य पाठ। समिति पथ प्रदर्शक मंजू जी मानधना व समिति प्रभारी अर्चना जी लाहोटी का स्वागत।

अनुराधा जी जाजू द्वारा द्वितीय कार्यकारी सभा संगोष्ठी में नव दंपतियों के वैवाहिक जीवन को सफल बनाने हेतु पारिवारिक जिम्मेदारी व समाधान विषय पर वक्तव्य।

हर सीट हॉट सीट सीजन 2 में ''पूर्वोत्तर का परचम''

सांची अधिवेशन में काव्य मंचन। हर सीट हॉट सीट सीजन 2 में पूर्वोत्तर का परचम। अखिल द्वारा राम हनुमान संवाद में सीता मां के रूप निभा सहभागिता। हर्षा बाहेती विदेश में एएसपी बनी। सुयश बिहानी द्वारा एशिया, इंडिया, गोल्डन बुक ऑफ़ रिकार्ड्स। साक्षी बिहानी , प्रतीक राठी सीए, तन्वी करनानी बीडीएस, तनिषा तोषनीवाल मजिस्ट्रेट, खुशबू दम्मानी ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट बने। साइबर अवेयरनेस नुक्कड़ स्ट्रीटप्ले में भागीदारी। अनाथ आश्रम , विद्यालयों के बच्चों में विभिन्न खाद्यसामग्री, आवश्यक वस्तुएं वितरित। धार्मिक कार्यशाला,बाल भजनगंगा कार्यक्रम। तीन दिवसीय मारवाड़ी भाषा जागरूकता सेमिनार। चित्रांगन प्रतियोगिता। बसंत पंचमी पर भक्तिमय कार्यक्रम।बच्चों एवं महिलाओं के हर वर्ग हर उम्र हेतु विभिन्न खेलों का आयोजन। शारीरिक फुर्ती एवं तनावमुक्त जीवन के लिए टिप्स।

धनोपार्जन हेतु मेले आयोजित। निबंध प्रतियोगिता। विद्यालय में काव्य पाठशाला। मकर संक्रांति पर दानपुण्य के विभिन्न कार्य। रामलल्ला प्राणप्रतिष्ठा पर सुंदरकाण्ड, हनुमान चालीसा, अखंड रामायणपाठ, शोभा यात्रा दीपमालाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम,भंडारे, राम - सीता झांकियां ,सामूहिक धार्मिक कार्यक्रम,ध्वजारोहन पूजा इतियादी।शिल्पीदिवस पर वृक्षारोपण। गौशाला में गुड, चापड, हरा चारा दिया । गौकथा में 18000 की धनराशि भेंट। 1 साल के लिए गौमाता को गोद लिया। राहगीरों व बच्चों को खिचड़ी वितरण एवं वनभोज कार्यक्रम।संतो एवं वृद्धों के लिए भोजन फल व्यवस्था। दिव्यांग विद्यालय में विभिन्न आवश्यक वस्तुएं वितरित। 24कुंडली महायज्ञ में भागीदारी। मोबाइल पर सतर्कता हेतु कार्यशाला। शुभकामना संदेश एवं पोस्टर प्रेषित। स्थानीय माहेश्वरी जीवनसाथी एप का गठन।गरीब कन्या विवाह हेतु जरूरतमंद सामग्री एवं 3600/की राशि का अनुदान। रक्तदान शिविर में 17 यूनिट रक्तसंग्रह हुआ। कैंसर जागरूकता शिविर आयोजित।

समिति पथ प्रदर्शक- मंजू जी मानधना
समिति प्रभारी- अनुराधा जी जाजू

संचार सिद्धा समिति के अन्तर्गत

मोबाईल के बेसिक, एडवांस फीचर के साथ गुगल प्रतियोगिता

भारत में बढ़ते साइबर अपराधों के चलते लक्ष्मण रेखा (साइबर-सुरक्षा जागरुकता) का आयोजन प्रथम राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक (सांची) कौशलेंद्रम-2023 में किया। विभिन्न प्रकार के सायबर-धोखाधडी को 9 नाटिकाओं द्वारा दर्शाया। लाभार्थी-300 भारत-सरकार द्वारा आयोजित जनचेतना हेतु नुक्कड़ नाटिका प्रतियोगिता में 58 वीडियो भेजी। पूर्वांचल-7, पश्चिमांचल-5, मध्यांचल-18, उत्तरांचल-11, दक्षिणांचल-17

अन्य समिति के राष्ट्रीय, आंचलिक वर्चुअल कार्यशाला में, संचार सिद्धा समिति का हैंडलिंग में सक्रिय सहयोग। फेसबुक-प्रदेशों की मासिक-रिपोर्ट अपलोड। राष्ट्रीय व्हाट्स-ऐप चैनल-राष्ट्रीय गतिविधियों का अपडेट। Continuous Technical Education , Tip of the week, तकनीकी पाठशाला

महाराष्ट्र : कार्यकारिणी बैठक-मोबाईल के बेसिक, एडवांस फीचर के साथ गुगल प्रतियोगिता ली। दक्षिणांचल सह-प्रभारी की अहम भूमिका के साथ संयोजिका, सह-संयोजिका सहित 18 प्रशिक्षको का सहयोग। सायबर-क्राइम

जागरूकता हेतु राष्ट्रीय-प्रभारी द्वारा संबोधन।

गुजरात : दक्षता वर्चुअल कार्यशाला-व्हाट्स-ऐप के नये फ़ीचर का प्रशिक्षण संयोजिका, सह-संयोजिकाओंने दिया।

मुंबई : offline-cum-online दक्षता कार्यशाला में लरर्पीर से फ्लायर, वीडियो, PDF Google search, Map, IRCTC का प्रशिक्षण राष्ट्रीय प्रभारी द्वारा दिया।

डिजिटल कम्युनिकेशन- नेपालचैप्टर सहित 27 प्रदेश में प्रादेशिक संयोजिका, सह-संयोजिका द्वारा कार्यक्रम के फ्लायर्स, video, जन्मदिन, वैवाहिक दिन की शुभकामनाए, जूम संचलन अविरत चल रहे हैं।

सीए भाग्यश्री चांडक, राष्ट्रीय समिति प्रभारी

संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति की ओर से धन्यवाद

इंटरनेट की दुनिया के विशाल क्षेत्र में कुछ कहानियाँ आभासी दुनिया जैसे हमारे मन मस्तिष्क को झंझोड़ देती हैं और हमारे दिलों पर एक विशेष छाप छोड़ जाती है। ऐसा ही अवसर हमें संचार सेतू : नुक्कड़ नाटिका के प्रतियोगिता द्वारा मिला। समिति की ओर से नुक्कड़ नाटिका के संकलन का प्रयास भारत सरकार के प्रतियोगिता के अनुसार किया गया।

आप सभी प्रदेश अध्यक्ष, सचिव, संचार सिद्धा समिति संयोजिका एवं सभी प्रतिभागी बहनों का हृदय की गहराईयों से अभिनंदन। आप सभी ने साइबर सिक्योरिटी जागरूकता (अवेयरनेस) हेतु अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानकर समाज के हर वर्ग, बच्चों, युवाओं और वृद्ध व्यक्तियों तक यह जागरूकता फैलाई।

आप सभी का यह प्रयास अगर समाज में किसी को भी साइबर धोखाधडी से बचाने में सहायक होता है तो आप सभी अपने आप में ही सफल हैं और यह प्रयास आपके आसपास सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करने का एक विशेष माध्यम तो है ही साथ में हमारे माहेश्वरी महिला संगठन/मंडल/संस्था को इससे जन सामान्य एवं समाज से जुड़ने

का एक विशेष अवसर भी मिला।

हमें अत्यन्त ख़ुशी है कि सौंसर, छिंदवाड़ा की नुक्कड नाटिका के आयोजन से वहां हुई साइबर धोखाधड़ी से पीड़ितों को मदद मिली।

हुआ यूँ कि माहेश्वरी महिला मंडल, सौंसर ने एक पाठशाला में नुक्कड़ नाटिका की प्रस्तुति दी और दो सप्ताह के भीतर ही वहाँ एक साइबर धोखाधडी की घटना घटी।

वहाँ के एक अध्यापक के साथ सायबर धोखाधड़ी हुई और उन्हें याद आया कि नुक्कड़ नाटिका में सायबर धोखाधड़ी की शिकायत के बारेमें कुछ कहा था, उन्होंने फिर फोन कर के शिकायत दर्ज करने के लिए 1930 और cybecrime.gov.in पोर्टल की जानकारी लेकर अपनी शिकायत दर्ज की । साथ ही उन्होंने एक प्रशंसा पत्र भी माहेश्वरी महिला मंडल के नाम दिया और उन्हें सम्मानित किया। यह प्रतियोगिता तो एक निमित मात्र हैं किन्तु जनजागृति और समाज के लिए कुछ करने की प्रबल इच्छा ही हमें भीड़ से अलग हमारी पहचान बनाने में/देनें में सहायक होती हैं।

आप सभी का यह प्रयास, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत संचार सिद्धा समिती के जनजगृति प्रयास को जन जन तक पहुंचा पाया इसका हमें विशेष आनंद हैं। जनचेतना की इस लहर को हम हमेशा चेतनावान बनाए रखने का प्रयास करते रहेंगे।

इसी सहयोग की आशा के साथ, आगे भी हम और ऐसे ही जन सामान्य की जानकारी और शिक्षा के प्रकल्प लेकर आते रहेंगे।

श्रीमती उर्मिला कलंत्री
राष्ट्रीय समिति प्रदर्शक
सी.ए. भाग्यश्री चांडक
राष्ट्रीय समिति प्रभारी
एवं संचार सिद्धा समिति टीम

शेर कैसे बना मां दुर्गा का वाहन?

शेर के मां दुर्गा का वाहन बनने की कहानी तब शुरू होती है, जब देवी पार्वती घोर तपस्या करके भगवान शिव को पति के रूप में पाने की कोशिश कर रही थीं। सालों तक तप करने के बाद माता पार्वती को भोले भंडारी अपनी पत्नी के रूप में अपना लेते हैं। इसी बीच तपस्या की वजह से मां पार्वती का रंग काफी काला पड़ गया था। एक दिन ऐसे ही बातचीत के दौरान भगवान शिव मां पार्वती को काली कह देते हैं। यह बात उन्हें पसंद नहीं आती, वो नाराज होकर दोबारा तप करने के लिए चली जाती हैं। एक दिन घूमते-घूमते एक शेर घोर तप कर रहीं मां पार्वती के पास पहुंचा। उन्हें खाने की इच्छा से वो वहां घूमता रहा। मां को तप में लीन देखकर शेर भी वहीं इंतजार करता रहा। देवी का इंतजार करते-करते सालों बीत गए। शेर मां पार्वती के तेज की वजह से उनके पास नहीं पहुंच पाता था। कोशिश करता और असफलता हाथ लगने पर दोबारा लौटकर कोने में बैठ जाता। ऐसे कई साल बीत गए। मां के तप से खुश होकर भगवान शिव प्रकट हुए और मां से मन चाहा वर मांगने को कहा। देवी पार्वती अपना गोरा रंग वापस चाहती थी। भगवान ने आशीर्वाद दिया और वहां से चले गए। वरदान मिलते ही मां पार्वती नहाने के लिए चली गई।

नहाते ही उनके शरीर से एक और देवी का जन्म हुआ, जिनका नाम कौशिकी पड़ा। उनके शरीर से काला रंग भी निकल गया था और मां का रंग पहले की तरह ही साफ हो गया। इसी वजह से माता पार्वती का नाम मां गौरी भी पड़ गया। नहाने के कुछ देर बाद मां की नजर शेर पर पड़ी। शेर को देखते ही उन्होंने भगवान शिव को याद किया और शेर के लिए भी वरदान मांगा। माता पार्वती ने भगवान से कहा, हे नाथ! यह शेर सालों से मुझे भोजन के रूप में ग्रहण करने के लिए इंतजार कर रहा था। मेरे पूरे तप के दौरान यह यहीं था। जितना तप मैंने किया है, उतनी ही तपस्या इसने भी की है। इसी वजह से अब वरदान के रूप में इस शेर को मेरी सवारी बना दीजिए। भगवान ने प्रसन्न होकर माता की बात मान ली और शेर को उनकी सवारी बना दिया। आशीर्वाद मिलने के बाद माता शेर पर सवार हो गईं और तभी से उनका नाम मां शेरावाली और दुर्गा पड़ गया।

''प्रशिक्षण संवाद मार्गदर्शकों से''

(कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर) 7-8 फरवरी पूर्वांचल में सफलतापूर्वक सम्पन्न

दिनांक 7 और 8 फरवरी को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत पूर्वांचल में वर्चुअल प्रांगण में दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, **''प्रशिक्षण संवाद-मार्गदर्शकों से''** का आयोजन किया गया, सभी प्रदेश और नेपाल चैप्टर मिलाकर प्रत्येक दिन लगभग 180 लोगों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम द्वारा सभी का ज्ञानवर्धन हुआ।

कार्यक्रम का आगाज आराध्य देव भगवान उमा महेश की वंदना और राम जन्मभूमि बलिदानियों को श्रद्धांजलि के साथ हुआ। आमंत्रित अतिथियों का स्वागत एक सुंदर स्वागत गीत, जिसे रघुकुल रीत सिद्धा सह प्रभारी कृष्णा जी पेड़ीवाल तथा संजीवन सिद्धा समिति सह प्रभारी अर्चना जी तापड़िया द्वारा बनाया गया था, से किया गया। उपाध्यक्षा श्रीमती गिरिजा जी सारड़ा ने सभी अतिथियों का शाब्दिक स्वागत व नमन किया।

इस प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिवस में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती मंजू जी बांगड़ ने बहुत ही कुशलता से कार्यकर्ताओं के गुणों पर पीपीटी के माध्यम से प्रकाश डाला।

संगठन से जुड़ने के लाभ के बारे में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शोभा जी सादानी ने बहुत ही विस्तार पूर्वक समझाया। अ.भा.माहे.म.सं. की श्रृंखलाबद्ध संरचना को राष्ट्रीय समिति प्रदर्शक श्रीमती मधु जी बाहेती ने सभी के समक्ष रखा। पदाधिकारियों के दायित्व, जो कि कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का बहुत ही महत्वपूर्ण घटक होता है, के बारे में उपाध्यक्षा श्रीमती गिरिजा सारड़ा ने बहुत ही सुंदर पीपीटी के माध्यम से सभी को अवगत करवाया। प्रोटोकॉल जैसे बेहद जरूरी और जटिल विषय के बारे में अष्ट सिद्धा राष्ट्रीय समिति प्रभारी डॉ नम्रता बियाणी ने बहुत ही प्रभावशाली तरीके से समझाया। अंतिम पड़ाव में एक सुंदर प्रेरणा गीत, जिसे स्वयं सिद्धा समिति की राष्ट्रीय प्रभारी निर्मला जी मल्ल एवं सह प्रभारी पारुल जी साबू द्वारा रचित प्रस्तुत किया गया।

द्वितीय दिवस 8 फरवरी को फिर से महेश वंदना और श्रद्धांजलि और स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जिसकी रचना संस्कार सिद्धा समिति सह प्रभारी श्रीमती चंचल जी राठी ने की। गीत में उपस्ना और साफा पहना कर स्वागत करने के बाद शाब्दिक स्वागत उपाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा सारड़ा ने दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी ने। उन्होंने रिपोर्टिंग और मूल्यांकन के बारे में विस्तार से सभी के ज्ञान चक्षु खोले।

अब बारी थी ''संवाद'' की जो की इस पूरे शिविर की जान था। सभी प्रदेशों और चैप्टर के अध्यक्षों द्वारा प्रश्न पूछे गए और उनका निदान किया गया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गीता जी मूंदड़ा द्वारा। एक प्रेरणा गीत, पूरे पूर्वांचल को जिसमें दर्शाते हुए जिसको बनाया संकल्प सिद्धा समिति सह प्रभारी श्रीमती नीतू जी सोमानी और ज्ञान सिद्धा समिति सह प्रभारी श्रीमती सरोज मालपानी ने प्रस्तुत किया।

अतिथियों का धन्यवाद संयुक्त मंत्री श्रीमती निशा लड्ढा ने किया और कार्यक्रम का समापन उपाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा सारड़ा द्वारा पूरे पूर्वांचल परिवार को धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। दोनों दिन के कार्यक्रम का संचालन अष्ट सिद्धा समिति सह प्रभारी अनुजा काबरा और जूम का संचालन कम्प्यूटर समिति सह प्रभारी श्रीमती मनीषा जी सोमानी द्वारा किया गया।

पूर्वांचल उपाध्यक्ष-गिरिजा सारड़ा * संयुक्त मंत्री-निशा लड्ढा

हमारे गौरव

अद्विक माहेश्वरी का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स मे दर्ज

पोलायकला जिला शाजापुर के इंदौर मे निवासरत अद्विक पिता गौरव माहेश्वरी ने बनाया सबसे तेज लकडी की वर्ल्ड पज़ल हल करने का रिकॉर्ड । अपने दादा और दादी का लाडला नन्हा सा बालक छोटी सी उम्र में ही अपनी कलाओं का प्रदर्शन करके नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाबी हासिल कर गया है। ऐसा कहते हैं कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती, और वह अपनी मेहनत और लगन से आसमान की बुलंदियों को छू सकती है। बस अपने मन में कुछ कर गुजरने की इच्छा होनी चाहिए इस कहावत को चरितार्थ करके दिखाया है पोलायकला निवासी बीना माहेश्वरी पति दामोदर माहेश्वरी के पोता इन्दौर में निवासरत अद्विक पिता सीए गौरव माहेश्वरी ने उन्होंने 3 साल 11 महीने और 26 दिन की उम्र में विश्व मानचित्र की पज़ल लकड़ी की पहेली को सबसे तेज हल करके अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाया। अद्विक नन्ही सी उम्र में अपनी उम्र से 4 वर्ष बड़े बच्चों के खेलों को आसानी से हल कर लेता है एवं कई विज्ञापनों में अभिनय कर रहा हैं। माहेश्वरी समाज के साथ-साथ सभी नागरिकों ने बालक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लायन डॉ नम्रता बियाणी को बधाई

लायन डॉ नम्रता बियाणी को समाज कल्याण व शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और लोक हितार्थ उल्लेखनीय कार्यों के लिए DIVAS OF INDORE के सम्मान से नवाजा गया।

करुणा सारड़ा को बहुत-बहुत बधाई

बहुत ही गौरव के क्षण हैं कि करुणा योगेश सारड़ा मानपुर द्वारा MBBS की डिग्री GOLD MEDAL के साथ अपनी विशेष प्रतिभा से प्राप्त करने पर आत्मीय बधाई और अभिनन्दन। दादाजी मुरलीधरजी सारड़ा दादी लक्ष्मीबाई सारड़ा तथा मम्मी तथा परिवार हर्षित है। बिटिया डाक्टर करुणा ने इन्दौर ग्रामीण जिला तथा सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज का नाम रोशन किया है।

पश्चिमांचल

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

नर सेवा नारायण सेवा के तहत जरूरतमंदों को दिया सहयोग तथा ''आओ स्वयं को पहचानो'' एवं ''झूमे बसंत'' प्रतियोगिता भी रखी

''नर सेवा नारायण सेवा'' के तहत प्रदेश के सभी जिलों में जरूरतमंद को अनाज दान, स्वेटर ,कंबल ,रजाई, बैग स्कूल में टेबल चेयर भेट की गई। विमंदित बच्चों को स्वेटर दिए गए। गौशाला में सवामणि चारा और गुड़ दिया गया।

''आओ मिले पहचाने स्वयं को'' प्रतियोगिता रखी गई एक मिनट में अपना वीडियो बनाकर भेजना था अपना परिचय देते हुए सभी ने बहुत सुंदर परिचय दिए । 50 प्रतिभागी रहे। बसंत पंचमी के उपलक्ष में प्रतियोगिता रखी गई स्वरचित कविता प्रस्तुत करनी थी एवं मारवाड़ी या कोई भी गीतों पर 3 मिनट का वीडियो बनाकर भेजना था सभी बहनों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

साइबर सुरक्षा पर दो नुक्कड़ नाटिका बनाकर भेजी गई। इन्वेस्टमेंट पार्ट टाईम जॉब फंडा नाटिका बनाई । राम मंदिर विग्रह स्थापना के उपलक्ष में सुबह प्रभात फेरी धूमधाम से निकल गई। सभी ने अपने घरों को बहुत सुंदर सजाया। लाइटिंग की रंगोली बनाई गई।

कीर्तन रखा गया, राम मंदिर स्थापना के उपलक्ष में जुलूस निकाला उसका स्वागत किया गया। बच्चों को राम के रूप में सजाया उनके साथ राम धुन भजन पर वीडियो बनाया गया बड़ों के साथ में छोटे-छोटे बच्चों भी बहुत उत्साहित थे। टीवी पर राम भगवान का कार्यक्रम सभी ने परिवार के साथ देखा उसे समय जो अनुभूति हुई वह बात नहीं सकते इतना मन में उल्लास था 19 तारीख को राष्ट्रीय कार्यक्रम सांस्कृतिक संध्या में पश्चिमांचल से पूर्वी राजस्थान प्रदेश की सहभागिता रही। केवट प्रसंग कर अपना द्वितीय स्थान बनाया।

प्र.अध्यक्ष-मंजु भराडिया * प्र.मंत्री-नीलम तापड़िया

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

चारों धाम की पारिवारिक यात्रा सम्पन्न

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से नव वर्ष पर मेवाड़ के चारों धाम (श्रीनाथजी, चारभुजा नाथ जी, सांवलिया सेठ, कांकरोली द्वारकाधीश) की पारिवारिक यात्रा का आयोजन किया गया । साथ ही वहां के पूरे दिन के मनोरथ राजभोग के साथ दर्शनों का लाभ लिया गया।

जोधपुर जिला पूर्वी क्षेत्र द्वारा भव्य हनुमान चालीसा का पाठ एवं ब्राह्मण भोजन, जालौर जिला द्वारा सुंदरकांड का पाठ व भजन संध्या, सोजत माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा चारभुजा मंदिर में श्री राम जानकी विवाह महोत्सव का आयोजन हुआ । जैसलमेर जिले द्वारा सुंदरकांड का पाठ चौहटन व सोजत माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा राम कथा व सत्संग का आयोजन किया गया। जैसलमेर जिले द्वारा थायरोकेयर लैब द्वारा 7 दिन का मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 1800 लोग लाभान्वित हुए। प्रदेश अध्यक्ष मनीषा मूंदड़ा द्वारा अपने पिता के देवलोक गमन पर उनके नेत्रदान करवा कर प्रदेश में इस महानतम कार्य को करवाने के लिए मोटिवेट किया गया। जोधपुर जिला द्वारा महिलाओं के 7 दिन की सुरक्षा प्रशिक्षण व भोजन हेतु 11000 की राशि सेवा भारती संघ को भेंट की गई। पश्चिमी राजस्थान को सांची में आयोजित कौशलेंद्र बैठक में त्रैमासिक रिपोर्ट के आधार पर कोहिनूर केटेगरी से नवाजा गया। साथ ही कहानी लेखन प्रतियोगिता में डॉ. सूरज माहेश्वरी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ । राम सेतु वाद विवाद प्रतियोगिता में विषय के पक्ष में उर्मिला तापडिया को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। काव्य कौशल प्रतियोगिता में स्वाति मांधना को काव्य भूषण से सम्मानित किया गया। रामसेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तथा गूगल फॉर्म द्वारा प्रश्नोत्तरी में अध्यक्ष मनीषा मूंदड़ा को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । साथ ही संचार सिद्धा समिति द्वारा आयोजित लघु नाटिका में मीना साबू व प्रेमलता मांधना द्वारा सहभागिता निभाई गई ।

फरवरी माह में जोधपुर शहर उत्तरी क्षेत्र तथा जालौर जिले द्वारा फाग उत्सव । पाली जिले द्वारा सोजत सिटी में त्री दिवसीय योग व मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया गया ।

प्रदेश अध्यक्ष–मनीषा मूंदड़ा * प्रदेश सचिव–रीटा बाहेती

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''पश्चिमा दर्शन'' पत्रिका क हुआ विमोचन एवं हमारी संस्कृति, उनके वैज्ञानिक आधार एवं 16 संस्कारों के महत्व की पाठशाला

प्रदेश की चतुर्थ सत्र की द्वितीय कार्य समिति एवं प्रथम कार्यकारिणी बैठक का भव्य कार्यक्रम ''नवचेतना 2024'' बड़े उत्साह और उमंग के साथ मेवाड़ की धरा चित्तौड़गढ़ में हुई। प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता मोदानी थे और विशिष्ठ अतिथि श्रीमती शिखा भदादा पश्चिमांचल

संयुक्त मंत्री व राष्ट्रीय संजीवन सिद्धा समिति श्रीमती कुंतल जी तोषनीवाल थी। गांव में छुपी हुई प्रतिभा को मंच प्रदान करना, जरूरतमंद बच्चों को शादी के लिए उपहार देना, महिला उद्यमी के लिए कार्यशाला आयोजन करना, प्रदेश के सभी मेडिकल बैंको को जागृत करना, मेडिकल डिस्काउंट कार्ड बनवाना, प्रदेश के उद्देश्य है बताया गया। प्रदेश के तत्वाधान में प्रकाशित होने जा रही ''पश्चिमा दर्शन'' पुस्तक का विमोचन किया गया। नाट्य कला और वीडियो क्लिप के माध्यम से हमारे पूर्वजों द्वारा बनाई गई रीति रिवाज एवम् परम्पराएँ जो की वैज्ञानिक आधार लिए हुए हैं। परंतु आज की युवा पीढ़ी इस आस्था को अंधविश्वास का नाम देती है, जिसका खंडन करने के लिए परंपरा के साथ जुड़े तार्किक वैज्ञानिक आधार को और उसका सनातन संस्कृति से क्या संबंध हैं को बहुत ही सुंदर तरीके से समझाया गया। जिसमें 30 बच्चे व नव विवाहिता बहनों सहित 100 बहनों ने भाग लिया। अंत में इस पर आधारित प्रश्न पूछे गए व विजेताओं को पारितोषिक दिए गए। ट्रस्ट द्वारा पांच बहनों को रोजगार व मेडिकल सहयोग राशि प्रदान करवाई गई ।

इस बैठक में श्रृंखला बद्ध संगठन व ट्रस्टों के बारे मे बताकर उनसे कैसे लाभ लिया जाये के बारे मे जानकारी दी गई। संगठन की बहनों ने साइबर क्राइम के प्रति सजग रहने के लिए एक नुक्कड़ नाटक वाइस क्लोनिंग,डीप फेंक, फेस के जरिए सेक्स टोरशन नामक स्कैम के बारे में मंचित किया गया। मोबाइल पर ऐप डाउनलोड करना, मीटिंग के लिए उपस्थिती गिनना, अपनी गैलरी से फोटोस को डॉक्यूमेंट बनाकर भेजना, वोटिंग इत्यादि सिखाने के लिए एक डिजिटल पाठशाला आयोजित हुई। ये पाठशाला पश्चिमांचल संचार सिद्ध समिति सहप्रभारी विनीता डाड द्वारा ली गई, जिसमे लगभग 175 बहनों ने लाभ उठाया।

अध्यक्ष–सीमा कोगटा * सचिव–डॉ. सुशीला असावा

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

किया विद्यालय चारदीवारी का निर्माण व लोकार्पण एवं गिफ्ट डीड व वसीयतनामा की दी जानकारी

महकते रिश्तों एवं स्वास्थ्य की कार्यशाला मंगलम्

पुनःएक वर्ष का समापन, नव वर्ष का आगाज

नया जोश नई उमंग के साथ,

संगठन के लिए कुछ करने का जुनून

प्रदेश के तत्वाधान में मदनगंज किशनगढ़ में द्वितीय कार्यकारिणी बैठक मंगलम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती ममता जी मोदानी और विशिष्ट अतिथि रघुकुल रीत सिद्धा राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती अर्चना जी काबरा ने पदार्पण किया। मुख्य अतिथि ने संगठन की कार्य प्रणाली एवं महत्व व संगठन को सुदृढ़ बनाने के टिप्स दिए ,वहीं विशिष्ट अतिथि ने महकते रिश्तों पर प्रकाश डालते हुए कैसे बैठाये रिश्तो में सामंजस्य व सभी रिश्ते होते हैं एक दूसरे के पूरक पर प्रकाश डाला व रिश्तों से संबंधित सभी बिंदुओं पर चर्चा परिचर्चा कर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण लड्ढा के मकराना आगमन पर समारोह का आयोजन किया गया। संविधान दिवस व गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में देशभक्ति कविता पाठ प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता,ऑन लाइन भाषण प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन विभिन्न विद्यालयों में किया गया।

बसंत पंचमी के उपलक्ष में स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें निकिता मंत्री बड़ू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । सूर्य सप्तमी पर सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित हुए। बद्रीनारायण दरगड राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हरमाड़ा में कक्षा कक्ष, मुख्य द्वार व विद्यालय चारदीवारी का निर्माण व लोकार्पण किया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए टोंक में लेडिज विंटर फेयर का आयोजन किया गया जिसमें 30 बहनों ने अपने स्टॉल का रजिस्ट्रेशन कराया। बहनों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु आठ सिलाई मशीने प्रदान की गई।

रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत रामचरित्र दोहा भजन अंतराक्षरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिनके नाम रामायण के पात्रों पर रखे गए।रघुकुल रीत सिद्धा समिति के अंतर्गत क्या कहेंगे लोग विषय पर समाज की प्रथाओं पर व्यंग्य करते हुए नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई।सी ए श्री शरद जी काबरा द्वारा गिफ्ट डीड एवं वसीयतनामा का महत्व और वित्त प्रबंधन, रिश्तों में गिफ्ट का आदान–प्रदान व महिला वसीयत के बारे में बताया गया। संकल्प सिद्धा समिति के अंतर्गत नव हरीतिमा प्रोजेक्ट में पश्चिमांचल में सर्वाधिक वृक्षारोपण करने व 500 से अधिक पौधे लगाने पर 11 संगठनों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। हर जिला करे दायजे की तैयारी राष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अंतर्गत जरूरतमंद चार कन्याओं को जरूरत के सभी सामान उपहार में दिए गए। स्वास्थ्य कार्यशाला अंतर्गत डॉ विनोद शर्मा द्वारा मधुमेह व रक्तचाप, चुनौतियां कारण व निराकरण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस शुभ अवसर पर श्रीमती मंजू श्री सुभाष जी मुरक्या द्वारा ऑपरेशन थिएटर में काम आने वाले 300 स्क्रब सूट व पीपीटी किट यज्ञ नारायण अस्पताल किशनगढ़ में प्रदान किए गए। मदनगंज किशनगढ़ में बुमनिया ग्रुप व कौकौन हॉस्पिटल जयपुर के सहयोग से निशुल्क शिविर का आयोजन किया गया जिसमें डॉक्टर श्वेता गुप्ता द्वारा महिलाओं की मधुमेह, रक्तचाप सीबीसी पेस्मियर की निःशुल्क जांच व परामर्श दिया गया। दूनी में चले एलोपैथी से होम्योपैथिक की ओर डॉक्टर मनीषा शेट्टी के सानिध्य में शिविर का आयोजन किया गया। प्रदेश की बहनों द्वारा राजस्थान के स्विट्जरलैंड किशनगढ़ डंपी यार्ड का भ्रमण भी किया गया। गणतंत्र दिवस पर माहेश्वरी महिला मंडल देवली को सेवा कार्यों के लिए खंड स्तर पर सम्मानित किया गया।

प्र.अध्यक्ष–सौ.शशि लड्ढा * प्र. सचिव–सौ.मनीषा बागला

माहेश्वरी महिलाओं ने किया सेवा कार्य

इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की महिलाओं ने एमवाय अस्पताल पहुंचकर परपीड़ा हर सेवा समिति के साथ सेवा कार्य कर, वस्तुओं का वितरण किया। सुमन सारड़ा, अर्चना मलिका, मंजु जाजू, सीमा लड्ढा, शोभा माहेश्वरी, किरण लखोटिया, सुलेखा मालपानी, राधेश्याम साबू सहित अन्य मौजूद थे।

रंगों का त्यौहार है होली..

आओ हिल मिल खेलें होली

वसन्त पंचमी के आते ही प्रकृति में एक नवीन परिवर्तन आने लगता है। दिन छोटे होते हैं। जाड़ा कम होने लगता है। उधर पतझड़ शुरू हो जाता है। माघ की पूर्णिमा पर होली का झंडा रोप दिया जाता है। आम्र मंजरियों पर भ्रमरावलियां मंडराने लगती हैं। वृक्षों में कहीं-कहीं नवीन पत्तों के दर्शन होने लगते हैं। प्रकृति में एक नयी मादकता का अनुभव होने लगता है। इस प्रकार होली पर्व के आते ही एक नवीन रौनक, नवीन उत्साह एवं उमंग की लहर दिखाई देने लगती है।

होली जहाँ एक ओर एक सामाजिक एवं धार्मिक त्यौहार है, वहीं यह रंगों का त्यौहार भी है। बालक, वृद्ध और नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। यह एक देशव्यापी त्यौहार भी है। इसमें वर्ण अथवा जाति-भेद को कोई स्थान नहीं है। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिका पूजन किया जाता है, फिर उसमें आग लगाई जाती है। पूजन के समय निम्न मंत्र का उच्चारण किया जाता है-

असृक्याभयसंत्रस्तैः कृता त्वं होलि बालिशैः।
अतस्त्वां पूजयिष्यामि भूते भूतिप्रदा भव।।

इस पर्व को नवान्नेष्टि यज्ञपर्व भी कहा जाता है। खेत से नवीन अन्न को यज्ञ में हवन कर के प्रसाद लेने की परम्परा भी है। इस अन्न को होला कहते हैं। इसी से इसका नाम होलिकोत्सव पड़ा। होलिकोत्सव मनाने के सम्बन्ध में अनेक मत प्रचलित हैं। यहाँ कुछ प्रमुख मतों का उल्लेख किया गया है-

1. ऐसी मान्यता है कि इस पर्व का सम्बन्ध काम-दहन से है। भगवान शंकर ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म कर दिया था। तभी से इस त्योहार का प्रचलन हुआ।
2. फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से पूर्णिमा पर्यन्त आठ दिन होलाष्टक शुरू होने पर एक पेड़ की शाखा काटकर उसमें रंग-बिरंगे कपड़ों के टुकड़े बाँधते हैं। इस शाखा को जमीन में गाड़ दिया जाता है। सभी लोग इसके नीचे होलिकोत्सव मनाते हैं।
3. यह त्यौहार हिरण्यकशिपु की बहन की स्मृति में भी मनाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि हिरण्यकशिपु की बहन होलिका वरदान के प्रभाव से नित्य प्रति अग्नि-स्नान करती और जलती नहीं थी। हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन से प्रहलाद को गोद में लेकर अग्नि-स्नान करने को कहा। उसने समझा था कि ऐसा करने से प्रहलाद जल जायेगा तथा होलिका बच निकलेगी। हिरण्यकशिपु की बहन ने ऐसा ही किया, होलिका तो जल गई, किंतु प्रहलाद जीवित बच गये। तभी से इस त्योहार के मनाने की प्रथा चल पड़ी।
4. इस दिन आम्र मंजरी तथा चन्दन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है। कहते हैं जो लोग फाल्गुन पूर्णिमा के दिन एकाग्र चित्त से हिंडोरे में झूलते हुए श्री गोविन्द पुरुषोत्तम के दर्शन करते हैं, वे निश्चित ही वैकुण्ठ लोक में वास करते हैं।
5. भविष्य पुराण में कहा गया है कि एक बार नारदजी ने महाराज युधिष्ठिर से कहा-राजन! फाल्गुन की पूर्णिमा के दिन लोगों को अभयदान देना चाहिये, जिससे सम्पूर्ण प्रजा उल्लासपूर्वक रहे। बालक गांव के बाहर से लकड़ी कंडे लाकर ढेर लगायें। होलिका का पूर्ण सामग्री सहित विधिवत पूजन करें। होलिका दहन करें। ऐसा करने से सभी अनिष्ट दूर हो जाते हैं।

होली एक आनन्दोत्सव का पर्व है। इसमें जहाँ एक ओर उत्साह-उमंग की लहरें हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ बुराइयांभी हैं। होली सम्मिलन, मित्रता एवं एकता का पर्व है। इस दिन द्वेषभाव भूलकर सबसे प्रेम और भाईचारे से मिलना चाहिये। एकता, सद्भाव एवं सोल्लास का परिचय देना चाहिये। यही इस पर्व का मूल उद्देश्य एवं संदेश है।

बसंत बहार

प्रकृति में लो बहार छाई,
बसंत की रुत मस्तानी आई।
सूरज की पहली किरण धरती पर आई,
चारों तरफ बसंत ऋतु की बहार लहराई।
बीत गया पतझड़ का मौसम,
सुंदर रंगो की बदली है छाई,
गाओ सखी होकर मगन, आया है बसंत
राजा है ये ऋतुओ का, आनन्द है इसमें अनंत
पीले फूल खिले सरसौ के
लाल फूल आए सेमल के
फूलों ने खूशबू है उड़ाई
धरती पर हरियाली छाई
लेकर सुगंध बह रहा है पवन
उड़ते पंछी से भरा है नील गगन
चहकते हुए पक्षीयो ने स्वागत में तान लगाई
हर एक बगिया में महके कली कली खिलने को आई
मेघ आए हैं बन ठन संवर के
कोयलिया ने छेड़ी मधुर तान
मोर,पपीहा बोले पीऊ पीऊ तितलिया ने भरी गजब उड़ान
आसमां में खेल चल रहा है
देखो सुंदर सप्तरंगो का
सुंदर मनोरम दृश्य बना है
आज उड़ती हुई पतंगों का
अलौकिक आनन्द अनोखी छटा को बिखराया है
कलियों को भी गुमा हुआ है
भंवरा उस पर मंडराया है
शीत ऋतु का देखो कैसे सुनहरा अंत हुआ है
हरियाली का मौसम आया
लगता आरंभ बसंत हुआ है

शशी डोंगरा कटक (उड़ीसा)

बासंती बहार

पवित्र प्रेम देखता नहीं शरीर और रूप।
परे सभी विकार से लगे वही विशुद्ध भूप।।
उजास प्रेम का भरें मनुष्य में नवीन प्राण।
वियोग क्लेश हारते हिये मिले असीम त्राण।।
बसंत-सी लगी बहार प्रेम में हरेक द्वार।
सजी गली-गली समीर में घुली कई फुहार।।
निहारना सुहा रहा टटोलते स्वयं लगाव।
प्रसन्न भावना हुई खिला खिला लगे स्वभाव।
शरीर भी सुने नहीं बहे इसी विचार संग।
विलीन रक्त में हुआ चढ़ें न और लाल रंग।
निहार पंथ नैन भी थके न प्रीत में सुजान।
दसों दिशा सजी सदा बढ़ा रहा पिया गुमान।।
विशेष प्राप्ति की रखी न प्रेम में सदैव आस।
प्रकाश प्रेम का जला रहे स्वयं हरेक श्वास।
विधान जानती नहीं कहे वही करूँ उपाय।
अखंड कामना यही हिये सदा तुम्हें लुभाय।।
प्रसून भी खिले हुए बिखेरते चले सुवास।
जुड़ाव आपसी भरे हिये अमेय सी मिठास।।
समस्त सृष्टि संग प्रेम के टिके न अन्य पाश।
अमोल प्रेम है सदा घृणा हुई समूल नाश।।

विनीता काबरा, जयपुर

नारी बन जा कल्याणी

नारी तुम सुकुमारी कोमलांगी
मृदुलता प्रेम स्नेह से भरी हुई।
धरा तुम्हें देख हर्षाती मुस्कुराती
जब तुम सोलह सिंगार कर लेतीं।

सरगम के सप्त स्वरों सी बजती
पावों में पायल पहनकर इठलाती।
शुभ लाभ की बंदनवार सी लगतीं
घर-द्वार चौबारे, रंगोली सी सजती।

दुर्गा लक्ष्मी की छवि तुममें दिखाई देती
कल्याणी की ललकार हो,लक्ष्मी-संपत्ति।
तुम घर आंगन की शोभा हो न्यारी-प्यारी
आज पुकार रही तुम्हें सरहद की देहरी।

बन जाओ सीता अहिल्या तारा मंदोदरी
घर- बाहर अलख जगाओ,बनकर काली।
शस्त्र उठाकर सुरक्षित बन जा कल्याणी
चांद पर पहुंच तिरंगा फहरा दे विश्वंभरी।

होली का देखो नवरंग

होली का देखो नवरंग
कान्हा खेलें राधा संग
राधा दिखे भोली भाली
जन-जन खेलत मस्त होली

बरसाने की लट्ठम लठ होली
महिलाएं खेलें जमकर होली
नारियां हुलस कर मारें लाठी
सर पर पुरुष रखें टोपा टोपी

चितवन से देखत जा रहे मोहन
हिया हर्षित राधा देखत नैनन
श्याम चितचोर बनकर नाचत
सखी अब चैन नहीं दिन रातन

ललनाएं रंग रंगीली मुस्कावत
रूप मनोहर प्रेम प्रीत सुहावत
कन्हैया मधुर बांसुरी बजावत
राधा गोपियां पायल छनकावत

डॉक्टर अंजुल कंसल कनुप्रिया, इंदौर

बसंत उत्सव

पतझड़ की चुराकर सर्दियाँ चलने लगी बासंती बयार।
मुरझाई डालियों पर आने लगी नव कोंपल की बहार।
बसंत के आगमन का संकेत लाते हैं पतझड़ के किस्से।
रंग से बैरंग हुए वन उपवनों के आएगा फिर रूप हिस्से।
चहक चहक कर पृथ्वी का कण-कण यह कहता।
पतझड़ में धीरज ही हममें रूप बसंत का भरता।।
नख से शिखर का श्रृंगार छोड़ना कहाँ मनुज आसान।
एक-एक पत्तों का गिरना जैसे हो आत्मा का बलिदान।।
विश्वास अटल है सृष्टि रचयिता पर करेंगे वे नवनिर्माण।
सुख की खातिर करते हैं वे दुख का सदा ही निर्वाण।।
आज खिला है अंग-अंग दिया रूप का बासंती वरदान।
दशों दिशाएँ महक रही है अम्बर भी करता जयगान।।
धानी आँचल पीली चुनरी रंगीन बूँटों की कशीदाकारी।
नव वधु-सा श्रृंगार लगे हैं दुनिया उस पर हुई बलिहारी।।
तरु,लताएँ, फूल,पात सब हिल मिल कर शुभ रंग भरे।
देख अलौकिक दृश्य भू का सुर नर मुनीजन नाद करे।।
फल-फूलों से झुकी डालियाँ सज्ज हुई है पकने को।
गहन प्रतीक्षा समाप्त हुई ऋतु आई अब फलने को।।

विनीता काबरा, जयपुर (राजस्थान)

महिला प्रधान पर्व है
गणगौर

भारत वर्ष पर्वों का देश है यहां विभिन्न त्योहारों को उत्सव के रूपमें मनाया जाता रहा है। 18 दिन तक पूजे जाने वाले सबसे लंबे समय तक चलने वाले त्योहार गणगौर पर्व का बड़ा महत्व है। जैसा की नाम से विदित होता है गण यानी शंकर जी और गौर माने पार्वती, शंकर पार्वती के पूजन का है यह पर्व ।

मान्यता है कि पार्वती जी इन दिनों अपने मायके आती है और ईशर जी उन्हे लेने आते हैं।

पति पत्नी के प्यार का पर्व, सुहाग के अमरत्व का पर्व है गणगौर । यह पर्व मारवाड़ी समाज के प्रमुख त्योहारों में से एक है जो मुख्यतः महिलाओं के बीच मनाया जाता है। इस पर्व पर बहुत ही रसीले गीत गाए जाते है।

महिलाएँ अपने पति से मनुहार करती है– म्हारा बाबाजी घर मंडी गणगौर ओ रसिया, घड़ी दौ ए खेला ने जावा दो, थारो चूड़ो चनके, थारी नथ भलके, थारा नैना का नजारा प्यारा लागे ओ सजनी, घड़ी दो ए केसे जावा दूँ।

हम जानते है की हमारे हर त्योहार के पीछे कुछ सीख रहती थी और कुछ वैज्ञानिक कारण भी रहते थे, तो आइए हम इस पर्व के पीछे छुपे तार्किकता को जानते है–

यह पर्व शुद्ध महिला प्रधान पर्व है, इस पर्व में महिलाओं को अपना समय मिलता है जहां वे अपनी सखी सहेलियों के साथ हास परिहास करती है।

सर्दियों के समापन और गर्मियों के आगाज का पर्व है जब 18 दिनों तक नई नवेली बहु बेटियां सुबह उठकर सुंदर तैयार होकर बगीचे में गणगौर लेने जाती है, और बाड़ी वाले को सुंदर गीतो से जगा कर नई स्फूर्ति के साथ अपने दिन की शुरुवात करती है।

खोलें ए खोल बाबा खोल ए किवाड़ी, बाहर ऊभी थारी पूजन वाली

महिलाए आपसी मिलन के साथ पिकनिक और टिफिन पार्टी जैसे मिलन समारोह का आयोजन करके नई नई पकवान विधि शेयर करती थी ।

गणगौर माता को और जलेरियों को गहने सजाकर अपनी कलात्मकता दर्शाती थी ।

गणगौर पर जुवारे बड़ी जतन से बोए जाते है, जो हमारे कृषि प्रधान देश में किसानों की मेहनत को दर्शाते है, किसी भी फसल को उगाने में कितनी मेहनत लगती है, अतः जुआरे उगाने के माध्यम से घर की बहु बेटियों को अन्न के महत्व को समझाया जाता है । जुवारे को सींचते वक्त गए जाने वाला गीत – ''म्हारा हरिया है जवारा रे, की लम्बा तीखा सरस बढ़िया, वेतो सींच जतन से जी के जुवारा हरिया बढ़ गया''....

इस त्योहार पर घर में पधारे मेहमानो की अगुवाई की सिख भी मिलती है, जब ईशर जी गौरा जी को लेने आतें है तो उनके स्वागत में बधावे गाए जाते है, और विभिन्न पकवान, हंसी मजाक के वातावरण में उनकी मनुहार की जाती है ।

इन 18 दिनों में होली, रंग पंचमी, सिल सप्तमी, गुड़ी पड़वा (हिंदू नव वर्ष) सिंजारा, और गंगोर पर्व धूमधाम से मनाए जाते है।

गणगौर पर्व कैसे मनाया जाता है–

होली के साथ ही गणगौर की शुरुवात हो जाती है, नई शादीशुदा लड़कियां मायके आकर अपनी हमउम्र सखियों, भाभियों के साथ अपने घर या मंदिर में गणगौर बैठाती है, और

16 लड़कियों को गणगौर पूजन के लिए सुपारी देती है। जो होलीका की सजी वेदी के समक्ष हमउम्र सखीयां जोड़ा बनाकर होली के फेरे लेकर साथ साथ 18 दिन पूजा करती है, गौर माता से अपने लिए अच्छा जीवनसाथी मांगती है और 16 बार यह गीत गाती है–

गौर गौर गोमती, ईशर पूजे पार्वती,

गौर के सोना का टीका, म्हारे है कंकू का टीका.....

दीवार पर हल्दी, कुमकुम, काजल, मेंहदी की 16 सोलह बिंदी लगाकर निराहार पूजा करती है फिर कुछ खाती है । सप्तमी से ज्वारे की भी पूजा की जाती है ।

सप्तमी से रोजाना शाम को भी गणगौर माता का बिंदोरा निकाला जाता है, गणगौर की सवारी में, गोरा जी की बहन सोमा बाई ओर उनके पति विमल दास जी और मालन पाते या डलियां में बैठाकर पूजने वाली लड़कियों के घर बिंदौरा ले जाते है ।

जहां घर की सुहागन स्त्री दोहे के साथ अपने पति का नाम लेकर गणगौर को पानी पिलाती है, प्रसाद बांटा जाता है। दोहा – ताता ताता मालपुआ, घेवर लाइन भाए सजनजी परदेश गया नींद किन्हे आय।

विभिन्न प्रसिद्ध बागो में गणगौर को सैर करवाई जाती है, हंसी ठिठोली के साथ 2 ग्रुप बनाकर गणगौर माता को झाले देकर रिझाया जाता है । ईसर गोरा के भाव से कुंवारी कन्या को दूल्हा दुल्हन बनाकर, ढोल बाजे के साथ भ्रमण कराया जाता है । उनके वारने लिए जाते है।

इस तरह हंसी मजाक करते 18 दिन व्यतीत हो जाते है। फिर गणगौर माता को ईशर जी के साथ विदा किया जाता है। नदी, तालाब या कुवे में उन्हें गीतो के साथ बोला कर विदा करते है।

हां आज के व्यस्त जीवन शैली में, किटी के मिलाप से गणगौर पर्व में पहले वाली मस्ती नही रही, फिर भी बहुत सी जगह पर यह परिपाटी चली आ रही है जिसे देखकर अपनी संस्कृति पर गर्व होता है ।

सामाजिक संगठनों ने भी इस त्योहार का नया रूप देकर (थीम बेस्ड बैठकों से) सार्थकता प्रदान करी है । गणगौर क्वीन, गणगौर क्यूज जैसी प्रतियोगिता और गणगौर का उद्यापन करवाकर अपनी संस्कृति अपने पर्व की महत्त्वता को सदाबहार बना कर भव्यता प्रदान करी है।

विनीता लाहोटी कोटा

रोटी, चार प्रकार की होती है

पहली सबसे स्वादिष्ट रोटी माँ की ममता और वात्सल्य से भरी हुई। जिससे पेट तो भर जाता है, पर मन कभी नहीं भरता। एक दोस्त ने कहा, सोलह आने सच, पर शादी के बाद माँ की रोटी कम ही मिलती है। उन्होंने आगे कहा हाँ, वही तो बात है। दूसरी रोटी पत्नी की होती है जिसमें अपनापन और समर्पण भाव होता है जिससे पेट और मन दोनों भर जाते हैं।, क्या बात कही है यार ? ऐसा तो हमने कभी सोचा ही नहीं।

फिर तीसरी रोटी किस की होती है? एक दोस्त ने सवाल किया। तीसरी रोटी बहू की होती है जिसमें सिर्फ कर्तव्य का भाव होता है जो कुछ कुछ स्वाद भी देती है और पेट भी भर देती है और वृद्धाश्रम की परेशानियों से भी बचाती है, थोड़ी देर के लिए वहाँ चुप्पी छा गई। लेकिन ये चौथी रोटी कौन सी होती है ? मौन तोड़ते हुए एक दोस्त ने पूछा– चौथी रोटी नौकरानी की होती है। जिससे ना तो इन्सान का पेट भरता है न ही मन तृप्त होता है और स्वाद की तो कोई गारँटी ही नहीं है, तो फिर हमें क्या करना चाहिये

माँ की हमेशा पूजा करो, पत्नी को सबसे अच्छा दोस्त बना कर जीवन जिओ, बहू को अपनी बेटी समझो और छोटी मोटी ग़लतियाँ नज़रन्दाज़ कर दो बहू खुश रहेगी तो बेटा भी आपका ध्यान रखेगा।

यदि हालात चौथी रोटी तक ले ही आयें तो भगवान का शुकर करो कि उसने हमें ज़िन्दा रखा हुआ है, अब स्वाद पर ध्यान मत दो केवल जीने के लिये बहुत कम खाओ ताकि आराम से बुढ़ापा कट जाये, और सोचो कि वाकई, हम कितने खुशकिस्मत हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

हम क्या है? हमें क्या करना है यह जानना जरूरी है

महिला दिवस सिर्फ कहने मात्र से नहीं होगा बल्कि सही मायने में उसको अपने व्यक्तित्व की पहचान करनी होगी। हम क्या है? हम में क्या है? या हमें क्या करना है यह जानना जरूरी है। मेरी नजर में महिला शिक्षा सर्वप्रथम, उसी से मिलेगा सम्मान। सही स्वरूप जो मिला, वह महिला बनी महान वैसे तो हर महिला अपने आप में पूर्ण शिक्षित है, तभी तो वह कई रिश्ते निभाती है, उसमें जो आदिशक्ति विद्यमान है वही उसे महान बनाती है।

मगर अब जरूरी है जिस तीव्र गति से आज सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिदृश्य में बदलाव आ रहा है अतः ज़रूरी है महिलाओं को उस परीस्थिति के अनुकूल पूर्णतः व्यावहारिक होना होगा। केवल किताबी ज्ञान अब परिपूर्ण नहीं बल्कि उसे जीवन के हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी देनी होगी। राष्ट्रीय स्तर पर चिंतन किया जाए तो, आज राष्ट्र की आधी से अधिक आबादी महिलाएं हैं और यदि इस आधे से अधिक आबादी द्वारा प्रोडक्टिविटी नहीं हो तो अर्थशास्त्र की दृष्टि से भी राष्ट्र के आर्थिक विकास पर प्रश्न चिन्ह लगता है। आज भारतीय नारी के लिए यह चुनौतियों का युग है । क्योंकि वह सबसे पहले एक गृहिणी है। सारे पारिवारिक आदर्शोंको निभाते हुए अपने प्रोफेशनल एजुकेशन को पूर्ण कर अपने व्यक्तित्व का विकास भी करना है।

यह कहना अतिशयोक्ति होगी, किंतु आज भी अधिकार या विकास के अवसर में लैंगिक आधार पर उसे कमजोर समझ कर भेदभाव की वजह से वह कई अधिकारों से वंचित रह जाती है। अतः कानून एवं अधिकारों के समुचित शिक्षा का ज्ञान हर महिला को होना आवश्यक है क्योंकि ज्ञान हमें जगाता है शोषण से बचाता है। यही नहीं हमें अंधविश्वास और निरर्थक परंपराओं का उचित विश्लेषण कर जीवन में आने वाली विभिन्न समस्याओं के विषय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपना कर उचित निर्णय लेने में सक्षम बनना होगा। विश्व का हर महापुरुष नारी की ममता से कहो या मां के दिव्य संस्कारों से कहो संपोषित हुआ है। आज भी विकासशील भारत देश में सशक्त परिवार या समाज के निर्माण में संस्कृति और संस्कार का अद्वितीय स्थान है जो एक महिला ही कर सकती है।

निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है महिलाओं के प्रति समाज में संपूर्ण दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने की आवश्यकता अभी भी है। 21वीं सदी के प्रवेश द्वार पर बैठा मानव भविष्य की संभावनाएं अर्थात बेटियों के प्रति आज भी उतना उदारमना नहीं बना है। पढ़ी-लिखी महिला राष्ट्र की भाग्य विधाता है उसे मानना होगा बिना नारी के समृद्ध व सशक्त राष्ट्र की कल्पना कठिन है। राजा राम मोहन रॉय, स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद ,सावित्रीबाई फुले, इनकी दूरगामी सोचने महिलाओं के उन्नति के रास्ते प्रशस्त किए थे। किंतु अब इस डिजिटल इंडिया में कदम से कदम मिलाकर चलने का हौसला और जज्बा हममे होना चाहिए। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने की क्षमता हममें होनी चाहिए।

शिक्षित नारी वह आइना है जो धुंधली परत को पारदर्शी आईना का रूप सजा देती है। हमें अपनी शिक्षा को अभिमान नहीं बल्कि उसका ऐसा स्वरूप हो जिसमें महिलाएं पारिवारिक सामाजिक उद्देश्यों के बीच संतुलन व साम्यजस्य

स्थापित कर व्यक्तिगत व सामाजिक उन्नति के शिखर पर बढ़े। प्रत्येक महिला के लिए शिक्षा वह विराट खूबसूरत खिड़की है, जो विराट और खूबसूरत दुनिया में खुलती है। सही मायने में पढ़ी-लिखी महिला राष्ट्र की भाग्य विधाता है।

आज जहां विश्व में महिला सशक्तिकरण की बात हो रही है तो निश्चित रूप से आने वाले समय में प्रत्येक महिला अपने अनुकूल, सार्थक व सुदृढ़ परिणामो से युक्त अपनी परिणति पर पहुंचेगी। आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में महिलाओं के प्रति यही मेरे मन के भाव है।

श्रीमती ज्योति राठी, महामंत्री अ.भा.माहे.म.सं.

माँ सरस्वती की आराधना का दिवस : बसंत पंचमी

बसंत पंचमी, जिसे श्री पंचमी के नाम से भी जाना जाता है, माघ मास की शुक्ल पंचमी को,बुद्धि, ज्ञान व कला की देवी माँ सरस्वती के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। विशेष रूप से सभी शिक्षण संस्थानों में पीले वस्त्र पहन कर पीले फल एवं फूलों से मां सरस्वती की आराधना की जाती है। प्राचीन काल में भी इसी दिन, उपनयन संस्कार के पश्चात् ही छात्र विद्यार्जन के लिए गुरुकुल जाते थे। सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होने के कारण इस दिन विवाह का संयोग भी श्रेयस्कर माना जाता है.....

उमंग उत्साह, हृदय के सजल भाव का पर्व है बसंत
पुलकित, उल्लसित है मन, प्रकृति हो जाती है जीवंत
है ये बुद्धि, विद्या एवं ज्ञान के समन्वय का पर्व
प्रकृति के निश्छल भाव का समझ आता है मर्म
चहूँ ओर फैल जाती है, कुसुम-कालिकाओ की सुगंध
भर देती है नव चेतना और रग रग में लय बद्ध तरंग
नव परिवेश में प्रस्फुटित होती हैं नयी आशायें
प्रकृति-प्रदत नव-संचार की आरंभ होती हैं कामनाएँ
प्रज्वलित होने लगती है ज्ञान की आत्मज्योति
इस दिन मां सरस्वती की साधना व उपासना होती
मां सरस्वती है ज्ञान और समृद्धि देने वाली शक्ति
इसलिए हर धर्म के अनुयायी करते हैं इनकी भक्ति
अमूर्त भाव का होता तब सृजन, दिव्य हो जाता है वातावरण
बुद्धि के समुचित सुनियोजन से सफ़ल होता है जीवन
बौद्धिक और आध्यात्मिक प्रगति का होता है मार्ग प्रशस्त
जब माँ सरस्वती के हमें आशीष देने हेतु उठते हैं वरद हस्त
इस पावन दिवस का उद्देश्य ही है विवेक का प्रज्वलन
प्रकृति के साथ एकाकार होने को तब होता है मनन
ये पर्व है कला, त्याग, तप और आनंद का
संकल्प, आशा, उत्साह एवं मन की उमंग का

मंजू हरकुट, मेरठ (संयुक्त मंत्री,उत्तरांचल)

खाना खजाना

कैरेमल गुझिया

क्या चाहिए–गेहूं का आटा–2 कप, ओट्स या सूजी–1/4 कप, घी–4 बड़े चम्मच।

भरावन के लिए–सूजी 1/2 कप, काजू पाउडर 1/2 कप, बादाम–2 छोटे चम्मच, इलायची पाउडर 1/4 छोटा चम्मच, गुलाब जल 1 छोटा चम्मच, दूध 150 ग्राम, पिसी शक्कर 1 कप, खाने वाला सोडा 2 चुटकी, घी 2 छोटे चम्मच।

ऐसे बनाएं–पहले ओट्स को बारीक पीस लें। एक बर्तन में गेहूं, ओट्स/सूजी और घी मिलाएं। आटे को मुट्ठी में बांधने पर अगर आटा बंध रहा है तो मोयन पर्याप्त है। अब पानी डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें। गीले कपड़े से ढंककर 15 मिनट के लिए रख दें।

भरावन का कैरेमल बनाने के लिए–भारी तले का बर्तन लें। इसके चारों तरफ एक छोटा चम्मच घी लगाएं, फिर दूध और पिसी शक्कर डालकर तेज आंच पर पकाएं। जब दूध पककर आधा हो जाए तब खाने वाला सोडा डालकर लगातार चलाएं। एक मिनट बाद घी डालकर गैस बंद करें। इस गाढ़े घोल को दूसरे बर्तन में निकाल लें। इसी कड़ाही में सूजी को धीमी आंच पर भूनें। सूजी का रंग नहीं बदलना चाहिए। बादाम और काजू भूनें। तैयार गाढ़ा घोल मिलाएं। जैसे ही मिश्रण इकट्ठा होने लगे तो गैस बंद करें। इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गुझिया बनाने के लिए आटे की छोटी–छोटी लोइयां बनाकर पूरियां बेल लें। पूरी में भरावन भरें और आटे का घोल बनाकर पूरी के एक तरफ लगाएं व सांचे में रखकर गुझिया का आकार दें। कड़ाही में घी गर्म करके धीमी आंच पर गुझिया तलें। इसे 15 दिनों तक रख सकते हैं।

हेल्दी फ्रेंकी

सामग्री : रोटी के लिए : आधा कप मैदा, 1 कप गेहूं का आटा, डेढ़ टी स्पून तेल मोयन के लिए, नमक स्वादानुसार।

भरावन के लिए : 3 आलू उबले व मैश किए हुए, 1 कप कटी हुई मिली-जुली बारीक सब्जियां (पत्तागोभी, गाजर, शिमला मिर्च, हरी मटर) बारीक कटी हुई, आधा टी स्पून हरी मिर्च, आधा टी स्पून अदरक, नमक स्वादानुसार। 1 कप प्याज के लच्छे, लंबाई में कटे हुए, 8–10 सलाद के पत्ते, नमक स्वादानुसार, तेल सेंकने के लिए, आधा कप ब्रेड क्रम्ब्स, आधा दप हरी धनिया की चटनी, आधा कप टमाटर सॉस।

विधि : मैदा, आटा, नमक व तेल मिलाकर नरम आटा गूँथ लें, पतली-पतली रोटियाँ बनाकर रख लें। आलू, अदरक, हरी मिर्च और कटी हुई सब्जियां मिला लें। लंबे व चपटे गोले बनाकर ब्रेड क्रम्ब्स में लपेट लें। तवे पर हल्का-सा तेल गरम करके रोटियों को हल्का-सा सेंक लें। हरी चटनी और सॉस डालकर इस पर प्याज के लच्छे फैला दें। सलाद के पत्ते काटकर उसके कुछ टुकड़े रोटी पर रखें और कटलेट रखकर रोल कर लें। गरम सर्व करें (कद्दूकस किया हुआ चीज या पनीर भी डाल सकते हैं)।

पनीर सैंडविच

सामग्री : 6 ब्राउन ब्रेड स्लाइसेस, 1 कप पानी कद्दूकस किया हुआ, 1 कप टमाटर बारीक कटा हुआ, आधा टी स्पून अदरक का पेस्ट, 1 टी स्पून हरी मिर्च बारिक कटी हुई, सैंडविच मसाला, थोड़ा सा बटर, 1 टी स्पून बारीक कटी हरी धनिया।

विधि : ब्रेड के दोनों तरफ बटर लगा लें। पनीर, टमाटर, अदरक और हरी मिर्च मिला लें। इसमें सैंडविच मसाला मिला लें। एक ब्रेड स्लाइस पर बटर लगाएं। उस पर पनीर का तैयार मिश्रण रखें। कटी हुई हरी धनिया डालें। अब दूसरी ब्रेड स्लाइस से ढंककर ग्रिल करें। हरी चटनी या टमाटर की चटनी के साथ परोसें।

गुड़ एक, फायदे अनेक

गुड़ खाने से 18 फायदे

1. गुड़ खाने से नहीं होती गैस की दिक्कत
2. खाना खाने के बाद अक्सर मीठा खाने का मन करता हैं। इसके लिए सबसे बेहतर है कि आप गुड़ खाएं। गुड़ का सेवन करने से आप हेल्दी रह सकते हैं
3. पाचन क्रिया को सही रखना
4. गुड़ शरीर का रक्त साफ करता है और मेटाबॉल्जिम ठीक करता है। रोज एक गिलास पानी या दूध के साथ गुड़ का सेवन पेट को ठंडक देता है। इससे गैस की दिक्कत नहीं होती। जिन लोगों को गैस की परेशानी है, वो रोज़ लंच या डिनर के बाद थोड़ा गुड़ ज़रुर खाएं..
5. गुड़ आयरन का मुख्य स्रोत है। इसलिए यह एनीमिया के मरीज़ों के लिए बहुत फायदेमंद है। खासतौर पर महिलाओं के लिए इसका सेवन बहुत अधिक ज़रुर है।
6. त्वचा के लिए, गुड़ ब्लड से खराब टॉक्सिन दूर करता है, जिससे त्वचा दमकती है और मुहांसे की समस्या नहीं होती है।
7. गुड़ की तासीर गर्म है, इसलिए इसका सेवन जुकाम और कफ से आराम दिलाता है। जुकाम के दौरान अगर आप कच्चा गुड़ नहीं खाना चाहते हैं तो चाय या लड्डू में भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।
8. एनर्जी के लिए –बुहत ज़्यादा थकान और कमजोरी महसूस करने पर गुड़ का सेवन करने से आपका एनर्जी लेवल बढ़ जाता है। गुड़ जल्दी पच जाता है, इससे शुगर का स्तर भी नहीं बढ़ता. दिनभर काम करने के बाद जब भी आपको थकान हो, तुरंत गुड़ खाएं।
9. गुड़ शरीर के टेंपरेचर को नियंत्रित रखता है। इसमें एंटी एलर्जिक तत्व हैं, इसलिए दमा के मरीज़ों के लिए इसका सेवन काफीफायदेमंद होता है।
10. जोड़ों के दर्द में आराम रोज़ गुड़ के एक टुकड़े के साथ अदरक का सेवन करें, इससे जोड़ों के दर्द की दिक्कत नहीं होगी।
11. गुड़ के साथ पके चावल खाने से बैठा हुआ गला व आवाज खुल जाती है।
12. गुड़ और काले तिल के लड्डू खाने से सर्दी में अस्थमा की परेशानी नहीं होती।
13. जुकाम जम गया हो, तो गुड़ पिघलाकर उसकी पपड़ी बनाकर खिलाएं।
14. गुड़ और घी मिलाकर खाने से कान का दर्द ठीक हो जाता है।
15. भोजन के बाद गुड़ खा लेने से पेट में गैस नहीं बनती.
16. पांच ग्राम सौंठ दस ग्राम गुड़ के साथ लेने से पीलिया रोग में लाभ होता है।
17. गुड़ का हलवा खाने से स्मरण शक्ति बढती है।
18. पांच ग्राम गुड़ को इतने ही सरसों के तेल में मिलाकर खानेसे श्वास रोग से छुटकारा मिलता है।

विश्व में मनी दीपावली

कई युग बीते कई संवत बदले
रामलला की पावन भूमि में
500 वर्षों के बाद मोदी जी ने रंग
बदले
रामलला की पावन भूमि में
विश्व में मनी दीपावली,
करोड़ों दीप जले
कोठारी वीरों की गाथा गाई
रामलला की पावन भूमि में
22 जनवरी 2024 ने इतिहास
रचाया है
मोदी जी के कार्यकाल में स्वर्णिम
अवसर आया है
पूरे पूर्वोत्तर में लहर राम की छाई
हर घर हर शहर, भगवा दिया
दिखाई
ऊंचे घर ऊंचे मकान, ऊंची है अटारी
राम मंदिर के उत्सव में नाचे
नर और नारी
असम प्रदेश के प्यारे सारे शहर
चले हैं सब मिलकर एक डगर
एक ही नारा एक ही नाम
जय श्री राम जय श्री राम
गोलाघाट की बहनों की अदा
निराली
पूर्वोत्तर अध्यक्ष पूनम जी
मालपानी ने
दिखा डाली कोठारी वीरों की
पूरी कहानी
हर जगह अखंड रामायण पाठ
हो रहा संगीतमय सुंदरकांड
कहीं बज रहा रामधून का बैंड
हर शहर हर घर में मनी दिवाली
मानो सब ने राम कृपा पाली
रंगोली से सज गया घर द्वार
तोरण द्वार पर शोभा दे रही
बंदरवार
रामलाल के आगमन से झूम उठा
आसाम
नाटक नृत्य और गीतों से गूंज
उठा आसाम
नौगांव की कुमकुम सोनी
बनी अशोक वाटिका की सीता
मुख पर ओजस वाणी में करुणा
सबके मन को भाई सीता
जोरहाट की प्यारी अर्निका झंवर
ने गाया सुंदर गीत
ईटानगर की अदिति मालपानी
ने दिखाया अपना नृत्य
बरपेटा रोड की वंदना राठी ने की
प्रभु श्री राम की नृत्य द्वारा
वंदना
ईटानगर की सपना जी बाहेती
ले रही सखियों संग रामलला का
वारना
प्रदेश की सभी 22 भुजाओ ने
अपना परचम लहराया है
हर सीट , हॉट सीट पर भी
प्रदेश का नाम कमाया है
पवित्र हुई यह धरा और सब का
जीवन
अयोध्या नगरी का हुआ
नवीनीकरण
मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों
पर है चलना
सत्यता के संग जीवन पथ पर
आगे बढ़ना
सच्ची सीख है ये हमें इसे है
अपनाना
मानव जीवन में मिला है
खुशियों का खजाना

प्रदेश अध्यक्ष पूनम मालपानी * सचिव मधु झंवर, असम

मध्यांचल

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''दिल मांगे मोर'' पर मर्दाजी का व्याख्यान,साइबर अवेरनेस की 8 नुक्कड़ नाटिका का मंचन

तमाम रंगों को समाहित कर किया सुंदर आयोजन
हर मन को छू गई ,सबकी मुस्कान मनभावन।
सकारात्मक सोच और हमारा
धार्मिक ,सामाजिक, शैक्षणिक आयोजन ।

दान– पुण्य, संकल्प, मांगलिक कार्य, सेवाकार्य, धनुर्मास हो या 26 जनवरी, यज्ञ,हवन, धार्मिक यात्रा,बसंत उत्सव सभी में बराबर की भागीदारी।

यही कारण है कि सांची बैठक में प्रदेश की त्रैमासिक रिपोर्टिंग को कोहिनूर केटिगिरी प्राप्त।प्रदेश की बिटिया साक्षी को मुंबई में गौरवशाली अवार्ड मिला। राष्ट्रीय प्रकल्प आयोजनों में प्रदेश की बहनों ने सदैव बढ़–चढ़कर भागीदारी की, साहित्य हो या संचार ,संस्कृति हो या ज्ञान ग्राम सेवा हो या संकल्प , नर सेवा नारायण सेवा 1000 बहनों व भाईयों की

सेवा की गई। साथ ही काव्य कौशल में भी युवा बहन रश्मिजी लोया , साहित्य में किरण जी माहेश्वरी, एक शाम प्रभु श्री राम में राम जटायु संवाद नाटिका में रत्ना जी व अर्चना जी , लक्ष्मण रेखा व कवच कार्यक्रम में फाल्गुनी व अर्चना माहेश्वरी,राम सेतु में श्रुति मूँदड़ा छोटे–छोटे गांव की बहनें जुड़कर अपना श्रेष्ठ दे रही हैं।

योग सोपान में मध्यांचल को गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड

रिकॉर्ड में प्रदेश की भागीदारी। 'हर– सीट –हॉट सीट' में प्रदेश की चंद्रा मुंदड़ा, गरिमा आगीवाल, रुचि कोठारी ने सफलता हासिल कर अपना परचम लहराया है।

युवाओं के लिए प्रेरक उद्बोधन ''चेतना –लहर'' के तहत रमेश जी मर्दा का ''दिल मांगे मोर'' पर व्याख्यान 120 युवा बच्चे लाभान्वित ।26 जनवरी पर बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत 17 वीडियो का प्राप्त होना प्रदेश की विशेष उपलब्धि रही। कार्यकर्ता प्रशिक्षण व प्रदेश के जिलों में भ्रमण का कार्य सतत जारी है। इंदौर जिले में आयोजित 3 माहेश्वरी जोड़ों का नि:शुल्क सामूहिक विवाह आयोजन अद्वितीय रहा।

विशेष रूप से पू.रा.अध्यक्ष गीता जी मूंदड़ा, सुशीला जी काबरा, महिला सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष ललिता जी मालपानी, रा.समिती प्रभारी नम्रता जी बियानी,प्रदेश अध्यक्ष उषा जी सोड़ानी, मंत्री शोभा माहेश्वरी जिला अध्यक्ष डिंपल माहेश्वरी।

सह प्रभारी शांताजी मंत्री व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित थीं। साइबर अवेरनेस की 8 नुक्कड़ नाटिका ज़िलों से प्राप्त। बुरहानपुर में बैंकिंग कार्यशाला का आयोजन कर बचत निवेश पर चर्चा।

अध्यक्ष–उषा सोड़ानी * सचिव–शोभा माहेश्वरी

इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा एक अनुकरणीय प्रयास

नो मंच–नो गेस्ट के अनूठे विचार के साथ तीन दंपत्तियों का निःशुल्क सामूहिक विवाह कर घर बसाया

इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने अपने अनूठे नो मंच नो गेस्ट के नवाचार के साथ तीन दम्पतियों का निःशुल्क सामूहिक विवाह करा कर उनका घर बसाने में अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह किया। इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा वसंत पंचमी के पर्व पर हर वर्ष की तरह निःशुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। पूरे समारोह में न तो कोई मुख्य अतिथि था और न ही किसी तरह का मंच सजाया गया। पूरा कार्यक्रम महिला संगठन ने नो मंच नो गेस्ट की थीम पर आयोजित किया था। तीनों दंपतियों को लगभग दो दो लाख रुपए से अधिक मूल्य का गृहस्थी का सामान भेंट किया गया। यह सारा सामान महिला संगठन की बहनों ने अपनी ओर से एकत्रित कर मिसाल कायम की। इन्दौर की जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष डिंपल माहेश्वरी व सचिव पुष्पा मोलासरिया ने बताया कि इन्दौर जिला के सभी क्षेत्र की सदस्य बहनों ने सहभागिता के साथ नवदंपतियों को गृहस्थी का सभी सामान भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव पुष्पा मोलासरिया व गठबंधन समिति की जिला सह संयोजक सुनीता लड्ढा ने किया। इस अवसर पर महिला संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा, नम्रता बियानी, ललिता मालपानी, वीणा सोमानी, शांता मंत्री, उषा सोडानी, शोभा माहेश्वरी, सुमन सारड़ा, किरण लखोटिया, सुरेखा मालपानी आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम संयोजक अर्चना माहेश्वरी एवं रेखा काकानी थी। प्रदेश व जिले की पूर्व अध्यक्ष रमाजी शारदा, निर्मलाजी बाहेती, उर्मिलाजी झंवर एवं मंजुजी भलिका भी उपस्थित थीं।

जिला.अ.–डिंपल माहेश्वरी * जिला स.–पुष्पा मोलासरिया

पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा मंदसौर ज़िले में भ्रमण द्वारा जागरुकता लाने का प्रयास

दिनांक 10 फरवरी 24 प्रदेश अध्यक्ष- श्रीमती उषा जी सोड़ानी प्रदेश सचिव – श्रीमती शोभाजी माहेश्वरी का मंदसौर ज़िले में भ्रमण पर आगमन हुआ । इस अवसर पर दीप प्रज्वलन तथा भगवान महेश के जयघोष के साथ मन्दसौर स्थानीय अध्यक्ष- श्रीमती मंजुजी जाखेटिया एवं सचिव- श्रीमती राखीजी मंडोवरा ने स्वागत किया । इस अवसर पर दशपुर अंचल प्रदेश आंचलिक संयुक्त मंत्री श्रीमती भावनाजी सोमानी, ज़िला अध्यक्ष निशाजी पलोड़,सचिव रेखाजी सोमानी एवं महिला संगठन की बहनें भी उपस्थित थी। बैठक मे उषा जी ने आगामी प्रदेश कार्यकारिणी मिटिंग का आयोजन मंदसौर की तैयारी पर चर्चा करने के साथ प्रदेश से दिए गए कार्यक्रम

संचालन जिला व स्थानीय संगठन कैसे करे इस बात पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही प्रदेश सचिव शोभा जी ने कार्यकर्ता प्रशिक्षण व मिलजुल कर कार्य करने पर अपने विचार व्यक्त किए। बाद में पशुपतिनाथके दर्शन कर भगवान से आगामी बैठक के लिए आशीर्वाद लिया। पश्चात आप दलोदा रूबरू मिलने आईं। महिला मंडल स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती शानू जी तोतला, सचिव प्रीति जी सोमानी, रेखा जी सोमानी,साधना पलोड़, समता पलोड़, मोनिका आगार द्वारा स्वागत किया गया। सभी के साथ बैठकर आगामी होने वाली प्रदेश मीटिंग जो दिनांक 18 मार्च 2024 को आयोजित है,बारे में चर्चा की गई एवं कार्यक्रम स्थल को देखा। इस अवसर पर वहाँ के युवा संगठन के पदाधिकारी से आगामी आयोजन पर चर्चा की। संगठन की युवा बहनो की टीम से मिलकर प्रदेश पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। अमूल्य समय व मार्गदर्शन हेतु उपस्थित सभी बहनों ने धन्यवाद व्यक्त किया।

जिलाध्यक्ष–निशा पलोड * सचिव–रेखा सोमानी

पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

रामलला प्रतिष्ठ महोत्सव पर प्रभात फेरी, नाटिका–''बेटी बचाओ'' एवं घर–घर भगवा झंडा लहराए गए

संक्रांति पर सात त्यौहारों का ''सतरंगी रे'' का अद्भुत मंचन व बुजुर्गों का सम्मान

कौशलेंद्रम सांची में ऐतिहासिक आयोजन में चारों संभाग की पूर्ण भागीदारी रही। राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अनीता जी को कौशलेंद्र में अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष रंजना जी को ''अभिनिता'' शब्द से नवाजा गया। शोभा जी लाहोटी का भी कुशल नेतृत्व की वजह से अभिनंदन किया गया। भूतपूर्व सैनिक की संस्था संकल्प फाउंडेशन के अंतर्गत राजश्री राठी का सम्मान। प्रदेश में दो जगह पर औद्योगिक मेले लगाए। बाल मनुहार में पिपरिया की अनन्या गट्टानी ने भजन प्रस्तुत किया। जिले की रिपोर्टिंग एवं समिति रिपोर्टिंग प्रतियोगिता ली गई थी उसकी निर्णायक अनीता जी जवांधिया, अर्चना जी लाहोटी मनीषा जी लड्ढा थी। राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अनीता जी ने बनखेड़ी में स्थानीय, जिला, प्रदेश पदाधिकारी के साथ मीटिंग किस तरह आयोजित करना चाहिए इस विषय पर कार्यशाला ली। चारों संभाग द्वारा ''राम अयोध्या आ रहे हैं'' आयोजनों का मंचन किया गया, नृत्य, प्रभात फेरी, नाटिका, बेटी बचाओ, घर–घर भगवा झंडा लहराए गए। भोपाल पूर्वांचल द्वारा संक्रांति पर सात त्योहारों का सतरंगी रे का अद्भुत मंचन किया गया। रामायण प्रसंग, हल्दी कुमकुम, हनुमान चालीसा ,हनुमत हवन, माहेश्वरी भवन में राष्ट्र ध्वज फहराएं ,सुंदरकांड, रथ यात्रा का आयोजन किया गया। संक्रांति पर जगह–जगह अन्न, वस्त्र, ऊनी कपड़े, फल, चाय बिस्कुट, दान दिए गए। वैदिक विद्यालयों में 15 सेट बिस्तर, गादी ,तकिया, कंबल दिये व आचार्यों को भोजन करवाया गया। माधवगंज आश्रम में बच्चों को भोजन प्रसादी दी गई। स्वास्थ्य जागरूकता पर टॉक शो ऑन वुमेन हेल्थ एंड फिजियोथैरेपी अवेयरनेस,खुद से प्यार तथा मेले आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस मनाया, पतंग पर देशभक्ति स्लोगन का भी आयोजन किया गया। संगठन की सभी इकाइयों द्वारा बसंत पंचमी, सरस्वती पूजन, मां शारदे पूजन, बुजुर्गों का सम्मान, सुंदरकांड, ठाकुर जी का बसंत उत्सव, फाग, गुलाल सेमनाया गया। पिकनिक,

ट्रेनिंग प्रतियोगिता, बच्चों की राम के विषय पर निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा के लिए मार्गदर्शन, प्रदेश स्तर पर जिला एवं समितियां की रिपोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन माहेश्वरी क्रिकेट लीग का आयोजन, हेमलता मूंदड़ा वीडियो प्रतियोगिता में ऑनलाइन प्रथम 517 वोट। श्रीमती मेघा और द्वितीय स्थान 422 वोट। 77 वर्ष की उम्र में भी शीलाजी माहेश्वरी ने वीडियो बनाकर 275 वोट लिए। श्रीमती रुपाली सोनी 1484 बच्चों के साथ पृथक नृत्य कर गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया। कुमारी समृद्धि परवाल केंद्रीय विद्यालय नाइंथ की छात्रा ने मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री द्वारा रेलवे स्टेशन के शिलान्यास के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। विषय था ''2047 में विकसित भारत'' की विकसित रेलवे मुख्यमंत्री मोहन यादव जी का सीहोर आगमन पर स्वागत, पटाखा फैक्ट्री के हादसे में मंडल द्वारा सहायता सामग्री प्रदान की गई। गरीब कन्या के विवाह के लिए कन्यादान की नगद राशि दी एवं गृहस्थी की सामग्री दी। निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं कैंसर जांच शिविर पूर्वी मध्य प्रदेश छत्रछाया प्रकल्प में पंच कन्या क्विज प्रतियोगिता में सभी बहनों की भागीदारी। सिवनी मालवा में तलाकशुदा बहन एवं विदुर भाई की शादी करवायी गयी। रामायण के पात्रों पर एवं साइबर सुरक्षा विषय पर वीडियो प्रतियोगिता आयोजन किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष–रंजना बाहेती प्रदेश सचिव–राजश्री राठी

श्री लक्ष्मी नर्सिंह मंदिर उज्जैन द्वारा गणगौर उत्सव धूमधाम से मनाया

श्री माहेश्वरी समाज महिला मंडल, श्री लक्ष्मी नर्सिंह मंदिर छोटा सराफा उज्जैन द्वारा गणगौर उत्सव मंदिर प्रांगण पर धूम धाम से मनाया। श्री माहेश्वरी समाज महिला मंडल, श्री लक्ष्मी नर्सिंह मंदिर छोटा सराफा उज्जैन द्वारा गणगौर उत्सव मंदिर प्रांगण पर धूम धाम से मनाया एवं अनूठी पहल प्रशस्त कर चल समारोह न निकालते हुए शहर की यातायात व्यवस्था में सहयोग दिया। श्री माहेश्वरी समाज महिला मंडल एवं प्रगति मंडल, श्री लक्ष्मी नर्सिंह मंदिर छोटा सराफा उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में इस वर्ष महिलाओं का गणगौर उत्सव शहर में चल समारोह न निकालने का फैसला लेते हुए तथा शहर की यातायात व्यवस्था बाधित न हो इस भावना से मंदिर प्रांगण में ही समाज की महिलाओं द्वारा गणगौर उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कन्याओं एवं महिलाओं द्वारा गणगौर के सुंदर गीत गाये साथ ही मनभावन नृत्य भी किये गये, गण–गौरा को झाला वारणा देकर दोहे सुना कर रिझाने का प्रयास

किया गया। सास बहु की हास्य–व्यंग्यपूर्ण नोंक–झोंक नाटिका प्रस्तुत की गई, फूलपाती परंपरा निभाते हुए इसर पार्वती का अभिनय नन्ही बालिकाओं द्वारा किया गया इत्यादि अनेक परंपराएं निभाई गई। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर उत्सव का आनंद उठाया, गणगौर क्वीन श्रीमती पलक राठी चांडक बनी। महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती रेखा लड्ढा सचिव उषा भट्टड प्रगति मंडल की सचिव उमा खडलोया तथा आयोजन की संयोजिका श्रीमती विनीता बियाणी एवं श्वेता बजाज ने इस अवसर पर महिलाओं के लिए स्वल्पाहार एवं ठंडाई की व्यवस्था की गई थी, मंडल की प्रचार मंत्री श्रीमती सुधा बागड़ी ने

बताया कि गणगौर उत्सव पर विभिन्न खेल में विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। श्रीमती कृष्णा जाजू द्वारा प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर रीता लखोटिया, प्रेमा राठी, तारा कोठारी, पुष्पा कोठारी, नर्मदा सारडा, शीला राठी, आशा भट्टड, अर्चना केला, एकता झंवर, समता लखोटिया, नेहा झंवर अपर्णा भूतड़ा, स्मीता अटल इत्यादि अनेक महिलाओं की उपस्थिति रही।

सौ. श्वेता बजाज, अध्यक्ष उज्जैन माहे. म.सं.

गणगौर बाना श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन,इन्दौर

भगवान उमा महेश का त्यौहार गणगौर पर श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा उमा महेश का बाना निकाला गया ।भगवान उमा महेश एवं सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार दिलीप जी तापड़िया परिवार एवं संगीता बियानी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संयोजक सीमा बेड़िया, संगीता बियानी, अनीता मंत्री द्वारा तंबोला लकी ड्रा, बेस्ट गणगौर, दोहा प्रतियोगिताएं करवाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता साधना कचोलिया आभार सचिव पिंकी काकाणी द्वारा। इस अवसर पर अनेक पदाधिकारी रुपेश जी भूतड़ा, दिलीप जी तापड़िया, नीलम जी काबरा, माधुरी जी सोमानी, आशा जी साबू,रमा जी साबू, दीप्ति जी भूतड़ा, अन्नपूर्णा जी मूंदड़ा, व संगठन की बहने प्रज्ञा सोमानी, वंदना मुंदड़ा, मोनिका लड्ढा, अनीता बांगड़, निशा कचोलिया, कल्पना जाजू, पूनम सोनी, रुक्मणी बाहेती, प्रमिला भूतड़ा, रैना माहेश्वरी, शशि बांगड़, रचना लाठी, सुषमा माहेश्वरी, मेघा मालपानी, शिखा बियानी व अन्य। बड़ी संख्या में क्षेत्रीय महिला सदस्यो ने उपस्थित होकर अपने त्योहारों की परंपरा को बखूबी निभाकर कार्यक्रम को भव्य बनाया।

साधना कचौलिया, अध्यक्ष

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

किड्स फैशन शो में 6 मानसिक विकलांग बच्चों को भी किया शामिल एवं 34 बालिकाओं का सुकन्या खाता खुलवाया

वलसाड़ जिला ने स्थानीय बस स्टैण्ड का निर्माण किया

राष्ट्रीय अधिवेशन कौशलेंद्रम में आयोजित प्रतियोगिताओं में गुजरात प्रदेश ने परचम लहराया। (परिणयवर्धनम प्रथम, काव्यकौशल द्वितीय, लक्ष्मणरेखा क्विज – प्रथम, रामसेतु, लक्ष्मणरेखा में सहभाग) कुल 30 बहनें उपस्थित।

मोरबी संगठन ने 34 बालिकाओं का धनराशि देकर सुकन्या खाता खुलवाया। जामनगर संगठन आयोजित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में 42 बहनों ने हिस्सा लिया। सिलवासा संगठन ने 40 किताबें स्कूल लाइब्रेरी में भेंट की । सखी संगठन अहमदाबाद के रजत जयंती समारोह में 16 संस्कार विषय पर भव्य नृत्य नाटिका प्रस्तुति । वलसाड जिला मंडल ने स्थानीय बस स्टैंड का निर्माण

किया। अहमदाबाद आदिशक्ति संगठन ने महिलाश्रम में 120 स्वेटर भेंट किये। जामनगर संगठन ने सेवाश्रम में 100 बिस्तरों का दान किया। संगिनी संगठन अहमदाबाद ने 75 सदस्यों का मुफ्त सोनोग्राफी, हेल्थ चेकअप किया। गुजरात प्रदेश की प्रथम द्विदिवसीय कार्यकारिणी बैठक **''स्वयंप्रभा''** में राष्ट्रीय, आंचलिक, प्रांतीय पदाधिकारी तथा मुख्य वक्ता श्रीमती प्रभाजी भैया ने विविध विषयों पर मार्गदर्शन किया। स्थानीय संगठनो की रिपोर्ट प्रतियोगिता पश्चात् उपस्थित 90 सदस्यों ने योगासन प्रशिक्षण भी लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु बांगड़ और महामंत्राणी श्रीमती ज्योतीजी राठी की उपस्थिति में गुजरात प्रदेश के नवगठित अहमदाबाद जिला संगठन का शपथविधि कार्यक्रम संपन्न हुआ । उन्होंने प्रदेश भ्रमण में स्थानीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और संगठनों से जुड़े हुए विषयों पर मार्गदर्शन किया।

वलसाड जिला संगठन के उमंग मेले में 65 उद्यमी महिलाओं ने भाग लिया । मेले में आयोजित किड्स फैशन शो में 6 मानसिक विकलांग बच्चों को भी शामिल किया। संक्रांत पर्व पर प्रदेश में अनुमानित 1628 किलो अनाज, 1288 नग ऊनी कपड़े, 680 अन्य वस्तुएं, कुल रु. 5,67,480/- तथा गुप्तदान किया गया। सूरत में 50 युवतियों को रियायती दर पर सर्वाइकल ''कैंसर वैक्सीन'' उपलब्ध कराया। 100 महिलाओं का मुफ्त ब्लड पैप टेस्ट कराया। मोरबी संगठन ने 6 विधवा बहनों को एक वर्ष तक राशन किट देने का संकल्प लिया।

प्रांत द्वारा आयोजित दक्षता वेबिनार में व्हाट्सएप फीचर्स का प्रशिक्षण दिया तथा काव्यसरिता कविता पठन प्रतियोगिता में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में 23 बहनों ने कविता प्रस्तुति दी।

अध्यक्षा - मंजूश्री काबरा * सचिव - कांता मोदानी

सूरत जिला माहे. महिला संगठन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर तकनीकी ज्ञान की कार्यशाला

अंतरराष्ट्रीययय महिला दिवस के उपलक्ष में सूरत जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा स्वयं सिद्धा एवं संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति के अंतर्गत 2 मार्च ग्रीन वैली हाल में टेक्नोलॉजी की ओर कदम बढ़ाए जिला संगठन प्रगति learning club scssion -1 कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। भाजपा गुजरात महिला मोर्चा के उपाध्यक्ष रितुजी राठी, रश्मिजी साबू, यशस्वी सिद्धार्थजी लखोटिया कूडो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी स्वर्ण एवं रजत पदक प्राप्त का सम्मान किया गया। प्रिया जी सोमानी एवं नेहाजी साबू के द्वारा gpay, swiggy का तकनीकी ज्ञान सिखाया गया। इस सेमिनार को सफल बनाने में सरिताजी सोमानी ,रंजीताजी कोठारी एवं अंजलिजी पूंगलिया समिति मेंबर्स का भरपूर सहयोग रहा। वंदनाजी तोषनीवाल को राम कलाकृति के लिए पुरस्कृत किया गया। इनकी यह पेंटिंग अयोध्या में सिलेक्ट हुई है।

स्वयं सिद्धा समिति के अंतर्गत एक माहेश्वरी बहन को नई टेक्नोलॉजी वाली सिलाई मशीन दी गई।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की भूतपूर्व अध्यक्ष विमलाजी साबू एवं निवर्तमान गुजरात प्रदेश अध्यक्ष उमा जी जाजू विशेष रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम में 80 बहनों की उपस्थिति रही।

अध्यक्ष-वीणा तोषनीवाल * सचिव-प्रतिभा मोलासरिया

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

होली उत्सव (फैंसी ड्रेस एवं डांस का विशेष आयोजन)

राजनांदगांव स्थानीय माहेश्वरी भवन में महिला मंडल द्वारा इस वर्ष होली उत्सव कार्यक्रम में फैंसी ड्रेस और डांस का प्रोग्राम आयोजित किया गया। फैंसी ड्रेस का थीम 'देश की महान नारियों' के रूप में प्रस्तुति देनी थी जिसमें महिला मंडल के सभी आयु वर्ग से महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सीनियर ग्रुप में अमिता जी मूंदड़ा–द्रौपदी, राधा जी लड्ढा– अहिल्याबाई होलकर, अनुपम जी सदानी– सरोजिनी नायडू, सरला जी राठी– झांसी की रानी वहीं जूनियर ग्रुप में बिंदु जी बागनी– तीजन बाई, गीतिक जी चितलांगिया– स्मृति ईरानी, सोनल जी लड्ढा– सावित्रीबाई फुले,प्रियंका जी भट्टर– झांसी की रानी, वसुधा जी लड्ढा– वंदनी माता भगवती देवी और कुसुम जी गांधी– किरण बेदी की वेशभूषा में प्रस्तुति दी जिसमें सीनियर ग्रुप में राधा जी लड्ढा को प्रथम, अमिता जी मूंदड़ा को द्वितीय एवं जूनियर ग्रुप में वसुधा लड्ढा प्रथम एवं बिंदु बागानी और सोनल लड्ढा को द्वितीय पुरस्कार मिला। राधा कृष्ण थीम नृत्य में तोशिला बागानी एवं कुसुम गांधी को विशेष पुरस्कार मिला साथ ही होली थीम में आई पिंकी धूत को होली क्वीन का पुरस्कार मिला।

अध्यक्ष दीपा जी बागड़ी,सचिव अनीता जी

चितलांगिया, कोषाध्यक्ष सीमा जी डागा द्वारा फूलों की वर्षा सहित गुलाल से रंग लगाकर महिला मंडल को होली पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं संचालन सांस्कृतिक मंत्री रुपाली जी गांधी द्वारा किया गया।

होली उत्सव कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष शशि जी गट्टानी,संरक्षक सरस्वती जी लोहिया,सांस्कृतिक मंत्री सुषमा जी राठी, जिला अध्यक्ष विनीता जी डागा, जिला सचिव प्रीति जी चितलांगिया एवं स्थानीय टीम से उपाध्यक्ष विमला जी लड्ढा एवं वर्षा जी डागा, सहसचिव सरिता जी डागा, पूर्व अध्यक्ष शिला जी गांधी एवं नेमा जी लोहिया सहित कार्यकारिणी सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन में स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई। यह जानकारी मीडिया प्रभारी पिंकी धूत ने दी।

वृद्ध आश्रम में भजन, अनाज मसाले घी इत्यादि अर्पण

संगठित समाज सशक्त समाज–त्रि दिवसीय (7,8,9 फ़रवरी) छत्तीसगढ़ भ्रमण बिलासपुर एवं दुर्ग जिला भ्रमण करता राष्ट्रीय महामत्रांनी ज्योति जी राठी, प्रदेश अध्यक्ष शशि जी गट्टानी, प्रदेश सचिव रूपा मूंदड़ा प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदा जी भट्टर एवं संगठन मंत्री उर्मिला जी टावरी। सभी संगठनों ने खुले दिल से स्वागत किया एवं भविष्य में प्रदेश में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु संकल्प लिया।

10 स्थानीय संगठनों का भ्रमण 250 से अधिक बहने लाभान्वित हुई। पदाधिकारी के साथ ज़ूम पर विशेष बैठक जिसमें आगामी कार्यक्रम की विस्तृत चर्चा की गई है। विशेष –अनुज दम्मानी, सुपुत्र किरण राजेश जी दम्मानी डोंगरगढ़ , देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय जुजुत्सु प्रतियोगिता में रजत पदक से सम्मानित। जिला रिपोर्टस्सभी जिलों ने प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता दी।

अष्ट सिद्धा–मधु राठी छत्तीसगढ़ भ्रमण में महामंत्रानी ज्योति जी राठी द्वारा संगठन की प्रगति एवं एकता के सूत्र पर व्याख्यान.. प्रोटोकॉल की विस्तार से जानकारी एवं श्रृंखलाबद्ध संगठन की विस्तृत जानकारी।

संस्कार सिद्धा–पिंकी धूत बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में शिक्षा का महत्व पर व्याख्यान.. विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी प्रतियोगिता आयोजित।

स्वयं सिद्धा–शशि बागड़ी महिला सशक्तिकरण के सही मायने टॉपिक पर महिला दिवस पर विशेष निबंध प्रतियोगिता। 11 प्रतिभावान महिलाओं को सम्मान। सी ए उतीर्ण छात्रों का सम्मान।

ज्ञान सिद्धा–रमा मल फरवरी माह माहेश्वरी लेखनी का प्रचार। आत्म मंथन एक वैचारिक यात्रा राष्ट्रीय कार्यक्रम जूम में, प्रदेश की महिलाओं की अच्छी उपस्थिति आँखन देखी। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रसार।

संस्कृति सिद्धा–किरण दम्मानी हल्दी कुमकुम सुंदरकांड चुंदरी मनोरथ, बारहमासी गंगा स्नान हवन एवं 150 लोगों का भंडारा ,रामदेव बाबा की दूज दशमी को भजन तथा प्रसाद वितरण। श्री कल्याणी देवस्थानम राजनांदगांव की प्राण प्रतिष्ठा ,शोभायात्रा में सहभागिता..।

रघुकुल रीति सिद्धा–शशि कला काबरा वृद्ध आश्रम में भजन अनाज मसाले घी इत्यादि अर्पण। चार पीढ़ी वाले संयुक्त परिवार का सम्मान।

संकल्प सिद्धा–शिल्पा सारदा गौ माता पूजन। 130 गायब बछड़े को सवा मन लापसी का भोग। पांच बोरी कुट्टी एक ट्रली पैरा दान।

संचार सिद्धा–नीना राठी अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटिका में रायपुर एवं दुर्ग जिले से टोटल 3 प्रविष्टियां भेजी गई। टिप ऑफ़ द वीक का समय–समय पर प्रसारण। प्रतिमाह अनुसार कैलेंडर का प्रचार, पोस्टर ,वीडियो, बर्थडे कार्ड आदि का कार्य यथावत।

संजीवन सिद्धा–दिव्या राठी रक्तदान शिविर 151 रक्तवीरों द्वारा रक्तदान व निशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर आयोजन में 200 से अधिक व्यक्ति लाभान्वित। योग संजीवनी वीडियो द्वारा जागरूकता।

युगल सिद्धा लता मंत्री बायोडाटा आदान प्रदान। चार बायोडाटा अपलोड धन्यवाद।

अध्यक्ष–शशि गट्टानी * सचिव रूपा मुंधडा

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पारिवारिक जिम्मेदारिया और समाधान विषय पर मार्गदर्शन

सांची के राष्ट्रीय कार्यक्रम मे विदर्भ प्रदेश को त्रैमासिक रिपोर्टिंग में कोहिनूर कॅटागिरी से नवाज कर गौरव प्रदान किया।

सांची में योगसोपान को गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में राष्ट्रीय में मध्यांचल प्रथम तो विदर्भ प्रदेश तृतीय स्थान पर रहा। अकोला में परम पूजनीय पुष्पेंद्र जी द्वारा भारत का भविष्य बनाने में लड़कियों की जिम्मेदारी पर मार्गदर्शन हुआ। लाभार्थी – 400

राष्ट्रीय प्रतियोगिता ''काव्य कौशल्य'' प्रतियोगिता मे प्रदेश से मीनु भट्टड की सहभागिता – मध्यांचल को द्वितीय स्थान प्राप्त। ऑनलाईन ''हर सीट हाट सीट'' में मीनु भट्टड को मध्यांचल में प्रथम पुरस्कार ।

राष्ट्रीय स्तर पर विदर्भ प्रदेश को संयुक्त परिवार संस्कारों की पाठशाला है पक्ष में तृतीय स्थान माधुरी सारदा को मिला। प्रदेश की श्रीमती प्रभाजी मैय्या ने दुबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्विमिंग प्रतियोगिता मे 5 सुवर्ण पदक हासील

करके भारत देश का ध्वज और समाज का नाम गौरवावित किया। उन्हें सांची की सभा मे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। मलमास मे सभी जिला मे भागवत कथा का आयोजन विशेष –गोविंद गिरीजी महाराज, प्रदीपजी मिश्रा,राजेश्वरीजी मोदी द्वारा नारायण रेकी के आयोजन में माहेश्वरी महिला संगठन का विशेष योगदान।

प्रदेश पदाधिकारी , राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष शोभाजी सादानी, प्रदेश पूर्व अध्यक्षों ने विविध जिल्हा बैठको मे कार्यकर्ता बहनो को मार्गदर्शन दिया। आकोला एवं वर्धा जिल्हा द्वारा दो दिवसीय औद्योगिक शिविर लगाया। लाभार्थी 1850 फरवरी – प्रदेश की द्वितीय online सभा का आयोजन। लाभार्थी 262 बहने।

प्रदेश की संगोष्ठी कार्यशाला मे डॉ अनुराधाजी जाजू द्वारा नवदंपतियो के वैवहिक जीवन को सफल बनाने हेतु पारिवारिक जिम्मेदारियां और समाधान विषय पर मार्गदर्शन दिया गया। लाभार्थी 270 आगामी आयोजन – 28,29,30 अप्रेल को बालिका संस्कार शिविर का बुलढाणा जिल्हा मे आयोजन।

प्रदेश अध्यक्षा– सुषमा बंग
प्रदेश सचिवा– नीलिमा मंत्री

सृष्टि की सृजनकर्ता नारी

नारी का जीवन ही है, सृष्टि के सृजन का अप्रतिम एहसास
हर क्षेत्र में कार्य करने की क्षमता, बना देती है इसे और खास
उसके अस्तित्व मात्र से खुलते है, सम्भावनाओं के असीमित द्वार
नव – सदभाव, नव – ऊर्जा से अभिसिंचित उसका परिवेश, बांटता है सिर्फ प्यार
वो बो देती है असफलता के मौसम में ही सफलता के बीज
दुनिया बदल सकने की उसकी ताकत पर, हर कोई जाता है रीझ
मन में पंख लिए हिम्मत के, वो उड़ सकती है गगन में
प्रयत्न उसके संदल जैसे, जो महकते है जीवन – चमन में
उसके कर्मफल की आहुति से पल्लवित है, ये संसार रूपी बगिया
बिना नारी के घर में, कहाँ प्राप्त होती है सम्पूर्ण खुशियाँ
प्रत्येक महापुरुष किसी न किसी नारी की कोख में ही तो पलता है
नारी से ही सारी सृष्टि के सृजन का नियम चलता है
उसकी मुस्कुराहट भर देती है जीवन में, आशाओं के उजाले
इतने अडिग हो स्वयं के कदम, कि फिर कोई संभाले या न संभाले
नहीं डरती है वो किसी भी नई डगर से
सपने देखती है हर रोज़ एक नई सहर के
खुद ही चुनती है शूल राहों के, खुद ही सहलाती है पाँव के छाले
खुद ही ढूंढती वो आशा की किरण
ज़ब भी छा जाते बादल काले
लेना है निर्णय हे प्रियदर्शिनी.....
नहीं बनना है हिस्सा किसी प्रदर्शनी का
वरन, निभाना है अपना कर्तव्य, हमेशा पथ – प्रदर्शिनी का

मंजू हरकुट, (संयुक्त मंत्री, उत्तराँचल)मेरठ

उत्तरांचल

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

रामायण की कुछ अनसुनी अद्भुत कहानियां पर कार्यशाला आयोजित

राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव प्रोग्राम

''हम सबके मन हर्षाए हैं,
श्री राम अयोध्या आए हैं।
क्या मन्दिर, क्या गली मोहल्ला,
हर क्षेत्र में धूम मचाए हैं।
दीप जलाओ, आरती गाओ,
सिया राम को भोग लगाओ।
हनुमत के मन भाए हैं,
प्रभु राम अयोध्या आए हैं।।
आओ मिलकर झूमें गाएं,
पावन महोत्सव की खुशियां मनाएं।
अहोभाग्य से मौक़ा पाए हैं,
मेरे प्रभु राम अयोध्या आए हैं।।
हर घर में बस एक ही नाम
जय श्री राम जय श्री राम''

दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन संस्कृति सिद्धा : अध्यात्म व परम्परा समिति अन्तर्गत सनातन धर्म की आस्था के केन्द्र हमारे आराध्य प्रभु श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की खुशी में बहनों द्वारा 20 जनवरी 2024 शनिवार को एक ही समय 3 से 6 बजे तक अपने-अपने सभी आठों क्षेत्रों में संगीतमय सामुहिक सुन्दरकाण्ड पाठ, हनुमान चालीसा, रामरक्षास्त्रोत पाठ, 151 दीप प्रज्वलन के साथ दीपोत्सव, रंगोली सजावट,भजन, आरती तथा भंडारा प्रसाद कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सभी भक्त प्रेमियों का राम नाम उद्घोष के साथ भगवा पट्टी तथा तिलक से स्वागत करके रामायण प्रसंगों पर आधारित झांकियों के साथ कलश शोभा यात्रा निकाली गई तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दक्षिणी क्षेत्र से समिति सह संयोजिका बहन शुभ्राजी माहेश्वरी द्वारा प्रभु श्री राम के अयोध्या आगमन के स्वागत हेतु ज़ूम पर रामायण की कुछ अनसुनी अद्भुत कहानियां पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ गणेश वन्दना तथा राम स्तुति पर नृत्य प्रस्तुति और समापन दीप प्रज्वलित करके आरती से किया गया।

दिल्ली प्रदेश के लिए गौरव की बात हैं कि उत्तर पश्चिमी क्षेत्र की बहन ऋतु नरेन्द्रजी कोठारी को अयोध्या में सम्पन्न 22 जनवरी को रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में विशेष आमंत्रण सहित सहभागी होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

साथ ही हमारी 6 बहनें अध्यक्ष श्यामाजी भांगड़िया, संस्थापक अध्यक्ष विनीताजी बियानी, प्रदेश परामर्श मंडल बहन प्रतिभाजी जाजू, दक्षिणी क्षेत्र से बहन उमाजी लखोटिया तथा पूर्वी क्षेत्र से बहन सूर्यकलाजी लड्ढा तथा जयश्रीजी अटल को अयोध्या में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मंगल अवसर पर आयोजित 14 से 22 जनवरी तक होने वाले 10 दिवसीय 1008 हवन कुंडीय राम नाम महायज्ञ में यजमान बनने का अप्रतिम सौभाग्य प्राप्त हुआ।

दिल्ली प्रदेश की सभी बहनों ने राम लला प्राण प्रतिष्ठा की अप्रतिम मंगल बेला को सार्थक करके इस अलौकिक पावन अनुष्ठान में आहुति अर्पित कर ऐतिहासिक गौरवमय पल के साक्षी बनने का सुअवसर प्राप्त किया।

लिवर ट्रांसप्लांट एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन इलाज़ हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया एवं काव्य कौशल में पाया प्रथम स्थान

दिल्ली प्रदेश द्वारा दिल्ली के ही एक माहेश्वरी परिवार सदस्य 47 वर्षीय अमितजी पुगलिया के लिवर ट्रांसप्लांट इलाज़ हेतु आर्थिक सहयोग की अपील की गई जिसमें सम्पूर्ण माहेश्वरी बहन भाइयों के सामूहिक प्रयासों से अभी तक 21,91,801/- का सहयोग दिया जा चुका हैं और आगे भी सहयोग जारी है।

सांची में आयोजित चिंतन मनन प्रादेशिक प्रतियोगिता रामसेतु में दिल्ली से नंदिनीजी मांधना ने प्रथम स्थान तथा आंचलिक प्रतियोगिता काव्य कौशल में उत्तरांचल को प्रथम पुरस्कार, दिल्ली से जयश्रीजी भंडारी को काव्य शिरोमणि उपाधि से अलंकृत किया गया। राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक सांची में दिल्ली प्रदेश को शालिमार कैटेगरी प्राप्त हुई। प्रदेश से 2 नए ट्रस्टी (प्रभा जाजू, लक्ष्मी बाहेती) को उनके योगदान के लिए सेवा ट्रस्ट बैठक सांची में सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय कार्यक्रम एक शाम प्रभु श्री राम के नाम में उत्तरांचल को ''राममणि'' उपाधि से विभूषित किया गया। दिल्ली प्रदेश द्वारा 26/27 दिसम्बर तथा 24/25 फ़रवरी को हरिद्वार बारहमासी स्नान 45 बहनों के साथ किया गया।

प्रभु श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की खुशी में बहनों द्वारा विविध धार्मिक कार्यक्रम तथा मथुरा में गाजे बाजे व धूमधाम के साथ चुनरी मनोरथ का भव्य आयोजन किया गया। दान पुण्य महापर्व संक्रांति पर सभी बहनों द्वारा सेवा-परमार्थ कार्य किया गया।

मोतियाबिंद ऑपरेशन कैंप में बहनों ने जाकर अपनी सेवाएं अर्पित की तथा 1,04,400/- का सहयोग प्रदान किया। आपसी प्रेम सौहार्द्र को विकसित करने हेतू गुलाबी धूप विंटर कार्निवाल, प्रतापगढ़ फॉर्म हाउस पिकनिक, ''पारिजात'' फॉर्म हाउस मिलन कार्यक्रम तथा तब से अब तक उड़ान प्रोगाम में 600 से भी अधिक समाज बंधुओं की उपस्थिति में भारत की विभिन्न संस्कृतियों और रीति-रिवाजों में आए परिवर्तनों को सुन्दर नृत्य नाटिका शैली में दर्शाया गया।

बच्चों के लिए An educational tour to Bank प्रोग्राम किया गया। अपने समाज की बहनों को सशक्त बनाने और उनकी योग्यता तथा कार्यक्षमता से सभी को रुबरू करवाने प्रोफ़ाइल पब्लिकेशन, जिसमें महीने की पहली तारीख़ को 1 बहन का प्रोफ़ाइल सोशल मीडिया तथा फेसबुक पेज पर प्रकाशित किया जा रहा हैं।

अध्यक्ष-श्यामा भांगड़िया
*** सचिव-लक्ष्मी बाहेती**

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

अनेकता में एकता के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दिसंबर माह में द्वितीय कार्यकारिणी बैठक संगम के अंतर्गत संक्षिप्त रामायण प्रस्तुति प्रसंगों के माध्यम से की गई। रमेश जी परतानी और कल्पना जी गगरानी द्वारा बाल विकास परियोजना एवं पारिवारिक विषयों पर मोटिवेशनल स्पीच दी गई। 101 आदिवासी कन्याओं के विवाह हेतु 31000 रुपए की धनराशि दी गई। पलवल नया संगठन बनाया गया। प्रदेश की दो बहनों प्रेमलता जी माहेश्वरी एवं सुमन जी जाजू को उनकी लेखन कला एवं सामाजिक गतिविधियों के उपलक्ष में महिला सशक्तिकरण अवार्ड से नवाजा गया। राष्ट्रीय से आए कार्यक्रम नर सेवा नारायण सेवा के अंतर्गत प्रदेश द्वारा दान पुण्य किए गए और जरूरतमंदों को वृद्ध आश्रम, विकलांग आश्रम और आश्रम इत्यादि में जरूरत का सामान प्रदान किया गया।

जनवरी माह में अयोध्या राम लला मूर्ति प्रतिष्ठा अवसर पर संपूर्ण प्रदेश राममय होकर राम रक्षा स्तोत्र पाठ एवं भजन स्तवन किया गया। राम प्रश्नावली से इसे सजाया गया। संपूर्ण प्रदेश में एक साथ सामुहिक सुंदरकांड पाठ के आयोजन किए गए। फरवरी माह में 75 वा गणतंत्र दिवस बच्चों के लिए विविधता में एकता नृत्य संस्कृति प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता द्वारा मनाया गया। राष्ट्रीय से मांगे नुक्कड़ नाटिका प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रदेश द्वारा नाटिका भेजी गई। बसंत पंचमी का उत्सव मां शारदा का पूजन करके और पीले वस्त्र पहन कर मनाया गया। बसंती मौसम का आनंद गुनगुनी धूप के साथ पिकनिक के रूप में लिया गया। गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार आहार वितरित किया गया। 11000 का चारा दान दिया गया।

प्र.अध्यक्ष–सीमा मूंदड़ा * प्र.सचिव–अनु सोमानी

पूर्वी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

अच्छा स्वास्थ्य ,जीवन का सार

प्रदेश द्वारा अच्छे स्वास्थ्य के लिए अति ज्ञानवर्धक कार्यक्रम लिया गया जिसमें स्वस्थ जीवन कैसे जिया जाए पर अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्स दिये गये एवं किन चीजों से बचा जाए उस पर भी प्रकाश डाला गया ।

Emergency में जैसे Heart Attack, paralytical Attack, high/Low BP, Brain Infection ,Body Pain Treatment की पहली अवस्था में हमें क्या करना चाहिए, अति महत्वपूर्ण जानकारी दी गई ।

मुख्य वक्ता डॉक्टर सोनल बियानी बंग (Bachelor in Naturopathy n Yogic Sciences) ने बहुत ही सुंदर एवं सरल तरीक़े से पूरा सेशन एवं सभी सदस्यों की जिज्ञासाओं का हल किया। हमारी मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती कुंतल जी तोषनीवाल ने भी बहुत ही सुन्दर एवं सटीक शब्दों में स्वास्थ्य के महत्व को समझाया। 95 सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

दान–धर्म का पूर्णत्व–मकर

संक्रांति जिसे दान धर्म का पर्व भी कहा जाता है, प्रदेश के आवाहन पर सभी जिलों एवं शहरों में इसे बहुत ही परोपकारी ढंग से मनाया गया। कड़कती ठंड मे सड़क पर बैठे गरीबों मे गरम खाने के 250 टिफिन बांटे गए। 100 किलो आटा, 30 किलो बेसन, दाल, चावल, कंबल, शॉल, जैकेट,कपड़े, तिल कूट के पैकेट एवं गरम मौजे जरूरतमंदों को दिये। लखनऊ- चेतना स्कूल मानसिक रूप से मंद बच्चों के लिए यहाँ के बच्चे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी खेल में भाग लेते हैं ,स्पोर्ट्स का सामान संक्रान्ति के उपलक्ष्य मैं ,माहेश्वरी महिला संगठन लखनऊ की ओर से स्कूल में किया गया। सभी छोटे बड़े संगठन ने अपनी श्रद्धा एवं सामर्थ्य अनुसार सेवा कार्य किया।

प्र.अध्यक्ष-भारती करवा * प्र.सचिव-पुष्पा धूत

पश्चिम उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

सेवा,परोपकार,कौशल एवं धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न एवं खाद्य सामग्री वितरण

सभी कार्यों में प्रगति पर प्रथम कार्यकारिणी बैठक कौशलेंद्र मे प्रदेश की 29 बहनों की भागीदारी। नारी शक्ति वंदनम के अंतर्गत प्रदेश की रुबीना जी राठी राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय प्रकल्प कैसे बचे साइबर क्राइम से, नाटिका में प्रदेश से 2 बहनो की सहभागिता रही। प्रथम ग्रुप में टेकनो स्टार ट्रॉफी , द्वितीय ग्रुप में प्रथम ट्रॉफी, व सांत्वना पुरस्कार से राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित किया। राष्ट्रीय राम सेतु वाद विवाद प्रतियोगिता सयुंक्त परिवार के विपक्ष मे सांत्वना पुरस्कार। राष्ट्रीय काव्य कौशल प्रतियोगिता में प्रदेश काव्य शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित। हर सीट हॉट सीट सीज़न 2, दिसंबर 2023 में प्रथम, द्वितीय, तृतीय , व सांत्वना प्रथम एकल प्रश्न 1 एंव एकल प्रश्न 3 में क्रमशः द्वितीय-द्वितीय पुरस्कार प्राप्त। मकर संक्रांति के उपलक्ष में राष्ट्रीय प्रकल्प नर सेवा नारायण सेवा के अंतर्गत 14 जिलों के 21 संगठनों द्वारा दान धर्म सेवा कार्य संपन्न। एक शाम प्रभु श्री राम के नाम राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रदेश से राम शबरी संवाद हेतु वीडियो भेजी। 22 जनवरी अयोध्या में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा पर राम आधारित रंगोली प्रतियोगिता में 20 संगठनों की भागीदारी , 23 संगठनों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड तथा 22 संगठनों द्वारा दीपोत्सव कार्यक्रम संपन्न।

26 जनवरी को झंडा रोहण कर बच्चों को जरूरत के समान बांटे गए। अलीगढ़ समिति द्वारा 21 एकादशी उद्यापन का विशाल कार्यक्रम संपन्न। आगरा संगठन द्वारा अपना घर आश्रम भरतपुर में 6000 प्रभु साधकों को खाद्य सामग्री वितरित। मीरापुर संगठन द्वारा अपना घर आश्रम में शुक्रताल के प्रभुजनों की भोजन व्यवस्था व 2100 की धनराशि का सहयोग। 12 संगठनों द्वारा बसंत उत्सव मनाया गया। साइबर अवेयरनेस हेतु मेगा नुक्कड़ नाटिका में प्रदेश से 9 वीडियो प्रेषित की गई। मथुरा, हाथरस, कासगंज एवं छर्रा संगठनों द्वारा कन्या के विवाह हेतु समान व 34,400 नगद धनराशि का सहयोग। प्रदेश द्वारा 38 बायोडाटा अपलोड किए गए। अलीगढ़ मेनोपॉज समिति द्वारा छर्रा में हेल्थ कैंप बहनों को मेनोपॉज से संबंधित जानकारी देकर ब्लड शुगर , एचबी, बीएमडी आदि की जांचें की गई।

प्र.अध्यक्ष-मोनिका माहेश्वरी * प्र.सचिव-मनीषा राठी

मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

वृद्धा आश्रम में रजाई ऊनी वस्त्र एवं खाद्य सामग्री वितरण तथा शोभायात्रा का आयोजन

विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रतिभा प्रदर्शन कर प्रदेश का किया नाम रोशन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सांची में आयोजित कौशलेंद्र में प्रदेश की 15 बहनों की सहभागिता रही। प्रदेश की दो बैठक कार्य समिति एवं कार्यकारिणी ''मनस्वी'' का आयोजन 25 दिसंबर 2023 को संपन्न हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ द्वारा दीप प्रज्वलन, प्रभारी प्रेमा झवर के सानिध्य में प्रदेश की पदाधिकारी के द्वारा यह मीटिंग सुचारू रूप से संपन्न हुई रामायण महाभारत पर आधारित विचज प्रतियोगिता **''कौन बनेगा मनस्वी''** में प्रथम श्रीमती शालिनी करनानी द्वितीय श्रीमती प्रीति राठी पुरस्कृत हुई। तरह-तरह के मनोरंजन खेल खिलाए गए। विवाह पंचमी राम भगवान के विवाह के दिन बच्चों से फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता करवाई। राम महोत्सव में प्रदेश के सभी जिलों के बच्चे एवं किशोर किशोरियों में 4 Category बनाकर भगवान राम से संबंधित भजन नृत्य नाटिका संवाद स्तुति प्रतियोगिता, चयनित प्रस्तुति को पुरस्कृत किया गया, प्रदेश द्वारा शुरू किया सक्षम प्रोजेक्ट में 20 और महिलाओं को स्कूटी ट्रेनिंग, सांची मीटिंग के लिए शक्ति वंदनम कार्यक्रम में प्रदेश की बहनों के नाम भेजे गए संयोजिका द्वारा एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया जिसमें महिलाएं अपने बिजनेस प्रोडक्ट्स का विवरण दे, क्रेता और विक्रेताओं को बातचीत के द्वारा उत्साहित, व्यापार में निरंतर वृद्धि हो रही है आय बढ़ने से और बहने भी इस ग्रुप को अपना रही है, सांची में आयोजित कौशलेंद्र कार्यक्रम आयोजित काव्य

कौशल में प्रदेश की श्रीमती राधिका मुंदड़ा ने भाग ले उत्तरांचल को प्रथम स्थान दिलाने में सहयोग दिया, हर सीट हॉट सीट सीजन 2 में प्रदेश की श्रीमती लता जी माहेश्वरी को सांत्वना पुरस्कार, राष्ट्रीय आह्वान द्वितीय लेखन प्रतियोगिता ''आँखिन देखी एक रिपोर्ट'' प्रदेश की बहने लेखन पर कार्य कर रही है,राष्ट्रीय समिति द्वारा लेखन प्रतियोगिता संबंधित कार्यशाला में बहनों ने उपस्थिति दर्ज कराई और लेखन विद्या के बारे में जानकारी प्राप्त की। मोक्षदा एकादशी पर ब्राह्मणों को दान उरई में दिसंबर माह में भागवत कथा धनुर्मास में श्री गोदा महारानी एवं श्री रघुनाथ जी की पूजा अर्चना और 24 तारीख को राम मंदिर , की कलश यात्रा निकाली गई ,सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ, भगवान श्री राम की

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में 21 जनवरी कानपुर में शोभायात्रा निकाली एवं सुंदरकांड का पाठ 22 को राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ के नेतृत्व में रामोत्सव, समाज की बहने, बंधुगण परिवार सहित राम की पूजा अर्चना की ,भव्य शोभा यात्रा निकाली ,यात्रा में राम दरबार ध्वज रामनामी टोपी, गले में राम नाम का दुपट्टा, हाथ में राम नाम के झंडा पताका के साथ ढोल बाजे के साथ यात्रा निकाली गई, 501 दीपक प्रज्वलित किए , गणतंत्र दिवस पर परिवार संग फोटो के साथ स्लोगन प्रतियोगिता रखी गई विजेता बहनों को पुरस्कृत किया गया। कोरोना के नए वेरिएंट गप 1 की खबर मिलते ही प्रदेश संयोजिका ने व्हाट्सएप द्वारा सभी बहनों को सचेत किया भीषण सर्दी में, घर में बने काढ़ा पीने की सलाह दी। सांची कार्यकारिणी मीटिंग में संचार सिद्धा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की दो बहने श्रीमती प्रीति राठी एवं श्रीमती वर्षा लाहोटी ने कार्यक्रम में भाग लिया। नर सेवा नारायण सेवा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़ के नेतृत्व में प्रदेश की 10 बहनों ने कानपुर के अपने घर आश्रम मानसिक रूप से विक्षिप्त 25 सदस्य (प्रभु जी) को भीषण ठंड से बचाव हेतु हीटर टोपी मफलर दरी राशन छाता रोजमर्रा का समान, राशन दिया। राशि 80,400 मैनपुरी महिला मंडल में वृद्धा आश्रम में रजाई ऊनी वस्त्र खाद्य सामग्री लगभग 35,000 राशि उरई महिला मंडल ने भंडारा किया जिसमें 150 लोगों का चाय बिस्किट ब्रेड नाश्ता करवाया 7,100 राशि कानपुर महिला मंडल ने भंडारा कर 2000 लोगों को चाय बिस्किट एवं भोजन करवाया जिसकी सहयोग राशि 25,300 प्रदेश की कुल सहयोग राशि खर्च 1,47,800। झांसी में निरंतर 14 जनवरी से मार्च तक अस्पताल में भोजन की व्यवस्था की जा रही है बसंत पंचमी पर स्कूल के बच्चों में श्लोक उच्चारण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया एवं सभी बहनों ने बसंती रंग के वस्त्र पहनकर भगवान का श्रृंगार कर पूरा माहौल बसंतमय कर दिया 14 फरवरी को तुलसी दिवस के रूप में मनाया गया बहनों ने दीप प्रज्वलित करके तुलसी मां को चुनरी उड़ाई। सांची मीटिंग कौशलेंद्र में प्रदेश को त्रैमासिक रिपोर्ट में कोहिनूर केटेगरी से नवाजा गया कानुता में हुआ नानी बाई का मायरा जिसमें गांव की बेटी बहनों ने जो बाहर रहती, 180 बहनों ने भाग लिया जिसमें मैनपुरी की श्रीमती बसंती तापड़िया की सहभागिता रही प्रदेश प्रभारी श्रीमती सुजाता राठी एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती रंजना भट्टड ने 51000 की राशि देकर माहेश्वरी महिला सेवा ट्रस्ट की सदस्य बनी श्रीमती सृष्टि राठी चित्रकारी प्रतियोगिता गढ़ मंदिर में 300 प्रतियोगियों में अपना स्थान बना पुरस्कृत रही ,5 वर्षीय रिद्धांस तापड़िया Wizkids Carnival Olympiad में श्लोक और कविता में, पुरस्कृत हुआ ।, kids Farmer Market कानपुर क्लब आयोजित कार्यक्रम में नव्या माहेश्वरी 13 वर्ष आरिक माहेश्वरी नव वर्ष ने परिवार की मदद से Organic एवम घर के बने खाने का स्टाल लगाया Taste of Assam Best Decorated stall Dadi ki Rasoi Fastest Sold out stall से पुरस्कृत किया गया। प्रभु श्रीराम के नाम राम शबरी में राम मणी उपाधि से नवाजा, गया। BJP की राज्य मंत्री माननीय प्रतिभा शुक्ला ने कानपुर की सबसे कम उम्र की महिला उद्योगपति हर्षिता माहेश्वरी को पुरस्कृत किया। श्रीमती निशा जी माहेश्वरी भारत विकास परिषद जालौन की महिला संयोजिका का चुनी गई। सक्षम प्रोजेक्ट के अंतर्गत Domestic Helper के बच्चों को एक नया अनुभव दिया उन्हें Mall में खाने-पीने ,खेलने और खरीदारी के लिए लेकर गए।

अध्यक्ष-सीमा झंवर * सचिव-नीलम मंत्री

दक्षिणांचल

तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कर दवा वितरण
एक अन्य के विवाह में गृहस्थी का सामान प्रदान

तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत सांची में 16 कार्यकारिणी बहनों की उपस्थिति रही, रिपोर्टिंग में तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक को शालीमार कैटगरी से सुशोभित किया, काव्य कौशल में काव्य विभूषण पदवी पर सुशोभित किया। अपनी बात अपनों के साथ सार्थक परिचर्चा जुम पर की गई। सोनल राठी एडवोकेट द्वारा स्वनीति महिला अधिकार पर व्याख्यान दिया गया, गवर्मेंट स्कूल में बच्चों को एक्रेलिक पेंटिंग, ड्रइंग, साइबर स्टॉर्किंग मॉर्फिंग वोयरसिम पोनग्राफी साइबर डिफेमेशन, सुरक्षा के बारे में एवं कैसे बचना है इसकी भी जानकारी दी गई, बहन को सिलाई मशीन, एवं शादी में घर गृहस्थी का सामान दिया गया श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के अन्तर्गत प्रदेश में, सभी जिलों में कार्य क्रम धुमधाम से मनाया गया, गणतंत्र दिवस पर बच्चों के विडियो मंगवाये एवं पुरस्कार वितरण किया, संक्रान्ति पर्व पर राष्ट्रीय कार्य अन्न दान महादान में सहभागिता निभाई। स्वास्थ्य कार्यक्रम में रक्त परीक्षण, हृदय, लीवर, पाचनतंत्र हड्डियों को मजबूत बनाने की जानकारी दी गई, निःशुल्क मोदी केयर मेडिकल, में दवा वितरण मल्टी विटामिन, की गोलियां भी दी गई एवं कैंसर हास्पीटल में भोजन-पानी की व्यवस्था करी गई। निजामाबाद जिले में पहली कार्य समिति बैठक का आयोजन किया गया, कार्य सेतु में 250 बहनों की उपस्थिति रही, संस्कृति-सनातन धर्म, स्त्री-कानूनी अधिकार, आप-आपका परिवार पर सवाल जवाब किए गए, बीमारी में किसी घर में पुछने जाने पर नाश्ता चाय पानी नहीं लेंगे, ये शपथ ग्रहण दिलाई गई।

अध्यक्ष-रजनी राठी * सचिव-मंजू लाहौटी

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

नारी के अलग-अलग रूप और महत्व पर विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न

दिसंबर महीने में प्रदेश के छोटे-बड़े हर शहर में धनुर्मास के निमित्त गोदा रंगनाथ का उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया नित्य गोदा जी के पाठ झांकियां एवं प्रसाद पूरे महीने चला।

जनवरी में प्रदेश के सभी शहरों में मकर संक्रांति धूमधाम से मनाई गई इस उपलक्ष में हल्दी कुमकुम एवं

महिलाओं के लिए मनोरंजन कार्यक्रम रखे गए। बेंगलुरु में संक्रांति के निमित्त तीन अनाथ आश्रम में महीने भर का अनाज एवं जरूरत का सामान दिया गया।

राम मंदिर की स्थापना दिवस के अंतर्गत सभी शहरों में भजन कीर्तन झांकियां रामायण पर प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं रखी गई एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया बागलकोट शहर में नाटक के रूप में संपूर्ण रामायण बच्चों एवं महिलाओं द्वारा दर्शाई गई।

गुलबर्गा एवं बेंगलुरु शहर में नारी रतन राज दीदी द्वारा जीवन में खुश रहने की कला इस पर कार्यशाला ली गई। गुलबर्गा शहर में बी के सुनीता माउंट आबू वाले प्रख्यात ब्रह्माकुमारी द्वारा नारी के अलग-अलग रूप एवं महत्व पर परिचर्चा रखी गई। रामदुर्ग में 7 दिन का हेल्थ कैंप लगाया गया जिसमें सिक्स वेज आफ बीइंग हेल्दी कार्यक्रम लिया गया गुलबर्गा शहर में हेल्थ कैंप का आयोजन हुआ।

फरवरी महीने में प्रदेश के कई शहरों में बसंत पंचमी एवं रथ सप्तमी के अवसर पर मां सरस्वती की पूजा एवं 108 सूर्य नमस्कार हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम एवं अल्पाहार रखे गए प्रदेश द्वारा शिक्षा के साथ संस्कार कैसे बचाएं परिवार इस विषय पर लेखन प्रतियोगिता रखी गई और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। गुलेद्दगुड्ड शहर में वैलेंटाइन डे के निमित्त सखी मंडल द्वारा मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय आदेश अनुसार युगल सिद्ध समिति के अंतर्गत प्रदेश द्वारा गोकाक महिला मंडल के सौजन्य से एक गरीब कन्या को दाइजा भेंट दिया गया।

महाराष्ट्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

1100 बहनों की उपस्थिति में बेसिक और एडवांस दो कार्यशाला संपन्न

प्रथम कार्यकारिणी मीटिंग अमृत सिद्धि का दो दिवसीय प्रदेश अध्यक्ष सुनीता जी पलौड के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। उद्घाटन एवं प्रमुख वक्ता राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष शोभा जी सादानी। 2 दिन में साथ समितियां का कार्य संपन्न हुआ। जलगांव डॉक्टर अर्चना जी काबरा को इंटरनेशनल आयुष कॉन्फ्रेंस दुबई में बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन अवार्ड ।

नासिक अंजलि जी राठी की बेटी जर्मनी निवासी सिद्धि सिद्धार्थ राठी मनियार ने हैंडल को यूनिवर्सिटी में पीएचडी की उन्होंने स्वर्ण पदक से सम्मान किया।

महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा आयोजित मिस माहेश्वरी प्रथम स्थान नर्मदा पलौड द्वितीय स्थान भक्ति मुंदडा तृतीय स्थान कृष्णा बंग को मिला। मीटिंग में स्वयंभू पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

सतारा की कराड तहसील की कन्या रीतिशा भट्टड़ ने ग्लोबल जीनियस बुक में अपना नाम दर्ज कराया। संचार सिद्धा समिति द्वारा 1100 बहन की उपस्थिति में बेसिक और एडवांस दो कार्यशाला संपन्न हुई।

गत एक वर्ष में 3 लाख का डोनेशन माहेश्वरी महिला सेवा ट्रस्ट को दिया गया। उनका नाम पुष्पा जी काबरा, अरुणा जी लाहोटी, मंगल जी मालपानी तथा संगीता जी बियानी है। अध्यक्ष सुनीता जी द्वारा पदाधिकारी के साथ मिलकर भायंदर पालघर सातारा जिला का भ्रमण । सभा द्वारा एडव्होकेट दीपा जी बियानी एवं सुरेखा जी कलंत्री को पुरस्कृत किया गया।

19 वर्ष की आयु में भारत में प्रथम पायलट बनने का सम्मान नांदेड की युक्ता प्रवीण जी बियानी को मिला। कोपरगांव की प्रिया भड्डको अल्ट्राटेक सीमेंट की ओर से अवार्ड । डॉक्टर सिद्धि मनियर को मुंबई में गोल्ड मेडल । राष्ट्रीय प्रभारी अंजलि जी तापड़िया को पतंजलि योगपीठ द्वारा शक्ति स्वरूपा 2023 का पुरस्कार । आदरणीय गोविंद गिरी जी महाराज को इचलकरंजी में गीता परिवार द्वारा 71000 की धनराशि प्रदान की । गोविंद देव गिरी जी महाराज के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में आलंदी में 4 से 11 फरवरी में भागवत गीता का आयोजन किया गया।

फरवरी महिला सड़क सुरक्षा माह के रूप में सभी जिलों ने मनाया एवं महत्व समझाया। संचार सिद्धा द्वारा सभी जिलों में नुक्कड़ नाटिका का आयोजन । 25 फरवरी

को रिश्ते धागे पुणे वालों के साथ ऑनलाइन परिचय सम्मेलन संपन्न । हाल ही में दो शादियां युगल सिद्धा समिति के सदस्य द्वारा की गई। सभी जिलों में विवाह योग्य युवक युवती का बायोडाटा का आदान-प्रदान होता है।

अध्यक्ष-सुनीता पलोड * सचिव-सुनीता चरखा

प्रेरणा लाचार एवं जरूरतमंद मनुष्य की सेवा से ही ईश्वर प्रसन्न होते हैं

एक समय मोची का काम करने वाले व्यक्ति को रात में भगवान ने सपना दिया और कहा कि कल सुबह मैं तुझसे मिलने तेरी दुकान पर आऊंगा। मोची की दुकान काफी छोटी थी और उसकी आमदनी भी काफी सीमित थी। खाना खाने के बर्तन भी थोड़े से थे। इसके बावजूद वो अपनी जिंदगी से खुश रहता था। एक सच्चा,ईमानदार और परोपकार करने वाला इंसान था। इसलिए ईश्वर ने उसकी परीक्षा लेने का निर्णय लिया।

मोची ने सुबह उठते ही तैयारी शुरू कर दी। भगवान को चाय पिलाने के लिए दूध,चायपती और नाश्ते के लिए मिठाई ले आया। दुकान को साफ कर वह भगवान का इंतजार करने लगा। उस दिन सुबह से भारी बारिश हो रही थी। थोड़ी देर में उसने देखा कि एक सफाई करने वाली बारिश के पानी में भीगकर ठिठुर रही है।मोची को उसके ऊपर बड़ी दया आई और भगवान के लिए लाए गये दूध से उसको चाय बनाकर पिलाई। दिन गुजरने लगा, दोपहर बारह बजे एक महिला बच्चे को लेकर आई और कहा कि मेरा बच्चा भूखा है, इसलिए पीने के लिए दूध चाहिए। मोची ने सारा दूध उस बच्चे को पीने के लिए दे दिया। इस तरह से शाम के चार बज गए। मोची दिनभर बड़ी बेसब्री से भगवान का इंतजार करता रहा।

तभी एक बूढ़ा आदमी जो चलने से लाचार था, आया और कहा कि मै भूखा हूं, और अगर कुछ खाने को मिल जाए तो बड़ी मेहरबानी होगी। मोची ने उसकी बेबसी को समझते हुए मिठाई उसको दे दी। इस तरह से दिन बीत गया और रात होगी। रात होते ही मोची के सब्र का बांध टूट गया और वह भगवान को उलाहना देते हुए बोला कि - वाह रे भगवान !! सुबह से रात कर दी मैंने तेरे इंतजार में, लेकिन तू वादा करने के बाद भी नहीं आया। क्या मैं गरीब ही तुझे बेवकूफ बनाने के लिए मिला था। तभी आकाशवाणी हुई और भगवान ने कहा कि - मैं आज तेरे पास एक बार नहीं,तीन बार आया और तीनों बार तेरी सेवाओं से बहुत खुश हुआ और तू मेरी परीक्षा में भी पास हुआ है,क्योंकि तेरे मन में परोपकार और त्याग का भाव सामान्य मानव की सीमाओं से परे हैं।

अर्थात् किसी भी मजबूर या ऐसा व्यक्ति जिसको आपकी मदद की जरूरत है उसकी मदद जरूर करना चाहिए। क्योंकि शास्त्रों में कहा गया है कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' और मदद की उम्मीद रखने वाले,जरूरतमंद और लाचार लोग धरती पर भगवान की तरह होते है। जिनकी सेवा से सुकून के साथ एक अलग संतुष्टी का एहसास होता है।

अपना सुधार संसार की सबसे बड़ी सेवा है।

हम बदलेंगे,युग बदलेगा।

पूर्वांचल

उत्कल (उड़ीसा) प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में संबलपुर में एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह दीप प्रज्जवलन तथा साइबर सुरक्षा हेतु नाटिका का मंचन

मकर संक्रांति के अवसर पर राष्ट्रीय प्रकल्प नर सेवा ही नारायण सेवा के तहत सभी जिला से 91,062 रुपए का खर्च दान पुण्य में हुआ, कंबल,ऊनी कपड़े,खाने पीने का सामान गरीबों में दिया। कटक व बालेश्वर मे गौशाला में गायो के लिए लापसी बनवाई। जाजपुर में अनाथ बच्चों की स्कूल में किताब, कापी, पेन, मिठाई, बिस्कुट, चाकलेट बांटे गए।

''एक शाम प्रभु श्रीराम के नाम'' प्रतियोगिता में उड़ीसा प्रदेश की सहभागिता रही व राम प्रभा की कैटेगरी मिली। रामलला प्राकट्य पर सभी जिला से वीडियो प्रस्तुति व इसके अलावा अंगुल–तालचेर–ढेंकानाल, कटक, बरगढ, बड़बिल कैवेंझर व सभी जिला में सुन्दरकांड,रामचरितमानस का पाठ किया व बच्चों ने राम दरबार की झांकी सजाई। ब्रजराज नगर मे इक्कावन सौ दिए जलाए और रंगोली सजाई।

झाड़सुगुडा में ग्यारह सौ दीपों से हनुमान मंदिर को सजाया। संबलपुर मे एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह दिए जलाए। राउरकेला,जाजपुर मे रामजी की झांकी निकाली व ऋषिपुत्र द्वारा गायत्री 9 कुंड महायज्ञ किया। बालेश्वर व मल्कानगिरी मे रामकथा का आयोजन किया। राम नाम ग्रुप में 15,00,000 राम नाम जाप, 8,800 हनुमान चालीसा, 270 सुंदर काण्ड का योगदान व रामायण प्रश्नोत्तरी की गई। प्रदेश के सभी जिलों मे राम नाम के झंडे फहराए।

बसंत पंचमी के अवसर पर मां शारदा की पूजा की। चौपाल चर्चा में अनुराधा जी द्वारा पहली मुलाकात का अनुभव में बहनों ने आकर्षित होकर अपना अनुभव बताया। पूर्वांचल द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम संवाद मार्गदर्शन में संचालन सह प्रभारी अनुजा काबरा ने व जूम संचालन सह प्रभारी मनीषा सोमानी ने किया।

राष्ट्रीय प्रकल्प निःशुल्क शिक्षा हेल्पलाइन में मेडिकल, इंजीनियरिंग में इच्छुक समाज के छात्र छात्राओं को जोड़ा व जूम के माध्यम से आगे बढ़ने वाली परीक्षा में JEE और NEET के लिए सशक्त किया । गठबंधन ग्रुप में 20 बायोडाटा अपलोड किया है। राष्ट्रीय के अंतर्गत साइबर सुरक्षा हेतु मेघा नुक्कड़ नाटिका का विडियो झाडसूगुड़ा जिला ने तैयार करके राष्ट्र में भेजा है। संबलपुर मे नया पाड़ा ओड़िया स्कूल मे 50 लड़कीयो को सेनेटरी नेपकिन बांटे।

अखिल भारतवर्षीय द्वारा सेमीनार नेत्रम में डॉक्टर अनघा हेरुर द्वारा आंखों की देखभाल कैसे करें व मुंबई की थेरेपिस्ट शशि सारडा ने योग संजीवनी के माध्यम से गैस व एसीडिटी से कैसे बचें स्वास्थ्य वर्धक जानकारी दी। सभी बहनों ने लाभ उठाया।

अध्यक्ष –अस्मिता मूंदड़ा * सचिव –शशी डोंगरा

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

प्रथम प्रादेशिक कार्यकारिणी और द्वितीय कार्यसमिति बैठक दुर्गापुर में सम्पन्न

15 मार्च को प्रथम कार्यकारिणी और द्वितीय कार्यसमिति बैठक दक्षिण दुर्गापुर संगठन के आतिथ्य में दुर्गापुर में सम्पन्न हुई।

इसमें प्रदेश से 50 सदस्यों की उपस्थिति रही। बैठक के प्रथम चरण का आरम्भ ,आयोजक संगठन दुर्गापुर की सदस्या शीतल खटोड़ के मंच संचालन में दीप प्रज्ज्वलित,गणेश स्तुति,महेश वंदना करते हुए हुआ। तत्पश्चात कार्यकर्ता प्रशिक्षण के लिए प्रदेश सचिव सुधा कल्याणी ने मंच संचालन का कार्यभार संभाला। प्रदेश अध्यक्षीय रेखा लखोटिया का स्वागत उद्बोधन,कोषाध्यक्ष श्रीमती मंजु बिहानी ने आय–व्यय संबंधित और संगठन मंत्री श्रीमती संतोष बाहेती द्वारा संगठन विस्तार की जानकारी दी गई। तीनों संभाग की रिपोर्ट सह सचिव श्रीमती किरण डागा, उपाध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पेड़ीवाल, श्रीमती निशा कल्याणी ने सुनाई।

माहेश्वरी महिला ट्रस्ट की सदस्य बनकर श्रीमती निशा जी कल्याणी ने परोपकारिता की ओर कदम बढ़ाया। उनके इस सराहनीय कार्य हेतु प्रदेश ने सम्मानित किया। और साथ ही ट्रस्ट की जानकारी राष्ट्रीय कार्यसमिति श्रीमती नीरा मल्ल द्वारा दी गई ।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रेखा लखोटिया द्वारा संगठन से जुड़ने के लाभ।

नि.व.अध्यक्ष / राष्ट्रीय कार्यसमिति श्रीमती नीरा मल्ल द्वारा पदों का दायित्व पर प्रकाश डाला। पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक श्रीमती नीलम भट्टड़ द्वारा कार्यकर्ता के गुण। सचिव श्रीमती सुधा कल्याणी द्वारा रिपोर्टिंग कला। पूर्वांचल सह प्रभारी / प्रदेश उपाधक्ष श्रीमती कृष्णा पेड़ीवाल द्वारा प्रोटोकोल। पूर्वांचल सह प्रभारी / संपादक सरोज मालपानी द्वारा महिला पत्रिका की जानकारी। बीच बीच में अष्ट सिद्धा संयोजिका श्रीमती स्वेता राठी द्वारा कुछ दिमागी एक्टिविटी हुई।

स्वयं सिद्धा समिति के अन्तर्गत महिला दिवस पर संयोजिका संजू जी झंवर की निगरानी में कृतित्व एक प्रतियोगिता करवाई गई। जिसके परिणामों की घोषणा की गई। उपाध्यक्ष श्रीमती आभा लाहोटी ने धन्यवाद ज्ञापन को प्रेषित किया। ।

दिन के भोजन पश्चात फिर से एक बार सभी हॉल में उपस्थित हो मिटिंग के अन्तिम पड़ाव की ओर बढ़े। पहले चरण में संचार सिद्धा समिति संयोजिका अमृता सारडा द्वारा Canva app के जरिए रिपोर्ट के फार्म पर रिपोर्ट लिखना और फ्लायर बनाना सिखाया फिर पुरुलिया सा सह–संयोजिका ने cyber crime के प्रति सजग करवाया।

सभी के साथ खुला मंच रखा गया। जिसमें सदस्यों की कई जिज्ञासा के समाधान करने की कोशिश की गई। दुर्गापुर संगठन की सचिव सुनीशा जी फलोर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन को प्रेषित किया। मिटिंग समापन की घोषणा के पश्चात दुर्गापुर की सदस्या खुशी लखोटिया द्वारा कुछ गेम का आयोजन रहा।

आयोजक संगठन का आतिथ्य बहुत मधुर था। सुबह का नाश्ता, मिड डे मिल में छाछ और फल, दोपहर का भोजन, शाम को चाय के साथ गरमा गर्म समोसे और गुजिया सब जायकेदार, स्वादिष्ट, मन तृप्त करने वाला था।

दुर्गापुर अध्यक्ष श्रीमती प्रीति डागा और सचिव सुनीषा फलौर के संग सभी सदस्यों का बहुत बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष – रेखा लखोटिया * सचिव – सुधा कल्याणी

असम प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

रामलला प्रतिष्ठा महोत्सव पर रामलीला का आयोजन एवं नवरात्रि पर डांडिया की कार्यशाला सम्पन्न

अष्टसिद्धा व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति–वकालत की पढ़ाई के लिए एक छात्रा को 10000 की राशि दी गई। डांडिया एवं गरबा की कार्यशाला करवाई गई।

नवरात्रि पर्व पर बच्चों को दुर्गा मंत्र, अच्छे बुरे स्पर्श की जानकारी, पितृ पक्ष का महत्व, धार्मिक संस्कार कार्यशाला, गीता जी के पाठ, प्रश्नोत्तरी, मारवाड़ी भाषा शिविर इत्यादि आयोजित । बाल दिवस एवं दीपावली पर बच्चों के बीच रंगीन पेंसिल, खेल सामग्री, खाद्य सामग्री, जूते मोजे, कपड़े, पटाखे, इत्यादि वितरित ।

स्वयंसिद्धा महिला सशक्तिकरण समिति–धनोपार्जन हेतु दिवाली मेले लॉटरी ड्रॉ इत्यादि आयोजित। फूलाम गमछा व शिक्षिकाओं को सम्मानित । महिला क्रिकेट का आयोजन एवं बॉक्स क्रिकेट में महिलाओं की भागीदारी। दो दिवसीय शीत कालीन कैंप में तनाव मुक्त जीवन पर नुस्खे एवं परिचर्चा की।

ज्ञानसिद्धा साहित्य समिति–प्रथम कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रथम विनीता तापड़िया, द्वितीय रंजना बिनानी तृतीय विनीता मूंदड़ा रही पुष्पा सोनी द्वारा सांची में काव्य पाठ मंचन । हर सीट हॉट सीट सीजन 2 में रेणु हेडा प्रथम, सुनीता बागड़ी द्वितीय, वंदना मूंदड़ा एकल प्रश्न ग्रुप 1 से द्वितीय स्थान, माया माहेश्वरी एकल प्रश्न 3 में द्वितीय स्थान पर रही।

संस्कृतिसिद्धा अध्यात्म व परंपरा समिति–नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य पर कन्या पूजन, माता की चौकी, भजन कीर्तन, नवदेवियों पर जीवंत झांकी। गांधी जयंती के उपलक्ष्य पर प्रतियोगिताएं। लाचित दिवस पर रैली। गौ कथा में प्रसाद एवं 18000 / की धन राशि सहयोग। अन्नकूट, छप्पन भोग, दीपमाला, मिंगसर की थाली, बारहमासी स्नान, तुलसी विवाह का आयोजन। संपूर्ण कार्तिक मास में प्रतिदिन समयानुसार त्योहारों का महत्व, जानकारी, पूजा विधि, कहानी नए रूप में प्रेषित ।

नदी किनारे परिवारों के साथ मिलकर 1460/ दीपों की मालाओं का आयोजन । संगठन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 18 से 30 वर्षीय युवक युवतियों के लिए सामाजिक जागरूकता कार्य आयोजित।

पितृ पक्ष पर एक गाय को एक साल के लिए गोद लिया गया, हर घर से पांच रोटी रोटी संग्रह कर गौशाला में भेंट, सवामनी, चारा, गुड व रोटियां गायों को खिलाई गई। वृद्ध आश्रम में पितृ पक्ष में खाद्य सामग्री व दक्षिणा दी गई। गोपाष्टमी पर रुपए 7200/– गौशाला में चारे के लिए दिए गए । विद्यालय में चार कुर्सियों का अनुदान दिया गया।

युगलसिद्धा गठबन्धन समिति–आत्म वृत्त का आदान प्रदान निरंतर जारी है। गरीब कन्या के विवाह हेतु 3500/ रुपए एवं आवश्यक वस्तुओं द्वारा सहयोग । स्थानीय शाखा द्वारा शादी विवाह में आ रही दिक्कतों के मद्देनज़र माहेश्वरी जीवन साथी एप नामक ग्रुप का गठन।

संजीवनसिद्धा स्वास्थ्य समिति–कैंसर अस्पताल में दो पानी स्वच्छता यंत्र का अनुदान, जरूरत मंद को दवाई हेतु 2000/ की धन राशि दी गई। आंवला, तुलसी, नीम के पौधों का जीवन में महत्व पर जानकारी । रक्त दान शिविर का आयोजन एवं 17 इकाई रक्त का संग्रह। राष्ट्रीय स्तर से

दिए गये प्रकल्प में सहभागिता हर सीट हॉट सीट सीजन 2 में भागीदारी निभाई। प्रथम कहानी लेखन में सक्रिय भूमिका सांची अधिवेशन के काव्य पाठ में सहभागिता निभाई।

स्थायी प्रकल्प–अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट, माहेश्वरी महिला पत्रिका, विश्लेखिल द्वारा आयोजित प्रथम कहानी लेखन प्रतियोगिता में विनीता तापड़िया एवं विनीता धूत मूंदड़ा राष्ट्रीय स्टार तक पहुंची। अखिल भारतीय द्वारा सांची में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में पुष्पा सोनी द्वारा काव्य मंचन । हर सीट हॉट सीट सीजन 2 में पूर्वोत्तर ने परचम लहराया । चंचल राठी द्वारा 101 दिवसीय पद यात्रा में नियमित रूप से श्याम बाबा का श्रृंगार किया।

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन

स्कूल में सरस्वती मंदिर का निर्माण एवं ऊनी वस्त्र, खाद्यान्न सामग्री, स्टील के बर्तन व फल वितरण किया

अखिल भारतवर्षीये माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 19 एवं 20 दिसंबर को सांची कौशलेंद्रम कार्यक्रम में नेपाल चैप्टर से पूर्वांचल उपाध्यक्ष, संगठन सलाहकार, महासचिव, स्वास्थ्य समिति संयोजिका व कार्यकारिणी सदस्य की सहभागिता रही। इस कार्यक्रम में राम प्रतियोगिता में ताड़का वध कलाकृति को ट्रॉफी से सम्मानित, काव्य कौशल, केरियर की चाह विदेश की राह,रामसेतु व लक्ष्मण रेखा साइबर क्राइम में नेपाल चैप्टर द्वारा सहभागिता रही, आकाश – ज्ञानाकाश शिक्षा में सम्मान चिन्ह, 12021 वृक्षारोपण (पूर्वांचल सर्वाधिक) पर सर्टिफिकेट द्वारा सम्मानित किया गया। नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अनीता सोनी को अखंड भारत गौरवअवार्ड सीजन 4 में बेस्ट लेखिका का सम्मान दिया गया,इस प्रकार श्रीमती अनीता अटल को अखिल नेपाल महिला संघ कोशी प्रदेश कमिटी मे सदस्य पद पर मनोनीत किया, ने.मा.म.स द्वारा खोखना ग्राम में कुष्ठ रोगियों को खाद्य सामग्री,ऊनी वस्त्र व टॉयलेटरी सामान दिया गया जिसकी धनराशि सत्तर हजार थी, नर सेवा नारायण सेवा हेतु नेपाल चैप्टर द्वारा ऊनी वस्त्र, खाद्यान्न सामग्री, स्टील के बर्तन व फल वितरण किया जिसकी लागत दो लाख बासठ हजार छ सौ दश थी। मेची मंच द्वारा स्कूल में सरस्वती मंदिर का निर्माण व मकर संक्रांति पर 90 बच्चों को ऊनी कपड़े, ब्लैंकेट, खाद्यान्न सामग्री व बर्तन सेट दिया गया, काठमांडू मंच द्वारा नववर्ष पर पिकनिक व कुक्कर समाज आश्रम में अन्न दान दिया गया, विराटनगर मंच द्वारा साईंपतरी विद्यालय में गर्म कपड़ा वितरण व 15 कन्याओं को 3 महीना सिलाई प्रशिक्षण का आयोजन, गीता जयंती पर सभी मंचों द्वारा गीता पाठ किया गया, रूपंदेही मंच द्वारा विवाह पंचमी पर पोशाक व प्रसाद वितरण इसी तरह एकल विद्यालय में गर्म कपड़ा और नाश्ता दिया गया। 21 जनवरी को विराटनगर द्वारा भव्य रैली व अखंड रामायण का आयोजन,रूपंदेही द्वारा भी भव्य रैली वह दूसरे दिन 5100 दीप जगाए,4 फरवरी विश्व कैंसर डे के उपलक्ष में समिति द्वारा वीडियो बनाकर प्रेषित किया गया।

अध्यक्ष–निशा माहेश्वरी * सचिव–मल्लिका राठी

जीवन का एक सीधा सा नियम है और वो ये कि अगर अनुशासन नहीं तो प्रगति भी नहीं। अनुशासन में बहकर ही एक नदी सागर तक पहुँचकर सागर ही बन जाती है। अनुशासन में बँधकर ही एक बेल जमीन से उठकर वृक्ष जैसी ऊँचाई को प्राप्त कर पाती है। पानी अनुशासन हीन होता है तो बाढ़ का रूप धारण कर लेता है। हवा अनुशासन हीन होती है तो आँधी बन जाती है और अग्नि अगर अनुशासन हीन हो जाती है तो महा विनाश का कारण बन जाती है। ऐसे ही अनुशासनहीनता स्वयं के जीवन को तो विनाश की तरफ ले ही जाती है।

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

जरूरतमंद कन्याओं का कराया विवाह एवं दिया दायजा, युवा महिलाओं की कराई क्रिकेट प्रतियोगिता एवं कौशल्या जीनियस किड् प्रोग्राम सम्पन्न

राष्ट्रीय कौशलेंद्रमकार्यकारिणी बैठक में प्रदेश से 15 सदस्यों की उपस्थिति स्वयं सिद्धा समिति राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती निर्मलाजी मल्ल के द्वारा कौशलेंद्रम कार्यकारिणी बैठक में 25,000/– रु. पुरस्कार हेतु सहयोग राशि प्रदान। रा.महिला सेवा ट्रस्ट में कुसुम भंडारी 51000/– देकर विशेष ट्रस्टी बने। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हर सीट हॉट सीट में भागीदारी एवं विजेताओं को राष्ट्रीय द्वारा पुरस्कृत। एक जरूरतमंद एक वर्ष के बच्चे का हिर्णयो का ऑपरेशन के लिए 35,000 रुपया की राशि दी। स्वेच्छा रक्तदान शिविर का आयोजन शिविर में 66 रक्तदाताओं ने रक्तदान दिया। माहेश्वरी भवन रिसड़ा में एक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर प्रदान।

मकर सक्रांति के महापर्व के सुअवसर पर इस महायज्ञ में कोलकाता प्रदेश एवं सभी 10 ज़िलों के साथ मिलकर नर और नारायण सेवा में 1700 स्टील के तीन खंड के टिफ़िन वस्तु, कंबल, शॉल, ऊनी वस्त्र, अन्नदान, वस्त्र आदि दिए गए उसका कुल ख़र्च 6,64,950।

गंगा के किनारे साहेब कोठी में दसो रंगों 10 ज़िला की 90 बहनों से रंगी हुई उमंगों भरी राममय उद्यान गोष्ठी भव्य रूप से आयोजित,3 माह अमावस्या को पिंजरापोल गौशाला में गोमाता की सेवा में रोटियां, गुड, दलिया खिलाया गया, कोलकाता माहेश्वरी सभा के साथ कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला में भागीदारी, श्री रमेश जी पतरानी के द्वारा Kaushalya Genius kid प्रोग्राम में भागीदारी, पूर्वांचल कार्यकर्ता प्रशिक्षण जुम पर दो दिवसीय शिविर में कोलकाता प्रदेश से 30 से 35 पदाधिकारियों व बहनों की भागीदारी। राष्ट्रीय द्वारा साइबर अवेयरनेस मेघा नुक्कड़ नाटक में हावड़ा, नवयुवती और हिंदमोटर अंचल की तीन नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भेजी गई।

मध्य कोलकाता ज़रूरतमंद परिवारों के मध्य रोटी एंड व्हीलस द्वारा भोजन कराया गया। रक्तदान शिविर में 107 लोगों ने रक्तदान दक्षिण कोलकाता हमारे समाज के एक बच्चे की चरल कंप्यूटर कोर्स की 15000/– राशि एक महीने की फ़ीस जमा। गंगासागर शिविर में तीर्थयात्रियों के लिए अन्नदान सेवा के रूप में 31000/– धनराशि दी गई साथ में फल, बिस्कुट, चाय दिया गया। हावड़ा जरूरतमंदों कन्या के विवाह पर बंदपेटी दायजा कन्या के उपयोग में

आने वाले समान दिया गया, वृद्धाश्रम में उनके ज़रूरत के अनुसार खाद्य सामग्री दी गई।

पूर्व कोलकाता असारी में बीमार जानवरों और गायों को सेवा के लिए11000/- रुपया की धनराशि । चाकुलिया में स्थित फ़ाउंडेशन में चापाकल लगवाने के लिए।

1,20,000 की धनराशि दी।बाली सभा,युवा महिला क्रिकेट प्रतियोगिता, आशा पाठशाला में 130 छात्रों को वस्त्र व खाद्य सामग्री, शिक्षिकाओं को शॉल देकर सम्मान। बेलघरिया महा संक्रांति के शुभ अवसर पर खिचड़ी, पुडी, आलू दम सब्ज़ी क़रीबन 500 से भी अधिक राहगीरों में वितरण ।नवयुवती पिंजरापोल गौशाला में गौ दान । हिंदमोटर 3 वर्षीय बच्ची के इलाज हेतु 5500 रुपया दिया गया। वीआईपी एक ज़रूरतमंद महिला को सिलाई मशीन प्रदान। रिसडा विवेकानंद गर्ल्स स्कूल में 800 छात्राओं के मध्य सेनेटरी नैपकिन और एक डिस्पोज़ल सैनिटेरीयन मशीन प्रदान की गई और साथ ही साथ डॉक्टर सुरभि पेडीवाल के द्वारा पीरियड्स के दौरान स्वच्छता के बारे में प्रशिक्षण दिया गया, शैलजा पेडीवाल द्वारा छात्राओं को केरियर काउंसलिंग के बारे में बताया गया।

प्रदेश अध्यक्ष-मंजु पेडीवाल * प्रदेश मंत्री-कुसुम मुंदडा

झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

संपूर्ण वर्ष किया विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

नवरात्रि के 9 दिनों के दौरान माता के 9 रूपों को पूरे विधि विधान से पूजा गया। कन्याओं भेंट इत्यादि देने की भी परंपरा है। इस अवसर पर देवघर , बोकारो ,धनबाद ,रांची, मुजफ्फरपुर, कटिहार, पटना, किशनगंज कर्ज़ाइन, गुलाबबाग, फारबिसगंज में कन्या एवं भैरो को भोजन करवा कर गिफ्ट पैक और टीका निकालकर दक्षिणा देकर आशीर्वाद लिया । कटिहार माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा नवरात्री के पावन अवसर पर तीनगाछिया काली मंदिर मे 101 बच्चों को उपहार दिया गया। नवरात्री के अवसर पर किशन गंज,गुमला, गुलाबबाग, देवघर, चाईबासा में डांडिया का आयोजन किया।

राष्ट्र द्वारा भेजे गए रामायण चौपाई युक्त कहानी लेखन प्रतियोगिता से श्रेष्ठ तीन आगे राष्ट्र में भेजे गए । प्रदेश के श्रेष्ठ विजेता इस प्रकार है। भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शोभा सादनी जी द्वारा बताया गया कि सभी की जिंदगी में U-TURN आता है, कैसे एक गृहिणी को घर, परिवार, बच्चे सबकी जिम्मेदारी निभाते हुए अपने अंदर छुपे हुए प्रतिभा को कैसे बाहर लाना है, कैसे समय के साथ अपने आप को बदलना है, कैसे घर की बहु एवं बच्चों से घुल मिलकर रहना है नई टेक्नोलॉजी सिखनी चाहिए आदि। पूर्वांचल के सिक्किम प्रखंड में प्राकृतिक आपदा आने पर रिलीफ फंड में प्रदेश से 5100/- की सहयोग राशि भेजी गई । प्रदेश में स्वच्छता अभियान में सभी बहनो ने गली मोहल्ले, फैक्ट्री एरिया, गौ शाला में सफाई अभियान चलाया।

प्रदेश में दीपों का उत्सव दीपावली बहुत ही धूमधाम से मनाया गया । त्यौहार का आनंद सबके लिए हो, इस खुशी में कटिहार माहेश्वरी महिला संगठन ने आश्रम के छोटे प्यारे 120 बच्चों के साथ दीपावली मनाई। बच्चों के बीच नाश्ता एवं जरुरत के सामान दिया, बच्चों के साथ दीये मोमबत्ती जलाकर पटाखे फोड़ कर दिवाली मनाई। देवघर माहेश्वरी महिला संगठन ने काली रेखा कुष्ठ आश्रम के लोगों के बीच मिठाई, पटाखे, दीपक और बाती का वितरण किया गया ।

आस्था का लोकपार्व छठ के अवसर पर संगठन द्वारा छठ व्रती के लिए पूजा सामग्री, नारियल, फल आदि दिया गया । तुलसी विवाह के अवसर पर भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । श्रेष्ठ 3 विजेता घोषित किये गये।

नर सेवा ही नारायण सेवा के तहत सेवा कार्य सम्पन्न

झारखण्ड बिहार प्रदेश के माहेश्वरी सभा, महिला संगठन एवं युवा संगठन की सयुक्त बैठक 23-24 दिसम्बर 2023 दो दिवसीय उड़ान का आयोजन रांची में आयोजित किया गया । 25 दिसम्बर 2023 राष्ट्रीय प्रतियोगिता हर सीट होट सीट 2 के एकल सवाल 2 पर पूर्वांचल की विजेता रांची से रश्मि मालपानी रही। चाईबासा,कोडरमा एवं कटिहार माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा विवाह के उपलक्ष पर सहयोग राशि 30,000 तथा अन्य सामान दिए गए । रांची में सभा के साथ ब्लड डोनेशन कैंप में 102 यूनिट ब्लड संग्रह किया गया। 80 लोगों ने फ्री मेगा हेल्थ कैंप का लाभ उठाया एवं 15 युवतियों को सैनिटरी पेड दिए गए।फारबिसगंज में कैंसर पीड़ित को 10,000/- सहयोग राशि दी गई। मकर संक्राति के अवसर में राष्ट्रीय प्रकल्प ''नर सेवा ही नारायण सेवा'' के तहत सभी जिला संगठन द्वारा किया गया कार्य में कुल 2,10,100/- राशि खर्च हुए ।राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में महिला संगठन द्वारा सामूहिक रूप से सभी संगठन के सदस्य ने मिल कर राम राम का जाप -36,56,720 , हनुमान चालीसा- 75,528 , सुंदरकांड पाठ-1,249 किया। अयोध्या भव्य मंदिर में राम लाला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर चाईबासा, गुलाबबाग, देवघर, जमशेदपुर, गुमला में बच्चों ने राम जी की सुंदर झांकी प्रस्तुत की। प्रदेश स्तर में जूम प्रांगण में प्राणिक हीलिंग सेशन प्रदेश संजीवन सिद्धा संयोजिका शशि जी डागा करजाईन अध्यक्ष ममता जी शारदा के सहयोग से किया गया । जिसमें नकारात्मक ऊर्जा को हटाकर सकारात्मक ऊर्जा को गति देने का अभ्यास करबाया गया जिसकी ट्रेनर अंकिता मोहपाल थी । गुलाब बाग में कैंसर जागरूकता के तहत चार डॉक्टर शामिल हुए जिन्होंने कैंसर के बारे में जानकारी दी व कैंसर जाचं शिविर का आयोजन भी किया । गुमला की शकुंतला मंत्री ने रक्तदान करके एक गर्भवती महिला की सहायता की। चाईबासा सदस्यों ने पांच दिवसीय ब्रह्माकुमारी राजयोग मेडिटेशन का लाभ उठाया। कोडरमा सदस्य ने राम गोविंद पॉलिटेक्निक इंस्टिट्यूट के इंजीनियरिंग छात्र राहुल कुमार को 5100/- की राशि प्रदान की। गुमला संगठन अध्यक्ष एवं प्रदेश ज्ञान सिद्धा संयोजिका शकुंतला जी मंत्री एवं नीलम जी पेड़ीवाल (जमशेदपुर) ने फेसबुक माहेश्वरी साहित्य मंच पर वसंत उत्सव पर अपनी स्वरचित लेखनी अपलोड की जिसके लिए उन्हें सम्मान पत्र मिला। राष्ट्रीय प्रोजेक्ट साइबर क्राइम जागरूकता नुक्कर के लिए मुजफ्फरपुर संगठन से नुक्कड़ नाटक भेजा गया ।

अध्यक्ष - निर्मला लड्ढा * सचिव - संगीता चितलांगिया

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन (पश्चिमांचल)

कृष्णा समदानी, चितौड़गढ़
कार्यकारिणी सदस्य

मोना डाड, भीलवाड़ा
कार्यकारिणी सदस्य

राखी राठी, भीलवाड़ा
कार्यकारिणी सदस्य

संध्या सोमानी, प्रतापगढ़
कार्यकारिणी सदस्य

छवि भदादा, उदयपुर
कार्यकारिणी सदस्य

सपना अजमेरा, राजसमंद
कार्यकारिणी सदस्य

सुधा चाण्डक, भीलवाड़ा
कार्यकारिणी सदस्य

डिम्पल बिड़ला,चितौड़गढ
कार्यकारिणी सदस्य

दिव्या कान्या, गुलाबपुरा
कार्यकारिणी सदस्य

सरोज गटानी, राजसमंद
कार्यकारिणी सदस्य

मधु काबरा, भीलवाडा
कार्यकारिणी सदस्य

मानकंवर काबरा, भीलवाड़ा
कार्यकारिणी सदस्य

निशा काकानी, भीलवाड़ा
कार्यकारिणी सदस्य

ऋतु सोडानी, चितौड़गढ़
कार्यकारिणी सदस्य

सुमन सोमानी, भीलवाड़ा
कार्यकारिणी सदस्य

वंदना बाल्दी,भीलवाड़ा
कार्यकारिणी सदस्य

@spencer_creation

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन (पश्चिमांचल)

होली, गणगौर व नववर्ष की शुभकामनाएं

ममता सोढाणी, भीलवाड़ा
संगठन मंत्री
अ॰भा॰मा॰महिला संगठन

शिखा भदादा, भीलवाड़ा
पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री

कुंतल तोषनीवाल, चित्तौड़गढ़
राष्ट्रीय समिति प्रभारी

कौशल्या गट्टानी, उदयपुर
कार्यसमिति सदस्य

मनोरमा देवी काल्या, गुलाबपुरा
राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य

सरिता न्याति, उदयपुर
राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य

सीमा कोगटा, भीलवाड़ा
प्रदेश अध्यक्ष

सुशीला असावा, राजसमंद
प्रदेश सचिव

विनीता बाहेती, प्रतापगढ़
प्रदेश कोषाध्यक्ष

श्रीमती चंदा नामधर, चित्तौड़गढ़
प्रदेश संगठन मंत्री

CA CS विनीता डाड, भीलवाड़ा
संस्कार सिद्धा समिति
पश्चिमांचल सहप्रभारी

श्रीमती मीनू झंवर, भीलवाड़ा
ज्ञानसिद्धा साहित्य समिति
पश्चिमांचल सह प्रभारी

श्रद्धा गट्टानी, उदयपुर
रघुकुलरीत सिद्धा समिति
पश्चिमांचल सहप्रभारी

संध्या आगीवाल, भीलवाड़ा
प्रदेश उपाध्यक्ष

अंकिता राठी, भीलवाड़ा
प्रदेश उपाध्यक्ष

गीता काबरा, राजसमंद
संयुक्त मंत्री

सरस्वती राठंड, चित्तौड़गढ़
कार्यकारिणी सदस्य

प्रीति लोहिया, भीलवाड़ा
कार्यकारिणी सदस्य

प्रेमलता पेडाणी, राजसमंद
कार्यकारिणी सदस्य

मंजु गांधी, उदयपुर
कार्यकारणी सदस्य

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505
दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक

प्रेषक :
माहेश्वरी महिला
22/15, यशवंत निवास रोड इन्दौर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं व्यवस्थापक–श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 यशवंत निवास रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स, 89, एम.जी. रोड, इन्दौर 2434147 से मुद्रित।